हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, बुधवार, 4 दिसंबर 2024 | अंक 52 / वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक

क्या डायबिटीज से परेशान हो ?

डायबेटीज चेकअप करके

पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक

द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअरनेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।

नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.

फोन : 9112079000 / 8605245080

आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

महायुति में सीएम को लेकर बनी सहमति!

- देवेंद्र फडणवीस होंगे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री
- एकनाथ शिंदे और अजित पवार डिप्टी सीएम बनेंगे
- गृह मंत्रालय फडणवीस के पास ही रहेगा

मुंबई।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति के प्रचंड बहुमत हासिल करने के बाद मुख्यमंत्री के नाम को लेकर नौ दिन से जारी सस्पेंस मंगलवार को समाप्त हो गया है। सूत्रों ने बताया कि 132 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री होंगे जबकि शिवसेना के एकनाथ शिंदे और एनसीपी के अजित पवार उपमुख्यमंत्री बनेंगे। वहीं, गृहमंत्रालय फडणवीस के पास ही रहेगा। सूत्रों के अनुसार, निवर्तमान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भाजपा आलाकमान की बात मानकर सीएम की कुर्सी छोड़ने के लिए तो तैयार हो गए थे, लेकिन नाराजगी के कारण मंत्री बनने के मना कर रहे थे। बीते दिन शिंदे से बीजेपी नेता ने मुलाकात की थी. जिसके बाद शिंदे को मना लिया गया है। आखिरकार बीजेपी नेता गिरीश महाजन की मध्यस्थता के बाद वह डिप्टी सीएम बनने के लिए राजी हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक, शिंदे को शहरी विकास और लोक निर्माण विभाग जैसे बड़े मंत्रालय दिए जा सकते हैं। लेकिन इसके बदले शिंदे ने कई अहम पदों की मांग की है। शिंदे के अलावा पिछली सरकार की तरह इस सरकार में भी दो डिप्टी सीएम होंगे। एनसीपी नेता अजित पवार को भी डिप्टी सीएम का पद दिया जा रहा है. गिरीश महाजन की मुलाकात और शिंदे गुट के सांसदों के आग्रह के बाद महायुति का संकट सुलझ पाया है।

फडणवीस-शिंदे में हुई आधे घंटे बातचीत

महाराष्ट्र में सीएम पद को लेकर सस्पेंस के बीच देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार शाम कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुंबई में मुलाकात की। फडणवीस सीएम हाउस वर्षा पहुंचे थे, जहां दोनों के बीच अकेले में करीब आधे घंटे बातचीत हुई। महाराष्ट्र चुनाव के बाद यह दोनों की दूसरी मुलाकात है। इससे पहले दोनों दिल्ली में मिले थे।

कल आजाद मैदान में शपथ ग्रहण समारोह

कल 5 दिसंबर को महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद का शपथ ग्रहण समारोह होगा. इस समारोह को लेकर तैयारी जोरशोर से चल रही है। मुंबई के आजाद मैदान में इसका आयोजन किया गया है। पीएम नरेंद्र मोदी समेत तमाम भाजपा के दिग्गज नेता शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेंगे। महाराष्ट्र में 23 नवंबर को विधानसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा की गई थी। महायुति ने 288 विधानसभा सीटों में से 235 पर अपना कब्जा जमाया. वहीं, बीजेपी ने अकेले 132 सीटों पर जीत दर्ज की. 2024 महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बीजेपी प्रदेश की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी।

खबरें! एक नजर में!!

प्रयागराज महाकुंभ के लिए खुला खजाना

प्रयागराज। 2025 में होने वाले महाकुंभ को लेकर प्रयागराज में तैयारियां जोरों पर हैं, लेकिन योगी और मोदी सरकार ने महाकुंभ के लिए खजाना खोल दिया है। जनवरी महीने में शुरू हो रहे इस आयोजन से पहले केंद्र सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। सूत्रों के अनुसार केंद्र सरकार ने 2100 करोड़ रुपये की विशेष अनुदान सहायता राशि स्वीकृत कर दी है। इसकी पहली किस्त 1050 करोड़ रुपये जारी भी हो गई है।

राहुल गांधी आज संभल दौरे पर

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी उत्तर प्रदेश के कांग्रेस सांसदों के साथ आज बुधवार को संभल का दौरा करेंगे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी राहुल के साथ संभल का दौरा कर सकती हैं। उन्होंने कहा, 'प्रतिनिधिमंडल में उत्तर प्रदेश से पार्टी के सभी 6 सांसद शामिल होंगे, जिसका नेतृत्व राहुल गांधी करेंगे।

दाचीगाम जंगल में एक आतंकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के दाचीगाम वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया है। इस समय सुरक्षाबलों ने आतंकियों की गोलीबारी का जवाब दिया। जानकारी के अनुसार, विशेष खुफिया जानकारी मिलने के बाद दाचीगाम जंगल के ऊपरी इलाकों में सुरक्षा बलों ने घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था। जिसमे ये आतंकी मारा गया।

आज इसरो लॉन्च करेगा प्रोबा-3 मिशन

नई दिल्ली। भारत स्पेस साइंस के क्षेत्र में लगातार नाम बना रहा है। भारत की स्पेस एजेंसी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अब तक कई कीर्तिमान रचे हैं। अब इसरो के नाम एक और उपलब्धि जुड़ने वाली है। इसरो आज बुधवार को प्रोबा-3 मिशन लॉन्च करेगा। इसरो ने कहा पीएसएलवी -सी 59 रॉकेट/आरओबीए-3 मिशन के लिए हमसे लाइव जुड़ें। इस मिशन में इसरो की वाणिज्यिक शाखा न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड सहयोग कर रही है।

किश्तवाड़ में जवान की गोली लगने से मौत

किश्तवाड़। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ में गोली लगने के चलते एक 24 साल के जवान की मौत हो गई। सर्विस गन से गलती से गोली चल गई, जो एक सिपाही को जा लगी। मृत सिपाही की पहचान सतनाम सिंह के रूप में हुई है, जो जम्मू का रहने वाला था। हादसा किश्तवाड़ जिले के चित्रू इलाके में हुआ। गन से गोली कैसे चल गई इस पर अभी जांच जारी है।

सड़क हादसे में 5 एमबीबीएस छात्रों की मौत

चेन्नई। केरल के अलप्पुझा में सोमवार देर रात केरल राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की बस एक कार से टकरा गई। इस हादसे में कार में सवार पांच एमबीबीएस छात्रों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना कलारकोड के पास हुई। पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि टक्कर के कारण कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और वाहन को तोड़कर उसमें बैठे लोगों को बाहर निकाला गया।

आतंकियों के मददगार दो महिलाएं गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हाल ही में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है, जिन्हें आतंकवादियों की सहायता करने का आरोप है। एसएसपी आमोद अशोक नागपुरे ने जानकारी दी कि यह गिरफ्तारी 11 सितंबर को काउंटर टेरर ऑपरेशन के बाद की गई, जिसमें दो पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गए थे.

पॉश एक्ट का पालन नहीं होना चिंताजनक

सुको का निर्देश- सेक्सुअल हैरेसमेंट पर राज्य कंप्लेंट कमेटी बनाएं

नई दिल्ली।

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 का राष्ट्रव्यापी अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सभी सरकारी विभागों और उपक्रमों में एक आंतरिक शिकायत समिति गठित करने का निर्देश दिया।

मामले में न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कई निर्देश जारी करते हुए कहा कि पॉश अधिनियम को पूरे देश में समान रूप से लागू किया जाना चाहिए। इसलिए शीर्ष अदालत ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 31 दिसंबर, 2024 तक प्रत्येक जिले में एक अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया, जो 31 जनवरी, 2025 तक एक स्थानीय शिकायत समिति का गठन करेगा और तालुका स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त करेगा। शीर्ष अदालत ने उपायुक्तों/जिला मजिस्ट्रेटों को पॉश अधिनियम की धारा 26 के तहत आंतरिक शिकायत समिति अनुपालन के लिए सार्वजनिक और निजी संगठनों का सर्वेक्षण करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

गोवा विवि के पूर्व विभागाध्यक्ष की दायर याचिका पर निर्देश

शीर्ष अदालत ने कहा कि इतने लंबे समय के बावजूद 2013 के यौन उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम के प्रवर्तन में 'गंभीर चूक' को देखना 'चिंताजनक' है। इसे 'दुखद स्थिति' बताते हुए, शीर्ष अदालत ने कहा कि यह सभी राज्य पदाधिकारियों, सार्वजनिक प्राधिकरणों और निजी उपक्रमों पर खराब प्रभाव डालता है। अदालत का यह निर्देश गोवा विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष ऑरेलियानो फर्नांडीस की तरफ से दायर याचिका पर आया, जिन्होंने अपने खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों पर बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी।

उन्होंने कहा कि वे आंतरिक शिकायत समिति के गठन और वैधानिक प्रावधानों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए निजी क्षेत्र के हितधारकों के साथ जुड़ेंगे।

पीठ ने अपने निर्देशों के अनुपालन के लिए 31 मार्च, 2025 तक का समय दिया और मुख्य सचिवों को क्रियान्वयन की निगरानी करने का निर्देश दिया। यह निर्देश न्यायालय के मई 2023 के आदेश के क्रियान्वयन से संबंधित एक याचिका पर आया, जिसमें केंद्र और राज्य सरकारों को यह सत्यापित करने के लिए समयबद्ध अभ्यास करने का निर्देश दिया गया था कि क्या कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच के लिए सभी मंत्रालयों और विभागों में पैनल गठित किए गए हैं।

उच्च न्यायालय ने गोवा विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद (अनुशासनात्मक प्राधिकरण) के उस आदेश के खिलाफ उनकी याचिका खारिज कर दी, जिसमें उन्हें सेवाओं से बर्खास्त कर दिया गया था और भविष्य में नौकरी के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया था। शीर्ष अदालत ने जांच कार्यवाही में प्रक्रियागत खामियों और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के उल्लंघन को देखते हुए उच्च न्यायालय के आदेश को खारिज कर दिया।

सीईसी की नियुक्ति की सुनवाई से सीजेआई हटे

सीजेआई को पैनल से हटाने पर कांग्रेस ने याचिका लगाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्त (ईसी) की नियुक्ति से जुड़े मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। मामले की सुनवाई 6 जनवरी से शुरू होगी और इसके लिए नई बेंच का गठन किया जाएगा।

2 मार्च 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया था, जिसमें कहा गया था कि सीईसीऔर ईसी की नियुक्ति तीन सदस्यीय पैनल की तरफ से की जाएगी। इसमें प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस शामिल होंगे। सुप्रीम कोर्ट की 5 सदस्यीय बेंच ने यह फैसला सुनाया था। इसमें सीजेआई संजीव खन्ना भी शामिल थे, तब वे सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस थे। हालांकि 21 दिसंबर 2023 को सरकार ने एक नया विधेयक पारित किया, जिसमें चीफ जस्टिस को पैनल से हटा दिया गया और उनकी जगह एक केंद्रीय मंत्री को शामिल किया गया। इसे प्रधानमंत्री चुनेंगे। केंद्र सरकार के इसी फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कांग्रेस कार्यकर्ता जया ठाकुर ने याचिका दायर की है। इस विवाद के बावजूद केंद्र ने ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू को चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त किया था। सीईसी और ईसी की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति एक पैनल करेगा। इसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और सीजेआई भी शामिल होंगे। इससे पहले सिर्फ केंद्र सरकार इनका चयन करती थी। यह कमेटी सीईसी और ईसी के नामों की सिफारिश राष्ट्रपति से करेगी। इसके बाद राष्ट्रपति मुहर लगाएंगे। तब जाकर उनकी नियुक्ति हो पाएगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह प्रोसेस तब तक लागू रहेगा, जब तक संसद चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर कोई कानून नहीं बना लेती।

नए कानून पर विपक्ष ने आपत्ति दर्ज कराई थी

विपक्षी दलों का कहना था कि सरकार सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के आदेश के खिलाफ बिल लाकर उसे कमजोर कर रही है। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2023 में एक आदेश में कहा था कि सीईसी की नियुक्ति प्रधानमंत्री, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया और विपक्ष के नेता की सलाह पर राष्ट्रपति करें।

सीबीएसई 10वीं और 12वीं प्रैक्टिकल एग्जाम 1 जनवरी से

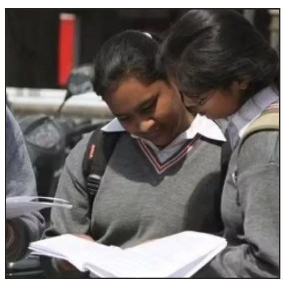

नई दिल्ली। सीबीएसई बोर्ड से कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में भाग लेने जा रहे स्टूडेंट्स के लिए बड़ी खबर है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से दोनों ही कक्षाओं के रेगुलर स्टूडेंट्स के लिए टाइम टेबल घोषित कर दिया गया है। जारी की गई अधिसूचना के मुताबिक रेगुलर सेशन स्कूल्स के छात्रों के लिए प्रायोगिक परीक्षाओं का आयोजन 1 जनवरी से 14 फरवरी के बीच करवाया जायेगा। छात्र ध्यान रखें कि वे प्रैक्टिकल परीक्षा में अवश्य शामिल हों नहीं तो रिजल्ट में आपको प्रायोगिक परीक्षा में अबसेंट प्रदर्शित किया जायेगा। सीबीएसई की ओर से सेकेंडरी एवं सीनियर सेकेंडरी कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं की शुरुआत 15 फरवरी से की जाएगी। 10वीं कक्षा का पहला पेपर अंग्रेजी विषय का वहीं 12वीं कक्षा का एंटरप्रेन्योरशिप विषय का आयोजित किया जाएगा। 10वीं कक्षा का अंतिम पेपर कंप्यूटर एप्लीकेशन, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषयों के होंगे जिसका आयोजन 18 मार्च 2025 को किया जाएगा। इसके अलावा इंटरमीडिएट का अंतिम पेपर साइकोलॉजी विषय का होगा जिसका आयोजन 4 अप्रैल 2025 को करवाया जायेगा। आपको बता दें कि सीबीएसई बोर्ड की ओर से दोनों ही कक्षाओं के लिए बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन केवल एक शिफ्ट में करवाया जाएगा। एग्जाम के लिए टाइमिंग सुबह 10:30 से लेकर दोपहर 1:30 बजे तक रहेगी। कुछ विषयों के पेपर सुबह 10:30 से लेकर दोपहर 12:30 बजे संपन्न करवाए जाएंगे। सीबीएसई की ओर से दोनों ही कक्षाओं के लिए प्रवेश पत्र आपके संबंधित स्कूल में परीक्षा से कुछ दिन पूर्व भेज दिए जाएंगे।

सेना को मिलेंगे ये खतरनाक वीपन्स

सरकार ने 22 हजार करोड़ के हथियार खरीद को दी मंजूरी

नई दिल्ली।

रक्षा तैयारियों को बढ़ाने के लिए मोदी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है. देश सुरक्षा हित में सरकार ने तकरीबन 22 हजार करोड़ रुपये के हथियारों की खरीद को मंजूरी दी है। सीमा पर चीन और पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसे में भारत अपनी रक्षा तैयारियों में कोई कोताही नहीं बरतना चाहता है। इन हथियारों के मिलने के बाद चीन और पाकिस्तान भारत की ओर आंख उठाकर भी नहीं देख पाएंगे। रक्षा अधिग्रहण परिषद यानी डीएसी ने 21,772 करोड़ रुपये के 5 रक्षा अधिग्रहण प्रस्तावों को मंजूरी दी है, जिससे भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना की क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी।

इन प्रस्तावों को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में स्वीकृत किया गया। दरअसल, इस डील के तहत मोदी सरकार का मकसद हर मोर्चे पर अपनी सैन्य ताकत को बढ़ाना है। खरीद के तहत वायुसेना, कोस्ट गाड्र्स, और थल सेना के लिए हथियार खरीदे जाएंगे। जानकारी के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सूट इंडियन एयरफोर्स की क्षमताओं में जबरदस्त इजाफा करेगा। सुखोई-30 एमकेआई फाइटर जेट के लिए इसकी खरीद को मंजूरी दी गई है। यह प्रणाली विमान को दुश्मन के रडार और हथियार प्रणालियों से बचाने के साथ-साथ उनकी संचालन क्षमता को बढ़ाएगी।

भारतीय नौसेना के लिए 31 वाटर जेट फास्ट अटैक क्राफ्ट्स की खरीद की मंजूरी दी गई है। ये जहाज गश्त, बचाव और समुद्री डाकुओं के खिलाफ अभियानों के लिए डिजाइन किए गए हैं। रक्षा मंत्रालय ने 120 फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट्स खरीद को भी मंजूरी दी है।

सेना को मिलेंगे ये हथियार

अधिग्रहण प्रस्ताव के तहत तटीय क्षेत्रों में निगरानी के लिए वाटर जेट फास्ट अटैक क्राफ्ट, फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट (ईडब्ल्यूएस), नेक्स्ट जनरेशन के लिए रडार वार्निंग रिसीवर, एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टरों की खरीद को मंजूरी दी गई है।

संभल हिंसा का पाकिस्तानी कनेक्शन

बवाल में विदेशी कारतूस का हुआ इस्तेमाल

संभल।

जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुए बवाल में नौ एमएम पिस्टल का भी इस्तेमाल किया गया। मंगलवार को पुलिस छानबीन के दौरान मोहल्ला कोटगर्वी में टंकी रोड पर कूड़े के अंदर पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्टरी में बने एक कारतूस और एक खोखा मिला है। इसके अलावा 12 बोर का यूएसए में बना खोखा मिला है। इसी तरह तीन खोखे 32 बोर के भी मिले हैं। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि यह गंभीर तथ्य सामने आया है। इसकी बारीकी से जांच की जाएगी। नौ एमएम कारतूस का इस्तेमाल सरकारी असलहा में ही किया जाता है।

सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जाएंगे। किसने पिस्टल का बवाल में इस्तेमाल किया है। एसपी ने बताया कि मंगलवार को पुलिस की जांच टीम छानबीन कर रही थी। इसी दौरान एक खोखा और एक कारतूस पुलिस को मिला है। इसके पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्टरी का होने का प्रमाण मिला है। इसी तरह यूएसए में बना एक 12 बोर का खोखा भी मिला है। 32 बोर के तीन खोखे मिले हैं। एसपी ने कहा कि अब जांच यह भी की जाएगी कि पाकिस्तान और यूएसए का कारतूस संभल तक कैसे पहुंचा और किस हथियार में इस्तेमाल किया गया। दस दिसंबर तक जिले में बाहरी रोक के बावजूद मंगलवार को जमीयत उलमा-ए-हिंद और कांग्रेसी नेता पीड़ित परिवारों से मिलकर चले गए। पुलिस-प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगी। बाहरी लोगों को रोकने में खुफिया तंत्र भी असफल रहा। जबकि अधिकारी लगातार निगरानी की बात कह रहे हैं। जमीयत उलमा ए हिंद के पदाधिकारियों ने भी पीड़ित परिवारों से मुलाकात की।

कर्ज में दब रहे किसान

5 वर्ष पहले 14 लाख करोड़ ऋण था, अब 25 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली।

देश में किसानों द्वारा लिया जाने वाला कर्ज लगातार बढ़ता जा रहा है। अगर पांच साल पहले किसानों को दिए गए फसल ऋण की बात करें तो वह 8.25 लाख करोड़ रुपये था। साल 2023-24 में किसानों को दिया गया कुल ऋण 25.47 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। प्राथमिकता क्षेत्र ऋण (पीएसएल) विनियमन के अनुसार, सरकार ने बैंकों को अपने कुल ऋण का 18 प्रतिशत कृषि और संबंद्ध क्षेत्र को प्रदान करने के लिए अनिवार्य किया है।

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी के मुताबिक, सरकार पूरे भारत में केंद्र द्वारा 100 प्रतिशत वित्तपोषित संशोधित ब्याज सबवेंशन योजना (एमआईएसएस) नामक केंद्रीय क्षेत्र योजना को कार्यान्वित कर रही है। इसका मकसद, किसानों को उनकी कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से प्राप्त अल्पकालिक कृषि ऋणों पर रियायती ब्याज दरें प्रदान करना है। पिछले पांच वर्ष के दौरान किसानों को दिया गया कुल कृषि ऋण 25.47 लाख करोड़ रुपये है। साल 2019-20 में फसल ऋण 8.25 लाख करोड़ रुपये था। सावधि ऋण 5.68 लाख करोड़ रुपये था। कुल ऋण 13.93 लाख करोड़ रुपये था। साल 2020-21 में फसल ऋण 8.94 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस अवधि में सावधि ऋण 6.82 लाख करोड़ रुपये था। कुल ऋण 15.76 लाख करोड़ रुपये हो गया था। साल 2021-22 में फसल ऋण 11 लाख करोड़ रुपये था। सावधि ऋण 7.64 लाख करोड़ रुपये हो गया। अगर कुल ऋण की बात करें तो वह आंकड़ा 18.64 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। साल 2022-23 में फसल ऋण 13.19 लाख करोड़ रुपये था। सावधि ऋण 8.36 लाख करोड़ रुपये था। कुल ऋण 21.55 लाख करोड़ रुपये था। साल 2023-24 में फसल ऋण 15.07 लाख करोड़ रुपये हो गया। सावधि ऋण भी 10.40 लाख करोड़ रुपये था। कुल ऋण 25.47 लाख करोड़ रुपये था।

छोटे किसानों के लिए एक उप सीमा तय

वर्ष 2016 से छोटे और सीमांत किसानों के लिए एक उप सीमा तय की गई है, जो वर्तमान में 10 प्रतिशत है। यानी कुल कृषि ऋण का 56 प्रतिशत छोटे और सीमांत किसानों को जाना चाहिए। इसके अलावा, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय और बैंकों के सहयोग से केसीसी के प्रचार और संतृप्ति के लिए नियमित रूप से अभियान और शिविर आयोजित करता है।

सिगरेट और तंबाकू के बढ़ सकते हैं दाम

जीएसटी की मीटिंग में लिया जा सकता है फैसला

नई दिल्ली. जीएसटी के मीटिंग के तारीखों का ऐलान कर दिया गया है. यह बैठक 21 दिसंबर को जैसलमेर में होनी है. इस बैठक में कई बड़े फैसले और अहम बदलाव हो सकते है. ऐसा माना जा रहा है कि इसमें हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पर जीएसटी से छूट को लेकर फैसला लिया जा सकता है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी की यह बैठक होनी है. इस बैठक में कुछ अहम फैसलों में एक सिगरेट और तंबाकू पर जीएसटी बढ़ाया जा सकता है. यह पहली बार नहीं है जब सिगरेट और तंबाकू पर जीएसटी बढ़ाया जा रहा हो. इससे पहले भी सरकार की तरफ से सिगरेट और तंबाकू पर टैक्स लगाया गया है. जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने पर मंत्रियों के ग्रुप ने तंबाकू और सिगरेट से संबंधित प्रोडक्ट पर टैक्स को मौजूदा 28 फीसदी से बढ़ाकर 35 फीसदी करने का प्रस्ताव दिया है.

महंगे रेडीमेड कपड़ों पर लगेगा 28 फीसदी

शादियों के सीजन में केंद्र सरकार की ओर से झटका मिल सकता है, दरअसल 21 दिसंबर को जीएसटी काउंसिल की बैठक है और इसमें ब्रांडेड कपड़े पर लगने वाले जीएसटी को बढ़ाया जा सकता है. ऐसे में अगर आपकी शादी दिसंबर महीने के बाद है और आपने अभी शादी के लिए कपड़े नहीं खरीदे हैं तो इनके महंगे होने से पहले आपको खरीदारी कर लेनी चाहिए. फिलहाल रेडीमेड कपड़ों पर चार स्लैब में अलग-अलग जीएसटी वसूला जाता है, जिसमें 5 से 28 फीसदी तक टैक्स है. वहीं 21 दिसंबर को होने वाली बैठक के बाद मंत्री समूह ब्रांडेड रेडीमेड कपड़ों पर टैक्स कलेक्शन बढ़ा सकता है.

नई 35 फीसदी दर भी शामिल होगी

यह डिसीजन रेवेन्यू कलेक्शन को बढ़ाने के प्रयास का हिस्सा हो सकता है. बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में मंत्रियों के ग्रुप ने सोमवार को इस दर को अंतिम रूप देने के लिए बैठक की. तंबाकू पर 35 फीसदी की विशेष दर प्रस्तावित करने पर सहमति व्यक्त की है. इसके लिए 5 फीसदी, 12 फीसदी, और 28 फीसदी की मौजूदा चार स्तरीय टैक्स स्ट्रक्चर बनी रहेगी. इसमें नई 35 फीसदी दर भी शामिल होगी.

अडानी समूह ने किया शेयरधारकों को मालामाल?

नई दिल्ली. गौतम अडानी के अडानी समूह की स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड कंपनी अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड में कारोबारी सत्र में 95 रुपये या 8 फीसदी के जोरदार उछाल के साथ 1310 रुपये पर जा पहुंचा है. एक दिन पहले ही नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने निवेशकों को 1960 रुपये के टारगेट के लिए खरीदने की सलाह दी है.

अडानी पोर्ट्स ने स्टॉक एक्सचेंज पर रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि कंपनी ने नवंबर 2024 में 36 मिलियन टन कार्गो हैंडल किया है जो साल दर साल 21 फीसदी ज्यादा है. जबकि साल 2024 में नवंबर महीने तक कंपनी ने 293.7 मिलियन टन कार्गो हैंडल किया जो साल दर साल 7 फीसदी ज्यादा है.

नवंबर महीने में कंपनी का लॉजिस्टिक रेल वॉल्यूम में साल दर साल 10 फीसदी का उछाल आया है. कंपनी के इसी फाइलिंग के चलते आज के सत्र में अडानी पोर्ट्स के शेयर में बंपर उछाल देखने को मिला है. 3 दिसंबर के कारोबारी सत्र में अडानी पोर्ट्स का स्टॉक 1225 रुपये पर खुला और 7.81 फीसदी के उछाल के साथ 1310 रुपये पर जा पहुंचा है. एक ही सत्र में स्टॉक में पिछले क्लोजिंग प्राइस लेवल 1215 रुपये से 95 रुपये का उछाल देखने को मिला है. स्टॉक में आई इस शानदार तेजी के बाद अडानी पोर्ट्स का मार्केट कैप 2.83 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है. एक ही दिन में कंपनी के मार्केट कैपिटलाइजेशन में 20000 करोड़ रुपये का इजाफा देखने को मिला है.

रिलायंस-ओएनजीसी को बड़ी सौगात

नई दिल्ली.

केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल, एटीएफ और क्रूड ऑयल प्रोडक्ट्स पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स को खत्म कर दिया है. शीतकालीन सत्र के दौरान संसद के पटल पर वित्त मंत्रालय की ओर से इस फैसले की जानकारी देते हुए नोटिफिकेशन पेश किया गया है. साल 2022 में कच्चे तेल के दामों में तेज उछाल के बाद घरेलू कच्चे तेल, पेट्रोल डीजल और एटीएफ के एक्सपोर्ट से तेल कंपनियों को होने वाले मुनाफे पर सरकार ने रेवेन्यू बढ़ाने के मकसद से विंडफॉल टैक्स लगाने का फैसला लिया था. वित्त मंत्रालय ने विंडफॉल टैक्स खत्म करने के फैसले को लेकर नोटिफिकेशन जारी करते हुए कहा, क्रूड ऑयल के प्रोडक्शन, एटीएफ के एक्सपोर्ट और पेट्रोल-डीजल के एक्सपोर्ट पर लगने वाले स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी और रोड-इंफ्रास्ट्रक्चर सेस को वापस लेने का फैसला किया जाता है. कच्चे तेल के दामों में तेज गिरावट के बाद सरकार की ओर से लिए जाने वाले फैसले के कयास लंबे समय से लगाये जा रहे थे. वित्त मंत्रालय ने इस फैसले को फौरन नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है. सरकार ने देश की ऑयल रिफानिंग और मार्केटिंग कंपनियों को पेट्रोल डीजल और एटीएफ के निर्यात से हो रहे बड़े फायदे के मद्देनजर विंडफॉल टैक्स लगाने का ऐलान किया था. सरकार ने पेट्रोल डीजल और एटीएफ के निर्यात पर एक्सपोर्ट ड्यूटी लगा दिया तो घरेलू क्रूड प्रोडक्शन पर भी सेस लगा दिया गया. साल 2022 में रूस और यूक्रेन युद्ध के चलते देश की सरकारी और खासतौर से प्राइवेट ऑयल रिफाइनरी कंपनियां रूस से सस्ते में कच्चा तेल आयात कर उसे रिफाइन करने के बाद ऊंचे दाम पर विदेशों में पेट्रोल डीजल और हवाई ईंधन बेच रही थी जिससे उन्हें जबरदस्त मुनाफा हो रहा है. जबकि घरेलू कच्चे तेल के भी एक्सपोर्ट पर भी ऑयल कंपनियों को फायदा हो रहा था जिसके चलते सरकार ने इन कंपनियों पर विंडफॉल टैक्स लगाने का फैसला लिया था. हर 15 दिनों पर सरकार विंडफॉल टैक्स का समीक्षा किया करती थी.

सोने-चांदी में दिखी गिरावट

नई दिल्ली.

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कमजोर रुख के बीच सोमवार को यानी आज देश की राजधानी दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 200 रुपये की गिरावट के साथ 79,200 रुपये प्रति 10 ग्राम रही. जबकि, शुक्रवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली सोने की कीमत 79,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी. इसके अलावा औद्योगिक इकाइयों और सिक्का बनाने वाले इकाइयों की कमजोर उठान के कारण चांदी भी 2,200 रुपये लुढ़ककर 90,000 रुपये प्रति किलोग्राम रही. वहीं, पिछले कारोबारी सत्र में

यह 92,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी. 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 200 रुपये गिरकर 78,800 रुपये प्रति 10 ग्राम रही. जबकि, शुक्रवार को सोना 79,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा था. इंटरनेशनल लेवल पर कॉमेक्स (जिंस बाजार) सोना वायदा 23.50 डॉलर प्रति औंस यानी 0.88 प्रतिशत गिरकर 2,657.50 डॉलर प्रति औंस पर आ गया.

समाचार एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए, आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स के सहायक उपाध्यक्ष (जिंस और मुद्रा) मनीष शर्मा कहते हैं, ''एशियाई कारोबार के दौरान 2,621 अमेरिकी डॉलर के दिन के कारोबार के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद, सोने में गिरावट जारी रही.' शर्मा का कहना है कि यह गिरावट डॉलर में आये सुधार के कारण हुई. इसे अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी और राष्ट्रपति-चुनाव डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्तावित शुल्क दर से जुड़ी मुद्रास्फीति संबंधी चिंताओं से बल मिला है.

रुपया सर्वकालिक निचले स्तर पर

4 पैसे टूटकर 84.76 के स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली. विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की निरंतर निकासी से निवेशकों की धारणा हुई मंगलवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 4 पैसे गिरकर 84.76 रुपये प्रति डॉलर के सर्वकालिक निम्न स्तर पर आ गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि रुपए में गिरावट मुख्य रूप से डोनाल्ड ट्रम्प की ब्रिक्स मुद्रा पर बयानबाजी, यूरोजोन में राजनीतिक अस्थिरता, कमजोर घरेलू आर्थिक संकेतक और विदेशी पोर्टफोलियो में निरंतर निकासी के कारण हुई। नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को धमकी दी कि यदि BRIC समूह के देश अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने का प्रयास करेंगे तो उन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। इसके अलावा, बाजार सहभागी 6 दिसंबर को आने वाली आरबीआई की मौद्रिक नीति से भी संकेतों का इंतजार कर रहे हैं, जिसमें संभवतः मुद्रास्फीति और विकास के बीच संतुलन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.75 पर खुला और एक सीमित दायरे में घूमते हुए 84.76 के सर्वकालिक निम्नतम स्तर को छू गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 4 पैसे की गिरावट दर्शाता है। सोमवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे गिरकर 84.72 के सर्वकालिक निम्नतम स्तर पर बंद हुआ। डॉलर सूचकांक, जो छह मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की ताकत को मापता है, 0.07 प्रतिशत बढ़कर 106.51 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 0.18 प्रतिशत बढ़कर 71.96 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इस बीच, वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को संसद में कहा कि मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव और अन्य प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद रुपया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली एशियाई मुद्राओं में से एक बना हुआ है, जो भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद का संकेत है।

सेबी ने रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट पर कसा शिकंजा

नई दिल्ली.

सेबी ने रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुइसलिए, सेबी ने सभी बैंकों, डिपॉजिटरीज और म्यूचुअल फंडों से कहा कि वे खातों से किसी भी प्रकार की डेबिट की अनुमति न दें। पिछले सप्ताह नियामक ने कंपनी से धन के अवैध हस्तांतरण के लिए 78 करोड़ रुपये की बकाया राशि वसूलने के लिए तीन संस्थाओं को कुर्की नोटिस भेजा था। आधार प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एंड कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड, इंडियन एग्री सर्विस प्राइवेट लिमिटेड और मोहनबीर हाई-टेक बिल्ड प्राइवेट लिमिटेड। इस वर्ष अगस्त में सेबी ने उद्योगपति अनिल अंबानी, रिलायंस होम फाइनेंस के

पूर्व प्रमुख अधिकारियों सहित 24 अन्य संस्थाओं को कंपनी से धन के हेर-फेर के लिए प्रतिभूति बाजार से पांच वर्ष के लिए प्रतिबंधित कर दिया था।

सेबी ने अंबानी पर 25 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है और उन्हें पांच साल के लिए किसी भी सूचीबद्ध कंपनी या बाजार नियामक के साथ पंजीकृत किसी भी मध्यस्थ में निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी) के रूप में प्रतिभूति बाजार से जुड़ने पर रोक लगा दी है।

इसके अलावा, नियामक ने रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) को प्रतिभूति बाजार से छह महीने के लिए प्रतिबंधित कर दिया और उस पर 6 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। ए 26 करोड़ रुपये की बकाया राशि वसूलने के लिए उसके बैंक, डीमैट खातों और म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स को जब्त करने का आदेश दिया है। यह कदम रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड की ओर से अवैध फंड डायवर्जन के संबंध में नवंबर में जारी नोटिस के बाद उठाया गया है। बाजार नियामक ने 14 नवंबर को रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड (जिसे अब आरबीईपी एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) को एक नोटिस भेजा था और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) के मामले में धन के अवैध डायवर्जन से संबंधित आरोपों पर इकाई को 15 दिनों के भीतर बकाया राशि का भुगतान करने को कहा था।नोटिस के अनुसार, रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट पर 26 करोड़ रुपये बकाया थे, जिसमें ब्याज और वसूली लागत शामिल थी। नोटिस के अनुसार, सेबी ने कहा कि यह मानने के लिए पर्याप्त कारण हैं कि चूककर्ता बैंक खातों और डीमैट खातों या म्यूचुअल फंड फोलियो में प्रतिभूतियों का निपटान कर सकता है और "इससे, देय राशि की वसूली में देरी या बाधा उत्पन्न होगी"।

निवेश शिक्षा पहल डायवर्सिफाई स्मार्टली को किया लॉन्च

नई दिल्ली.

जीवन में, हमें अक्सर दो चरम सीमाओं के बीच चुनना होता है। इसी तरह, निवेश के मामले में किसी को अक्सर उन परिसंपत्ति वर्गों के बीच चयन करने की दुविधा का सामना करना पड़ता है, जिसमें जोखिम के साथ रिटर्न वाले उच्च जोखिम वाली इक्विटी, कम जोखिम वाले डेट और महंगाई के खिलाफ बचाव वाले विकल्प के तौर पर कमोडिटी (सोना, चांदी आदि) के खिलाफ हेज शामिल है। लेकिन क्या हो अगर आप ग्रोथ और स्थिरता के बीच संतुलन बनाकर दोनों का लाभ उठाया जाए? इसके लिए हाइब्रिड फंड को चुनें, जो एक बहुमुखी निवेश विकल्प है और यह एक सिंगल फंड में जोखिम और रिटर्न दोनों को संतुलित करता है। हाइब्रिड फंड म्यूचुअल फंड स्कीम्स

हैं, जो परिसंपत्ति आवंटन और ग्रोथ के लिए इक्विटी (स्टॉक), डेट उपकरणों (बॉन्ड, डिबेंचर, जमा प्रमाणपत्र) और/या सोना, चांदी आदि जैसी जिंसों में निवेश करती हैं। ये फंड विभिन्न जोखिम जरूरतों को पूरा करते हैं और नए निवेश करने वाले व अनुभवी निवेशकों दोनों के लिए उपयुक्त एक विविध और लचीला निवेश विकल्प मुहैया कराते हैं। संतुलित जोखिम-रिटर्न: इक्विटी, डेट और/या कमोडिटी को मिलाकर, ये फंड विविध इक्विटी फंडों की तुलना में कम जोखिम के साथ स्थिर रिटर्न देते हैं।

चल रही ब्रिज सह वनधारा परियोजना

नई दिल्ली. ओडिशा सरकार का ग्रामीण विकास विभाग राज्य में 'ब्रिज सह वनधारा' परियोजनाओं का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन कर रहा है। 'विकसित भारत के लिए विकसित ओडिशा' राज्य सरकार का नया विकास मंत्र है। इसे साकार करने के लिए ग्रामीण विकास को निरंतर महत्व दिया जा रहा है और 'ब्रिज सह वनधारा' परियोजना उस दिशा में एक नई कोशिश है। इससे जल स्तर बढ़ने के साथ-साथ ग्रामीण कनेक्टिविटी भी मजबूत हो रही है, साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था और आजीविका में भी सुधार हो रहा है। ओडिशा सरकार के जनसंपर्क अधिकारी बिनायक मिश्रा के अनुसार ग्रामीण विकास विभाग की ओर से ओडिशा में विभिन्न स्थानों पर बनाई जा रही 'पुल-सह-वनधारा' परियोजनाएं राज्य के समग्र विकास में लाभकारी हैं। इनमें जून 2024 से नवंबर 2024 तक विभाग की आरे से 18 'ब्रिज-सह-वनधारा' परियोजनाएं पूरी की जा चुकी हैं.

मदर डेयरी बनी भारत ऑर्गेनिक्स की पार्टनर

मुंबई/नागपुर.

भारत की अग्रणी विविध फूड कंपनी तथा राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड की पूर्ण स्वामित्व की सब्सिडरी मदर डेयरी ने 'भारत ऑर्गेनिक्स' की ओर्गेनिक स्टेपल्स रेंज को दिल्ली-एनसीआर में उपलब्ध कराने के लिए एक्सक्लुज़िव डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर के रूप में साईन किया है। इस पहल के तहत मदर डेयरी एनसीआर में अपने बूथ नेटवर्क के ज़रिए 'भारत ऑर्गेनिक्स' के पैक्ड एवं सर्टिफाईड प्रोडक्ट्स का डिस्ट्रीब्यूशन करेगी। इस साझेदारी के साथ एनसीआर के बाज़ार में 'भारत ऑर्गेनिक्स आटा' और 'भारत ऑर्गेनिक्स स्वीटनर (गुड़)' का लॉन्च किया गया है। 100 फीसदी सर्टिफाईड अनाज से बना 'भारत ऑर्गेनिक्स आटा' शुद्धता और ताज़गी के साथ बेहतरीन प्राकृतिक स्वाद देता है। इसी तरह 'भारत ऑर्गेनिक्स स्वीटनर (गुड़)' आम चीनी का सेहतमंद और प्राकृतिक विकल्प है। ये प्रोडक्ट्स सेहतमंद और स्थायी आहार की बढ़ती

मांग को पूरा करने में मददगार होंगे। इस अवसर पर श्री मनीष बंदलिश, मैनेजिंग डायरेक्टर, मदर डेयरी ने कहा, ''इस साझेदारी के साथ मदर डेयरी स्वस्थ एवं स्थायी भारत के निर्माण के लिए प्रयासरत है। ओर्गेनिक फार्मिंग में एनसीओएल की विशेषज्ञता, हमारे व्यापक डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और उपभोक्ताओं के भरोसे के साथ हम किफ़ायती दामों पर प्रीमियम ओर्गेनिक प्रोडक्ट्स की बढ़ती मांग को पूरा करने में योगदान देंगे। यह लॉन्च उच्च गुणवत्ता के ओर्गेनिक खाद्य पदार्थों को हर उपभोक्ता तक पहुंचाने तथा परिवारों को स्वस्थ जीवनशैली के साथ सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।' मदर डेयरी ने कई चैनलों एवं भौगोलिक क्षेत्रों में 'भारत ऑर्गेनिक्स' ब्राण्ड के डिस्ट्रीब्यूशन के लिए एनसीओएल के साथ समझौता ज्ञापन किया है। उपभोक्ताओं के कल्याण एवं गुणवत्ता के लिए प्रतिबद्धता के साथ भारत ऑर्गेनिक्स रेंज सफल के 300 स्टोर्स, दिल्ली एनसीआर में तकरीबन 10,000 जनरल ट्रेड आउटलेट्स तथा आधुनिक ट्रेड एवं ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध होगी। यह साझेदारी पोषक एवं स्थायी खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग को पूरा करते हुए ओर्गेनिक फूड को सुलभ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

क्यों बढ़ रही प्रीमियम घरों की बिक्री ?

नई दिल्ली.

नोएडा और ग्रेटर नोएडा के रियल एस्टेट बाजार में जुलाई से सितंबर 2024 की तिमाही के दौरान शानदार तेजी देखने को मिली है. मिड-रेंज और प्रीमियम सेगमेंट में मांग बढ़ने के चलते बड़े और महंगे अपार्टमेंट्स की बिक्री में भारी इजाफा हुआ है. एक्सपर्ट की मानें तो मेट्रो कनेक्टिविटी में सुधार और जेवर में प्रस्तावित इंटरनेशनल हवाई अड्डे की निकटता ने इस क्षेत्र में डिमांड और कीमत दोनों में इजाफा कर दिया है.

यही वजह है कि आज के समय में यह निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. अगर हम नजर डालें तो कई हैरान करने वाले आंकड़ें सामने आएंगे. इस तिमाही में 1 करोड़ रुपए से 2 करोड़ रुपए के प्रीमियम अपार्टमेंट्स की बिक्री पिछले साल के मुकाबले दोगुनी हो गई है. 2024 की दूसरी तिमाही में 1 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य वाले घरों की बिक्री 20 फीसदी तक पहुंच गई है, जो पिछले साल की 11 फीसदी हिस्सेदारी से काफी अधिक है. इस तिमाही में 1,500 वर्ग फीट से बड़े घरों की मांग भी बढ़ी है. आंकड़ों के अनुसार, इस तरह की संपत्तियों की बिक्री 28 फीसदी तक पहुंच गई है, जो कि एक साल पहले की तुलना में शानदार वृद्धि को दिखाता है.

यह दर्शाता है कि घर खरीदारों की प्राथमिकता अब बड़े और अधिक सुविधाजनक घरों की ओर बढ़ रही है, खासकर कोविड-19 महामारी के बाद, जब काम और निजी जीवन को संतुलित करने के लिए अधिक स्थान की आवश्यकता महसूस की गई.

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

विदर्भ स्टॉकिस्ट प्रविण कडू : 9822472123

महाराष्ट्र पद्मीनी विकली लॉटरी | सोडत दर मंगळवारी | तिकीट किंमत रु. 50/- | सोडत क्र. 49 सोडत दिनांक 03/12/2024
महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

पहिले सामाईक बक्षिस रु. 7 लाख — PM-00 : 3784

उत्तेजनार्थ बक्षिस रु. 5000/- — पहिल्या बक्षीसाची विजेता मालिका सोडून इतर सर्व मालिकांसाठी 3784

चिराग एन्टरप्रायझेस - नाशिक
किशोर लॉटरी सेंटर, सांगली
श्री सिद्धि समर्थ एजेंसी, दादर - मुंबई

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

बक्षिस						
दुसरे बक्षिस रु. 2000/-	1357	3933	5672	5713	6377	6940
तिसरे बक्षिस रु. 1000/-	2809	3050	4382	5049	5895	5966
चौथे बक्षिस रु. 500/-	1012	1456	3235	5323	5501	6548
पाचवे बक्षिस रु. 200/-	1338	4152	4645	5030	5850	6211

सहावे बक्षिस रु. 100/- (सर्व मालिकांसाठी)

रु. 100/- (सर्व मालिकांसाठी)

		1926	2331	2821	3200	3536	3935	4365	4700	5177	5709	6174	6634
		1931	2362	2826	3207	3549	3937	4368	4740	5183	5711	6194	6636
1005	1355	1935	2369	2828	3214	3556	3939	4374	4748	5193	5738	6205	6640
1010	1360	1979	2371	2829	3232	3559	3963	4375	4754	5202	5757	6264	6643
1017	1379	1991	2372	2841	3233	3571	3964	4402	4774	5230	5758	6278	6644
1019	1411	2022	2398	2848	3253	3580	3970	4404	4779	5258	5771	6282	6656
1043	1429	2048	2408	2869	3258	3581	3974	4405	4792	5279	5799	6296	6669
1050	1435	2061	2452	2884	3263	3583	3997	4413	4804	5280	5803	6319	6676
1053	1452	2071	2475	2890	3282	3587	4010	4414	4820	5285	5805	6321	6684
1073	1459	2092	2482	2922	3308	3593	4020	4420	4823	5294	5825	6333	6689
1081	1467	2102	2496	2925	3309	3603	4025	4426	4824	5309	5854	6350	6703
1086	1481	2107	2500	2927	3319	3614	4030	4429	4825	5330	5856	6378	6730
1102	1518	2115	2509	2929	3325	3626	4037	4446	4844	5331	5863	6397	6732
1106	1521	2127	2521	2962	3332	3628	4046	4449	4847	5375	5879	6406	6744
1119	1553	2142	2524	2970	3334	3653	4049	4450	4882	5434	5944	6416	6746
1121	1554	2150	2528	2979	3338	3666	4078	4455	4896	5454	5948	6427	6758
1122	1569	2165	2562	2995	3340	3672	4080	4472	4947	5458	5953	6458	6764
1129	1598	2168	2572	2998	3347	3674	4090	4484	4964	5467	5957	6460	6766
1158	1610	2176	2608	3009	3348	3676	4094	4496	4982	5487	5959	6461	6768
1166	1627	2177	2626	3020	3359	3678	4097	4499	4990	5496	5960	6469	6769
1168	1651	2193	2639	3025	3360	3688	4112	4504	5020	5507	5969	6486	6778
1170	1652	2205	2665	3034	3366	3689	4114	4516	5047	5520	5970	6496	6787
1177	1681	2208	2669	3035	3378	3693	4115	4526	5049	5523	5976	6504	6796
1180	1717	2211	2682	3037	3389	3717	4134	4530	5054	5524	6023	6519	6804
1196	1722	2212	2707	3039	3390	3738	4142	4531	5062	5525	6026	6523	6826
1215	1724	2215	2708	3047	3395	3775	4148	4536	5074	5536	6052	6529	6868
1250	1728	2219	2720	3063	3397	3797	4206	4549	5075	5539	6058	6536	6876
1251	1791	2223	2722	3083	3418	3816	4208	4557	5102	5544	6068	6570	6926
1261	1821	2229	2724	3086	3419	3830	4244	4564	5105	5547	6085	6571	6939
1277	1853	2233	2725	3094	3435	3849	4273	4602	5128	5562	6086	6589	6941
1311	1866	2251	2728	3097	3436	3878	4275	4605	5135	5569	6091	6592	6947
1315	1901	2252	2741	3113	3448	3916	4286	4616	5145	5595	6102	6611	6962
1317	1913	2258	2774	3142	3471	3919	4293	4619	5147	5627	6113	6621	6963
1321	1915	2283	2781	3160	3505	3932	4294	4632	5153	5645	6132	6624	6965
1322	1916	2313	2799	3189	3519	3933	4304	4641	5154	5649	6135	6627	6967
1323	1919	2326	2816	3198	3531	3934	4340	4688	5158	5675	6157	6631	6976

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY — महाराष्ट्र गणेशलक्ष्मी नाताळ विशेष मासिक सोडत | तिकीट किंमत रु.100/- | सोडत दिनांक 14-12-2024
जिंका फक्त 4 अंकावर ₹ 22 लाख पहिले सामायिक बक्षिस | दुसरे बक्षीस ₹ 3 लाख (₹ 10 हजारची 30 बक्षिसे) | तिसरे बक्षीस ₹ 5 लाख (₹ 5 हजारची 100 बक्षिसे)
पद्मीनी सोडत दिनांक 03/12/2024 | छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. | प्रस्तुतकर्ता महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : /princeagencymah : /princeagencypl : /princeagencymah

निकाल — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र गजलक्ष्मी मंगल विकली लॉटरी | सोडत संध्या. 4:45 वाजता
सोडत दर मंगळवार • सोडत क्रमांक 49 • तिकीट किं. रु. 20/- • सोडत दिनांक 03/12/2024

मालिका	GL-00	GL-01	GL-02	GL-03	GL-04
पहिले बक्षिस रु. 10,000/-	7289	1554 श्री गुरुदेव दत्त लॉटरी एजन्सी, पुणे	0367 हरी श्री लॉटरी सेंटर, नालासोपारा	4173	3823

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

बक्षिस					
दुसरे बक्षिस रु. 5000/-	0268 सुमित एजन्सी - मुंबई	9506			
तिसरे बक्षिस रु. 2000/-	1202 श्री गणेश एन्टरप्रायझेस, दादर, मुंबई	2634	3476	5397	8149

बक्षिस										
चौथे बक्षिस रु. 1000/-	3960	5202	5680	6791	7214	7598	7825	7931	8322	9091
पाचवे बक्षिस रु. 500/-	2477	3184	3540	3774	3811	4926	5329	6388	6851	8470

सहावे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

सहावे बक्षिस रु. 300/-

	1135	1915	2632	3384	4625	5569	6615	7627	8238	8824
	1164	1934	2636	3403	4674	5651	6624	7703	8260	8826
0000	1166	1963	2802	3431	4746	5696	6643	7712	8283	8844
0031	1177	2013	2822	3434	4804	5860	6646	7720	8287	8879
0061	1223	2023	2923	3520	4810	5897	6703	7727	8307	9099
0097	1248	2081	2929	3521	5105	5914	6734	7733	8346	9142
0109	1291	2098	2941	3646	5230	5943	6748	7761	8372	9154
0130	1328	2207	2994	3675	5251	5956	6804	7787	8378	9289
0150	1405	2217	3013	3737	5275	6039	6869	7788	8384	9294
0223	1425	2225	3020	3769	5276	6133	6877	7952	8405	9513
0253	1428	2250	3032	3774	5345	6158	7010	7969	8428	9586
0317	1430	2251	3033	3792	5378	6160	7088	7971	8479	9595
0478	1488	2253	3083	3939	5398	6287	7172	7972	8572	9607
0503	1531	2255	3158	4084	5453	6326	7214	8040	8583	9651
0638	1598	2312	3323	4101	5469	6352	7268	8108	8595	9792
0667	1618	2321	3337	4167	5480	6436	7295	8138	8685	9929
0804	1643	2441	3338	4416	5491	6462	7316	8178	8692	9949
1101	1821	2525	3345	4443	5513	6561	7520	8181	8800	9984
1118	1902	2618	3372	4452	5559	6597	7568	8186	8818	9998

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY — महाराष्ट्र सह्याद्री मासिक सोडत | तिकीट किंमत रु.50/- | सोडत दिनांक 10-12-2024
जिंका फक्त 5 अंकावर रु. 22 लाख पहिले सामाईक बक्षिस रु. (रु. 11 लाखाची x 2 बक्षिसे) | दुसरे बक्षिस रु. 2 लाख (रु. 10 हजाराची x 20 बक्षिसे) | सातवे बक्षिस रु. 12 लाख (रु. 150 ची x 8000 बक्षिसे)
महाराष्ट्र गजलक्ष्मी मंगळ विकली लॉटरी सोडत दिनांक 03/12/2024 | छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. अचुक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

शिवसेना यूबीटी की कांग्रेस से अपील

विपक्षी एकता सुनिश्चित करें, ममता की राह पर चल रहे केजरीवाल

मुंबई.

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने मंगलवार को कांग्रेस से अपील की कि वह आत्मचिंतन करे और विपक्षी एकता के लिए कदम उठाए, क्योंकि आम आदमी पार्टी (आप) ने अकेले ही दिल्ली विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया है और तृणमूल कांग्रेस (टीएमएसी) की तरह कांग्रेस अलग होने की कोशिश कर रही है।

उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली पार्टी ने अपने मुखपत्र 'सामना' में एक संपादकीय में कहा कि कांग्रेस को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को मनाने के लिए कदम उठाने चाहिए, ताकि वह विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का हिस्सा बने रहें। संपादकीय में कहा गया, पश्चिम बंगाल में (टीएमसी प्रमुख) ममता बनर्जी कांग्रेस को दूर रखते हुए राजनीति कर रही हैं। अब केजरीवाल भी वहीं रास्ता अपना रहे हैं। यह एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर कांग्रेस को आत्ममंथन करना होगा और विपक्षी एकता के लिए कदम उठाने होंगे।

इससे पहले आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल

ने रविवार को कांग्रेस के साथ किसी भी गठबंधन की संभावना को खारिज कर दिया था। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दोनों ही विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का हिस्सा हैं और 2024 के लोकसभा चुनाव में दिल्ली, हरियाणा और

'अब केवल क्षेत्रीय पार्टी नहीं रही आम आदमी पार्टी'

संपादकीय में यह भी कहा गया कि आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में किए गए अपने काम के कारण पंजाब में चुनाव जीतने में कामयाबी हासिल की। आप ने पंजाब में कांग्रेस को हराया और दिल्ली में कांग्रेस व भाजपा को कड़ी टक्कर दी। शिवसेना (यूबीटी) ने यह भी कहा, भाजपा के खिलाफ गठबंधन में आम आदमी पार्टी का होना जरूरी है। आम आदमी पार्टी अब केवल एक क्षेत्रीय दल नहीं रही, क्योंकि उसने अन्य राज्यों में विस्तार किया है। पार्टी ने यह भी सुझाव दिया कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस गुजरात में एक साथ काम करें, ताकि वहां अच्छा प्रदर्शन कर सकें।

गुजरात के साथ मिलकर चुनाव लड़े थे। 'सामना' में कहा गया कि अगर आम आदमी पार्टी दिल्ली विधानसभा चुनाव में अकेले जाने का फैसला करती है, तो कांग्रेस को यह सुनिश्चित करने के लिए मेहनत करनी होगी कि यह घटना अन्य राज्यों में न हो।

लगातार बढ़ रहा किसानों की आत्महत्या का सिलसिला

नासिक.

महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्याएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। पिछले 8 महीनों के दौरान नासिक डिवीजन में किसानों की आत्महत्या की संख्या 200 पार पहुंच गई है। इनमें से सबसे ज्यादा आत्महत्याएं अकेले जलगांव जिले में हुई हैं। आत्महत्या करने वाले किसानों में से कुछ के परिवार को सरकारी सहायता प्राप्त होगी। हालांकि, कुछ किसान परिवारों के प्रस्ताव खारिज किए जाने की वजह से वे सरकारी सहायता से वंचित रह गए।

रिपोर्ट से मिली जानकारी के मुताबिक बीते 8 महीनों में धुले जिले के 44 किसानों ने अपनी जीवन यात्रा समाप्त कर ली है। नंदुरबार जिले में भी दो किसानों की मौत हो गई है। अन्य जिलों की तुलना में इस जिले में किसान आत्महत्या की दर कम है। इसे संतोषजनक माना जा रहा है। नासिक विभाग में कई किसानों ने अलग-अलग कारणों के चलते आत्महत्या की है। सबसे ज्यादा

आत्महत्याएं जलगांव जिले में 137 किसानों ने अपनी जीवन यात्रा समाप्त कर ली है। ये आंकड़ा काफी हैरान करने वाला है।

बताया जा रहा है कि किसानों द्वारा सिर पर कर्ज, जमीन का बंजरपन ऐसे विभिन्न कारणों के चलते आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। सरकार की ओर से किसानों की आत्महत्या को रोकने के लिए कई तरह के उपाय किए जा रहे हैं। इसके बावजूद आत्महत्याओं की संख्या में कमी नहीं आ रही है। इस वर्ष में जनवरी से अक्टूबर तक 8 महीनों के दौरान नासिक डिवीजन में कुल 230 किसानों ने आत्महत्या की है। इसमें नासिक जिले के छह किसान शामिल हैं।

आत्महत्या करने वाले किसानों के परिवारों को शासन स्तर से लाखों रुपये की मदद दी जा रही है। किसान के बच्चों में यदि कोई 12वीं पास हो, तो उसे स्टेट बैंक के माध्यम से 15 लाख रुपये का लोन भी उपलब्ध कराया जा रहा है। किसान के बच्चों की आगे की पढ़ाई पूरी हो सके, इसलिए ये लोन दिया जाता है। इस विभाग में आत्महत्या करने वाले किसानों की संख्या वैसे तो 230 है, लेकिन मात्र 98 किसान परिवारों को ही सरकारी सहायता की पात्रता मिल पाई है। पूरी रिपोर्ट न मिल पाने की वजह से 48 किसान परिवारों को सहायता से वंचित रहना पड़ रहा है। जबकि 84 किसानों के परिवार के प्रस्तावों की जांच जारी है।केले और कपास के उत्पाद के लिए प्रसिद्ध जलगांव जिले में पिछले 8 महीनों में 137 किसानों ने अवसाद के कारण अपनी जान दे दी है। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। प्रकृति की मार, बार-बार फसल के बंजर होने और फसल का उचित मूल्य न मिलने के कारण किसानों का मनोबल टूटता नजर आ रहा है। यही वजह है कि किसानों द्वारा ये कदम उठाया जा रहा है।

इस गांव में बैलट पेपर से फिर वोटिंग

> प्रशासन ने लगाया कर्फ्यू

पुणे.

महाराष्ट्र के सोलापुर में मार्कडवाडी गांव। यहां अधिकांश मतदाता एमवीए समर्थक हैं। मंगलवार को यह गांव फिर से मतदान करने जा रहा है। हालांकि यह पुनर्मतदान अनौपचारिक रूप से हो रहा है लेकिन इसके जरिए गांव ईवीएम और चुनाव आयोग के आंकड़ों को चुनौती देगा। गांववाले मतपत्रों का उपयोग करके अपना वोट देंगे। मार्कडवाडी सोलापुर के मालशिरस विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जहां एनसीपी (एसपी) के उत्तमराव जानकर ने भाजपा के पूर्व विधायक राम सतपुते को हराया है। इधर प्रशासन ने गांववालों को नोटिस दिया है। गांव भारी फोर्स तैनात करके कर्फ्यू लगा दिया गया है।

उत्तमराव जानकर जीत गए हैं लेकिन गांव के उनके एमवीए समर्थकों ने चुनाव आयोग के जारी ईवीएम गणना के आंकड़ों पर

आपत्ति जताई है। जिसमें दिखाया गया था कि भाजपा उम्मीदवार को बढ़त मिली थी, जबकि गांववालों का कहना है कि उन्होंने बीजेपी प्रत्याशी को वोट ही नहीं दिया।

सोलापुर में पुनर्मतदान से पहले, सोलापुर प्रशासन ने कुछ ग्रामीणों को नोटिस जारी किया। प्रशासन ने कहा कि उनके इस कदम से क्षेत्र में तनाव पैदा हो सकता है। सोमवार को वहां पुलिस बल तैनात किया गया। सोलापुर के एसपी अतुल कुलकर्णी ने कहा, 'हमने किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए एहतियाती उपाय के रूप में नोटिस जारी किए हैं। प्रशासन ग्रामीणों से बात कर रहा है ताकि उन्हें कानून और व्यवस्था की स्थिति पैदा करने वाले किसी भी कदम से बचने के लिए राजी किया जा सके।'

ग्रामीणों में से एक रंजीत मार्कड ने कहा, 'हमारे गांव में 2,000 से ज्यादा योग्य मतदाता हैं, जिनमें से 1,900 ने 20 नवंबर को मतदान किया था। हमारे गांव ने हमेशा जानकर और मोहिते पाटिल परिवार का समर्थन किया है। लेकिन इस चुनाव में जानकर को 843 वोट मिले, जबकि हमारे गांव से सतपुते को 1,003 वोट मिले। हम चुनाव आयोग के इस डेटा पर विश्वास नहीं करते। इसलिए, हमने मतों के वितरण का सबूत पाने के लिए 3 दिसंबर को मतपत्रों पर मतदान का आयोजन किया है।

एमवीए समर्थकों ने कहा कि उन्होंने वास्तविक चुनाव में मालशिरस सीट पर चुनाव लड़ने वाले सभी उम्मीदवारों के नाम और तस्वीरों के साथ मतपत्रों की छपाई के लिए क्राउडफंडिंग की। उन्होंने सभी ग्रामीणों से मतपत्रों के जरिए अपना वोट डालने का आह्वान करते हुए बैनर लगाए हैं। एक अन्य निवासी अमित वाघमोर ने कहा, 'हम पूरी प्रक्रिया का पालन कर रहे हैं। हमने सभी ग्रामीणों से इसमें भाग लेने की अपील की है।'

पुलिस से बचने आरोपी 10वीं मंजिल की बालकनी से लटका

ठाणे. ठाणे जिले में एक आरोपी ने पुलिस से बचने के लिए जमकर ड्रामा किया। काफी देर चले ड्रामे के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। दरअसल ठाणे जिले में पुलिस से बचने के लिए एक इमारत की 10वीं मंजिल पर स्थित फ्लैट की बालकनी की ग्रिल से लटककर भागने की कोशिश करने लगा और वहां लटक गया। पुलिस कुछ देर बाद उसे गिरफ्तार किया। इस कारण काफी देर तक वहां तमाशे की स्थिति बनी रही, लेकिन पुलिस ने आखिरकार उसे गिरफ्तार किया।

मंगलवार को एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने आरोपी को कोई बड़ा कदम उठाने से रोकने के लिए मनाया और उसे बालकनी की ग्रिल से ऊपर खींचकर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सुरक्षा के लिहाज से फ्लैट के नीचे एक सुरक्षा जाल भी लगा दिया था। पुलिस के मुताबिक तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में स्वापक औषधि एवं मन: प्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज होने के बाद पिछले सात माह से आरोपी फरार था। एक गुप्त सूचना के आधार पर हैदराबाद पुलिस आरोपी को पकड़ने के लिए गिरफ्तारी वारंट लेकर ठाणे के मीरा रोड इलाके में पहुंची थी। तेलंगाना पुलिस ने इसके लिए स्थानीय काशिमीरा पुलिस की मदद मांगी। पुलिस को पता चला कि आरोपी यहां मीरा रोड इलाके में एक इमारत की 10वीं मंजिल पर स्थित किराए के फ्लैट में रह रहा है। इसके बाद पुलिस वहां पहुंची तो उसे देखते ही आरोपी अपनी जान जोखिम में डालकर फ्लैट की बालकनी की ग्रिल से लटककर भागने की कोशिश करने लगा। काशिमीरा पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक लालू टुरे ने कहा कि "हमारी टीम ने तुरंत उससे बातचीत शुरू कर दी ताकि उसे कोई भी बड़ा कदम उठाने से रोका जा सके, एहतियात के तौर पर अग्निशमन को भी बुलाया गया।" वह बालकनी की ग्रिल से सटा रहा और आत्मसमर्पण करने को तैयार नहीं था। उन्होंने बताया कि इसके बाद पुलिस टीम ने आरोपी को बातों में उलझाए रखा और उसे शांत करने का प्रयास करते हुए कूदने या कोई जोखिमपूर्ण कदम उठाने से रोका।

घाटकोपर बिलबोर्ड दुर्घटना मामले में पूर्व निदेशक को जमानत

मुंबई. मुंबई के घाटकोपर इलाके में एक विशाल लोहे के पैनल के गिरने के मामले में सेशन कोर्ट ने एक विज्ञापन कंपनी की पूर्व निदेशक जान्हवी मराठे को जमानत दे दी है। मुख्य आरोपी भावेश भिंडे भी जमानत पर है और उसने मामले से बरी होने के लिए आवेदन किया है। मराठे ने पहले अग्रिम जमानत के लिए सत्र अदालत का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, सेशन कोर्ट द्वारा राहत देने से इनकार करने के बाद उन्होंने हाई कोर्ट में याचिका दायर की. यह याचिका खारिज होने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद उन्होंने सेशन कोर्ट में जमानत के लिए अर्जी दी। सेशन कोर्ट द्वारा जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद मराठे ने एक बार फिर जमानत के लिए आवेदन किया. उनकी अर्जी पर फैसला करते हुए सेशन कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी। वे एगो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड में निदेशक के रूप में काम कर रहा था, जिसने यह बोर्ड लगाया था. हालाँकि, उन्होंने दिसंबर 2023 में पद से इस्तीफा दे दिया। यह पट्टिका मामले के मुख्य आरोपी और कंपनी के विद्वान निदेशक भावेश भिंडे के कार्यकाल के दौरान लगाई गई थी।

करोड़ों की लागत से बनी दैनिक बाजार इमारत बेकार पड़ी

मुंबई.

कोपरखैरणे सेक्टर छह में करोड़ों रुपये की लागत से बनी डेली मार्केट बिल्डिंग बेकार पड़ी है। बाजार का उद्घाटन नहीं होने से यह बाजार धूल में पड़ा हुआ है। लेकिन कुछ लोगों ने इस खुली जगह का उपयोग कर अवैध कारोबार शुरू कर दिया है, जबकि आसपा के मटन विक्रेता इस जगह का उपयोग बकरियों को बांधने के लिए कर रहे हैं. कईयों ने कबाड़ी गाड़ियाँ रखी हुई हैं।

कोपरखैरणे डिविजनल ऑफिस से दो से चार मिनट की पैदल दूरी पर सेक्टर 6 में करोड़ों रुपये की लागत से एक दैनिक बाजार स्थापित किया गया था। लेकिन यह दैनिक बाजार लगभग तीन वर्षों से धूल में पड़ा हुआ है। बाजार का ढांचा, जो अनुपयोगी होने के कारण जर्जर अवस्था में है, बदरंग हो गया है और कई स्थानों पर टाइलें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। ये सभी इलाके घनी आबादी वाले और भीड़भाड़ वाले हैं। इस मार्केट के सामने बड़ी संख्या में मटन चिकन की दुकानें हैं और

कुछ दुकान मालिक इस मार्केट शेड में अपने बकरे-बकरियां रखते हैं। इन बकरियों के मल से अत्यधिक दुर्गंध आती है। बाजार के आसपास रहने वाले लोगों को इस दुर्गंध को झेलना पड़ता है। इस बारे में पूछने पर विवाद होने लगता है। ऐसा कहा जा रहा है कि हम बकरियों को मुफ्त में नहीं बांधते हैं, हम इसके लिए भुगतान करते हैं, "क्षेत्र के एक निवासी ने नाम न छापने के अनुरोध पर आरोप लगाया। कुछ नारियल विक्रेता, फल विक्रेता और रसवंती एक ही बाजार परिसर में काम कर रहे हैं। उनमें से एक ने कहा कि वे हमें मुफ्त में कैसे बैठने दे सकते हैं लेकिन हमें पैसे देने होंगे। लेकिन वास्तव में यह पैसा किसके पास जाता है, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है। ऐसे में यह सवाल सामने आ रहा है कि आखिर नगर पालिका के नाम पर यह मलीदा कौन खाता है।

शिंदे की सेना नंबर-3, बीजेपी नंबर-1 और हम नंबर दो- छगन भुजबल

नई सरकार में बीजेपी के हो सकते हैं 21 मंत्री

नासिक.

11 दिनों की खींचतान के बाद मुंबई में मंत्रिमंडल के बंटवारे पर महायुति की बैठक हो रही है। चर्चा के मुताबिक, नई सरकार में बीजेपी के 21, शिवसेना के 12 और एनसीपी के 11 मंत्री होंगे। पांच दिसंबर को आजाद मैदान में सीएम और दो डिप्टी सीएम शपथ लेंगे। अन्य मंत्रियों को बाद में शपथ दिलाई जाएगी। मंत्री पद के बंटवारे से पहले अजित गुट के एनसीपी नेता छगन भुजबल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि स्ट्राइक रेट के हिसाब से बीजेपी नंबर वन पार्टी है जबकि हम (एनसीपी) नंबर दो है। शिवसेना तीसरे नंबर की

पार्टी है, इसलिए मंत्रिमंडल में एनसीपी को शिंदे सेना के बराबर मंत्री पद मिलने चाहिए।

जब उनसे पूछा गया कि राज्य मंत्रिमंडल में नए चेहरों को मौका मिलेगा? तो उन्होंने जवाब दिया कि हमेशा नए चेहरों को मौका दिया जाता है, मगर इस बार दिक्कत ज्यादा है। उन्होंने कहा कि पहले बहुमत पाने वाले गठबंधन के पास 160 विधायक होते थे, इस बार विधायकों की संख्या

नए और पुराने चेहरों को मंत्री बनने का मौका

महाराष्ट्र में नई सरकार की शपथ और मंत्रिमंडल बंटवारे की चर्चा के बीच छगन भुजबल के बयान पर चर्चा छिड़ गई है। नासिक में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए छगन भुजबल ने कहा कि अजित पवार से मुलाकात के दौरान महायुति के स्ट्राइक रेट का मुद्दा उठा था। उन्होंने कहा कि स्ट्राइक रेट के हिसाब से बीजेपी के बाद एनसीपी का नंबर आता है, जबकि शिवसेना तीसरे नंबर है। उन्होंने नए मंत्रिमंडल में शिवसेना के बराबर मंत्री बनाने की मांग की।

ज्यादा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई सरकार में सभी दलों से नए और पुराने चेहरों को मौका मिल सकता है।

एनसीपी की ओर से कौन मंत्री बनेगा? इस सवाल के जवाब में छगन भुजबल ने बताया कि नई कैबिनेट दो दिनों में शपथ लेगी। अभी अनुमानों के आधार पर ही मंत्रियों के नाम पर चर्चा हो रही है। हमारे नेता अजित दादा हैं और वह खुद फोन कर मंत्रियों को जानकारी देंगे। उन्होंने कहा कि अभी अजित पवार और प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली में हैं। बता दें कि एनसीपी की ओर से डिप्टी सीएम अजित पवार के अलावा छगन भुजबल और नरहरि जिरवाल के नाम चर्चा में हैं। भुजबल ने कहा कि कुछ लोगों ने मंत्रियों की संभावित लिस्ट मुझे भी भेजी है। मेरे नाम की चर्चा भी मीडियाकर्मियों ने की है

पिंपरी-चिंचवड़ में 'खाकी वर्दी' ही असुरक्षित?

पुणे. पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस आयुक्तालय की सीमा में पुलिस को धमकाना, धक्का देना और मारपीट करना लगातार हो रहा है। नाकेबंदी, यातायात नियमन पुलिस को पीटा जा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या नागरिकों की सुरक्षा के साथ-साथ कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले लोग असुरक्षित हैं?

पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस आयुक्तालय 15 अगस्त 2018 को पुणे शहर और पुणे ग्रामीण बलों को विभाजित करके चालू हो गया।

मध्य रेलवे
नागपुर डिवीजन
ई-नीलामी नोटिस
एनजीपी/सीडब्ल्यू/693/भुगतान एवं पार्क/ई-नीलामी
दिनांक: 2 दिसंबर 2024

1. PnU-NGP-WR-Toi-20-24-1 17/12/2024 को 15.00 बजे शुरू/ 17/12/2024 को 15.30 बजे समाप्त 2. PnU-NGP-BZU-Toi-23-24- 1 17/12/2024 को 15.00 बजे शुरू/ 17/12/2024 को 15.40 बजे समाप्त 3. PnU-NGP-CD- Toi-21-24-1 17/12/2024 को 15.00 बजे शुरू/ 17/12/2024 को 15.50 बजे समाप्त 4. PARKING-NGP-BZU-MX-56-24-4 17/12/2024 15.00 बजे शुरू। 17/12/2024 को 16.00 बजे समाप्त। 5. पार्किंग- NGP-SEGM-MX-65-24-1 17/12/2024 को 15.00 बजे शुरू/ 17/12/2024 को 16.10 बजे समाप्त। 6. पार्किंग- NGP-WR-MX- 60-24-3 17/12/2024 को 15.00 बजे शुरू/ 17/12/2024 को 16.20 बजे समाप्त।

डीआरएम(सी)/एनजीपी/सीआर 38

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

आज का राशिफल

मेष - जातकों के लिए कल दिन इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा। आपको अपने घरेलू कामों पर पूरा ध्यान देना होगा।

वृषभ - जातकों के लिए दिन आनंदमय रहने वाला है। आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। आप अपने फिजूल के खर्चों को बढ़ा सकते हैं।

मिथुन- जातकों के लिए कल दिन सुख सुविधाओं को बढ़ाने वाला रहेगा। आपके घर किसी नये मेहमान का आगमन हो सकता है, जिससे माहौल खुशनुमा रहेगा।

कर्क -दिन व्यस्तता भरा रहने वाला है. आप अपनी जिम्मेदारियां को बखूबी निभाएंगे और किसी से यदि कोई कर्ज लिया था, तो उसे भी उतारने में सफल रहेंगे।

सिंह - शीघ्रता व भावुकता में कोई निर्णय लेने से बचना होगा. यदि किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिले, तो आप अवश्य करें।

कन्या - जातकों के लिए दिन रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने वाला रहेगा। आपकी कला कौशल में सुधार आएगा। आपको अपने विरोधियों से सतर्क रहना होगा।

तुला -आज दिन सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा। आपकी कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी।

वृश्चिक - आज कल दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। बच्चों के साथ आप समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे।

धनु -जातकों की नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। आप अपने आवश्यक कामों को कल पर टालने की कोशिश ना करें। यदि आपने धन संचय करने का सोचा था

मकर -जातकों के लिए दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको पारिवारिक मुद्दों में ढील देने से बचना होगा।

कुंभ -आज दिन मिला-जुला रहने वाला है। आपको यदि कोई शारीरिक कष्ट लंबे समय से चल रहा था, तो उसमें भी काफी हद तक राहत मिलेगी।

मीन -आज दिन मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आपको अपने विरोधियों से सतर्क रहना होगा। साझेदारी में कोई काम करना आपके लिए अच्छा रहेगा।

होंडा सिटी सवार दंपत्ति की मौत, 4 की हालत नाजुक

मुंबई. जलगांव में एक भयानक हादसा हुआ है। यहां एक ऑडी और होंडा सिटी कार के बीच आमने सामने की टक्कर हुई है। इस हादसे में होंडा सिटी में सवार एक दंपती की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं ऑडी में सवार चार लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। मुंबई पुलिस के मुताबिक यह हादसा सोमवार की शाम करीब चार बजे जलगांव के पारोला फाटक के पास का है। मामले की जांच के दौरान पता चला है कि जलगांव शहर की ओर से तेज रफ्तार ऑडी आ रही थी। जैसे ही यह गाड़ी पारोला फाटक के पास पहुंची, सामने से होंडा सिटी कार आ गई और पूरी स्पीड में इन दोनों गाड़ियों के बीच टक्कर हो गई. सूरत से होंडा सिटी कार में सवार होकर आ रही दंपति जलगांव जा रहे थे।

घटना स्थल के आसपास

PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJANA (PMGSY)
e-Procurement Notice
TENDER Notice No. 07/2024-25 (3rd Call)

The Executive Engineer, (PMGSY) Maharashtra Rural Roads Development Association, Nagpur on behalf Government of Maharashtra invites the percentage rate bids in electronic tendering system for construction of Bridge Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana 2024-25 in the districts of Nagpur in 01 packages for Construction cost Rs. 357.19 Lacs & cost of maintenance Rs. 10.41 lacs including their maintenance for five years from the eligible contractors registered with *State PWD/ RRD in Appropriate class Date of release of Invitation for Bids through e-procurement: .29/11/2024 - Time:11.00 Hours.

Availability of Bid Documents and mode of submission: The bid document is available online and should be submitted online in www.pmgsytenders.gov.in.The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.

Last Date/Time for receipt of bids through e-procurement: - 06/ 12/2024 upto 17.00 Hours

For further details please log on to www.pmgsytenders.gov.in

Superintending Engineer
(MRRDA, (PMGSY)
Nagpur Region, Nagpur

DGIPR/2024-25/C 4838

*Non-registered bidders may submit bids, however, the successful bidders must get registered in appropriate class with appropriate authorities within 3 months from the work order

कार्यालय नगरपंचायत कोंढाळी जिल्हा नागपूर
-: निविदा :-

अ. क्र.	तपशिल	तपशिलवार माहीती
1	निविदा धारकांचे नांव	
2	निविदेचे नांव	नगरपपंचाय कोंढाळीचे मालकीचे रिधोरा जाम प्रकल्पावरील 60 अश्वशक्ती क्षमतेची व्हर्टीकल मोटार जुने तार परत न कराता साहीत्यासह दुरूस्ती करणे.
3	निविदा फॉर्म किंमत	रू. 200/
4	अनामत रक्कम	रू. 1000/- पावती क्रमांक दिनांक / / 2024
5	निविदा स्विकारण्याचा दिनांक व वेळ	/ / 2024 दुपारी 3.00 वाजता
6	कामाचा कालावधी	पुरवठा आदेशापासुन 15 दिवस

वर नमुद माहीती मी स्वतः भरलेली असुन ती सत्य आहे माहीती खोटी किंवा चुकीची आढळल्यास माझी निविदा नामंजुर करण्याचे अधिकार नगरपरिषदेला राहीलं.
फर्मचा पुर्ण पत्ता
दिनांक
निविदा धारकांची स्वाक्षरी

कार्यालय नगरपंचायत कोंढाळी जिल्हा नागपूर
पाणी पुरवठा विभाग
-: निविदा प्रपत्र :-

अ. क्र.	कामाचे नांव	सादर करावयाचे एकमु
1	नगरपंचायत कोंढाळीचे मालकीचे रिधोरा जाम प्रकल्पावरील 60 अश्वशक्ती क्षमतेची व्हर्टीकल मोटार जुने तार परत न करता साहीत्यास रिवायींडींग करणे.	

शर्ती व अटी:- 1. निविदा दोन लिफाफा पध्दतीने सादर करण्यात याव्यात तांत्रीक बोलीचा व वित्तीय मोहरबंद लिफाफा एका मोठया लिफाफ्यामध्ये घालुन मोठा लिफाफा मोहरबंद करावा मंड लिफाफा व त्यामधील दोन्ही लिफाफ्यावर कामाचे नांव, निविदाधारकाचे पूर्ण नांव व पत्ता नमुद केलेले असावे. 2. मंजुर निविदेतील साहीत्य पुरवठयाचे दर हे ऐकत्रीत असेल या व्यतीरीक्त कोणतेही अतीरीक्त दर देण्यात येणार नाही. 3. दुरूस्ती साहीत्य दुरूस्ती स्थळावर पोहचता करून फिटींग करून द्यावी लागेल. 4. पुरवठा साहीत्य आय.एस.आय. दर्जाचे असणे बंधकनकारक राहील. 5. पुरवठा धाराकांकडे पॅन कार्ड, अद्यावत दुकान परवाना पंजीयन निविदेसोबत संलग्न क आवश्यक आहे. 6. एक किंवा सर्वच निविदा नाकारण्याचा किंवा स्विकारण्याचा अधिकार निम्नहस्ताक्षरकर्ता यांनी राखुन ठेवलेला आहे. 7. अनामत रक्कम रू. 1000/- नगदी भराते लागेल 8.निधीचे उपलब्धतेनुसार देयक अदा करण्यात येईल. 9.रू. 500 चे स्टॅम्पेपरवर वरील प्रमाणे करारनामा करून द्यावा लागेल. 10. नगरपंचात व्दारे सर्व प्रदाने फक्त रेखांकीत धनादेशाव्दारे प्रदान करण्यात येईल.

पुरवठा धारकांचे नांवा सही व शीक्का
दिनांक:-

स्वा
प्रशासक
नगरपंचायत कोंढाळी

नगर पंचायत मौटा जि. नागपुर
दुरध्वनि क्र. ०७११५-२८७१२५
EMAL ID - NPMOUDA@GMAIL.COM
क्रमांक-नपंमौ/आवि/निविदा/4388/2024
दिनांक: 03/12/2024
निविदा सूचना -2023-24

मुख्याधिकारी, नगर पंचायत मौदा मार्फत खालील कामाचे दोन लिफाफा पध्दतीने निविदा मागविण्यात येत आहे. तरी ईच्छुक निविदाधारक यांना कोरेनिविदा फॉर्म दि. 04/12/2024 स. 10.00 वाजेपासुन नगर पंचायत कार्यालयात उपलब्ध करुन देण्यात येईल. निविदा दाखल करण्याचा अंतीम वेळ दि. 12/12/2024 रोजी सा. 05.00 वाजेपर्यंत असुन नगर पंचायत कार्यालयात सिलबंद निविदा सादर करावे.

अ. क्र.	कामाचे विवरण	कोरे निविदा पत्राची किंमत	अनामत रक्कम	कामाचा कालावधी
1	नगर पंचायत मौदा शहराच्या हद्दीमध्ये सार्वजनिक उपद्रव करणारे माकड (बंदर) पकडणे.	रू. 200/-	रु. 500/-	कार्यदेश पासुन 1 महिने
2	नगर पंचायत मौदा शहराच्या हद्दीतील सार्वजनिक रस्त्यालगतचे अडथळा निर्माण करणारे वृक्ष छाटणी करणे.	रू. 200/-	रु. 500/-	कार्यदेश पासुन 1 महिने

प्राप्त निविदा शक्य झाल्यास दि. 12/12/2024 रोजी सा. 05.30 वाजता उघडण्यात येईल.

स्वा/-
मुख्याधिकारी
नगर पंचायत मौदा

CMYK

सुविचार

अगर जीवन में सफलता प्राप्त करनी है तो मेहनत पर विश्वास करें. किस्मत की आजमाईश तो जुए में होती हैं..

संपादकीय

डॉलर की चिंता

अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में अपनी दूसरी पारी की औपचारिक शुरुआत करने से पहले ही डॉनल्ड ट्रंप धमकी भरी घोषणाओं से सनसनी फैलाने लगे हैं। उनकी ताजा घोषणा ब्रिक्स देशों के नाम जारी की गई इस धमकी के रूप में आई है कि अगर इन देशों ने अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने या अंतरराष्ट्रीय मुद्रा के रूप में उसका कोई विकल्प लाने का प्रयास किया तो उन्हें अमेरिकी बाजार से हाथ धोना पड़ सकता है। ध्यान रहे, ब्रिक्स में रूस और चीन जैसे फिलहाल अमेरिका विरोधी माने जाने वाले देश ही नहीं भारत, ब्राजील और साउथ अफ्रीका के साथ ही अब इजिप्ट, ईरान भी हैं।

अक्टूबर सम्मेलन : ट्रंप का यह बयान ब्रिक्स देशों के अक्टूबर में हुए शिखर सम्मेलन का जवाब माना जा रहा है, जिसमें नॉन-डॉलर ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई थी। हालांकि सम्मेलन के आखिर में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन ने साफ कर दिया था कि सिस्टम सोसाइटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनेंशल टेलिकम्युनिकेशन जैसी वित्तीय संरचना का विकल्प खड़ा करने की दिशा में अब तक ठोस कुछ नहीं किया गया है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा कि ब्रिक्स को ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए जिससे उसकी छवि ऐसी बने कि वह वैश्विक संस्थानों की जगह लेना चाहता है। इसके बावजूद अगर ट्रंप इतने आशंकित हैं कि ब्रिक्स देशों से डॉलर का विकल्प खड़ा न करने की गारंटी मांग रहे हैं तो वह अकारण नहीं है। सच यह है कि समय-समय पर कई देशों ने नॉन-डॉलर ट्रांजेक्शन की गुंजाइश तलाशने का प्रत्यक्ष या परोक्ष प्रयास किया है। खासकर, अमेरिका ने जिस तरह से 2012 में ईरान और 2022 में रूस को स्विफ्ट से बाहर करके अंतरराष्ट्रीय वित्तीय लेन-देन की इस व्यवस्था पर अपना दबदबा साबित किया, उसके बाद ऐसे प्रयासों की जरूरत ज्यादा महसूस की जाने लगी। बड़ा सवाल यह है कि क्या डॉनल्ड ट्रंप की यह धमकी सौदेबाजी के मकसद से दी गई है या वह 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद संभालने के बाद सचमुच इस पर अमल करने वाले हैं। एक्सपर्ट्स की राय इस पर बंटी हुई है, लेकिन इतना तय है कि यह काम ट्रंप के लिए आसान नहीं साबित होने वाला। अगर वह अपनी इस घोषणा को अमली जामा पहनाने पर अड़े रहे तो संभव है कि फायदे के बदले अमेरिकी अर्थव्यवस्था का और नुकसान करा बैठें।

संस्मरण

मसखरा

आर.के.भारद्वाज

❍ जिस बस्ती में मेरा धर है वह पहले एक गांव था, नये राज्य बने, विकास हुआ, जो पहले जिला परिषद के क्षेत्र में आता था वह अब नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में आ गया। नगर निगम के परिसीमन में नगर निगम ने हमारे गांव को भी शामिल कर लिया, उससे जहाँ कुछ फायदे हुए वहाँ कुछ हानि भी हुई, लेकिन हानि न के बराबर ही है। चूंकि पहले मेरा गांव शहर सीमा से सटा हुआ था.

अतः मूलभूत सुविधायें उसमें थी ही लेकिन नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में आते ही वहाँ जो कमी रह गयी थी वह भी पूरी हुई, धीरे धीरे और विकास होगा ऐसा हम सब पूर्ववर्ती गांव वालों का मानना था, हमारे गांव में पहले पंचायती राज्य था अतः पंचायत घर का बनना तो लाजमी था, पूर्ववर्ती प्रधान एक सम्पन्न कृषक परिवार से थे कुछ सरकार द्वारा मिले अनुदान से कुछ लोगों के सहयोग से उन्होंने काफी काम कराया तभी लगातार बीस वर्षों तक वह निर्विरोध प्रधान होते आये थे। हमारे गांव में सभी धर्मों के लोग थे, हिन्दू मुस्लिम, सिक्ख ईसाई जैन एक इंग्लैण्ड की वासी मेम भी थी। पूरा गांव उसे मेम के नाम से ही जानता था असली नाम कम से कम मुझे तो पता नहीं है। हरिजन भी थे, सफाई कर्मी भी थे कभी किसी के साथ न तो हमने कोई झगडा सुना न देखा।

कहना अतिशयोक्ति न होगी कि हमारा गांव एक आदर्श गांव था. आपसी भाई चारा, सामाजिक सौहार्द, जाति पाँति के भेद नहीं, सभी अपनी अपनी सीमा पहचानते थे. अधिकतर लोग किसान ही थे और वही उनकी जीविका भी थी. गांव में एक गुरूद्वारा, एक मन्दिर, एक मस्जिद, एक गिरजा घर भी था, एक खैराती अस्पताल भी था जहाँ वैद्य सीताराम थे जबान के कड़वे थे लेकिन दवा सटीक देते थे , एक प्राइमरी पाठशाला भी थी, जो बाद में जूनियर हाई स्कूल बन गया था, लड़कियों और लड़कों को सामूहिक शिक्षा ही दी जाती थी कहने का मतलब की पूरे चैन और सुकून से गांव वाले रहते थे. लोहार, बढई, सुनार और छोटे मोटे किराने वाले थे मुख्य दो दुकानें ही थी एक लाला गोपी चन्द एंव उनके पुत्र किशोरी लाल दूसरी दुकान एक सिक्ख थे हरगोविन्द और उनके भाई दर्शन सिंह, हरगोविन्द सिंह थोडे कांइया किस्म के थे लेकिन दर्शन सिंह बहुत ही हंसी मजाक करने वाले थे।

यह वर्णन तब का है जब स्व. जवाहरलाल नेहरू हमारे प्रधान मंत्री थे। बाद में गांव में और दुकानें भी खुली एक चायवाले की, एक साइकिल की मरम्मत करने वाले की, एक बडी दुकान जरनल मर्चेन्ट की भी खुल गयी एक दो छोटे मोटे आयुर्वेदिक डाक्टर भी आ गये एक होम्योपैथिक के डा. भी आ गये कहने का मतलब है कि हमारी छोटी मोटी आवश्यकतायें तो गांव से ही पूरी हो जाती थी, शेष के लिये पास का शहर था ही जो गांव से मात्र 6 किमी की दूरी पर था.

हमारे ही गांव में एक लड़का आया, वह कहाँ से आया कहाँ का था, उसकी जाति क्या थी, कितना पढा लिखा था कोई नहीं जानता लड़का बड़ा हंसमुख था न उसके पास कोई सामान, न कोई सम्बन्धी, बस ऐसे ही वह कब गांव का ही आदमी बन गया कोई नहीं जानता बल्कि यों कहा जाये कि वह गांव वालों की आवश्यकता बन गया कोई नहीं जानता था. कई बार जब उससे उसका नाम पूछा गया तो उसने टाल दिया बहुत ही जोर देने पर एक दिन बताया कि मुकसिंहि, अजीब सा नाम था लेने में परेशानी होती थी। एक दिन कुछ लोगों ने उससे उसकी जात पूछी उसने उल्टा सवाल कर दिया `` आपकी क्या जाति है?

सबने अपनी अपनी जाति बता दी. बस फिर जो तुममें सबसे बड़ी जाति का है वही मेरी भी। अजीब सा रहस्यमय आदमी था. न जाने कब गांव वालों ने ही उसका नाम मसखरा रख दिया। जिसने भी रखा बड़ा सोच समझ के रखा क्योंकि वह था भी बड़ा हंसोड़ बातों बातों में कब वह हंसी की बात निकाल लेता ये युक्ति उसी के बस की बात थी. लेकिन अपने निश्छल स्वभाव के कारण वह सभी का लोकप्रिय था, सभी उससे, उसके स्वभाव से प्रसन्न थे।

काम धन्धा तो वह कुछ करता नहीं था लेकिन पूरी बस्ती उसकी देनदार थी, अक्सर दुकानदार तो उसके ऋणी थे, किसी का माल उतरवा देता, किसी का माल चढ़वा देता पैसे लेने पर कहता `` लाला न तो तुम कहीं जा रहे हो न मैं, और फिर मैं कहाँ सभालता रहूंगा अपनी तिजोरी में मेरा माल भी रख लेना, और देखो गड़बड़ मत करना हमेशा याद रखना कि जहाँ पैसे रखे हैं वहाँ मेरे अधिक हैं तुम्हारे कम, जब जरूरत होगी ले लूंगा,।' लेने के मौके आते तो जितना जमा उससे कहीं कम।

नदीम ख़ान: अब कलम छोड़ दूं या और साहस के साथ लिखूं?

डॉ.सलीम ख़ान, मुंबई

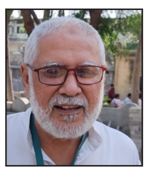

❒ दिल्ली में साढ़े दस साल और गुजरात में 12 साल तक सरकार चलाने के बावजूद, मोदी और शाह की जोड़ी यह नहीं समझ पाई कि दुनिया में दो प्रकार के लोग होते हैं। एक लड़ने वाले और दूसरे डरने वाले। जो लड़ने वाले होते हैं, वे कभी नहीं डरते, और जो डरने वाले होते हैं, वे कभी नहीं लड़ते। अगर नदीम खान डरने वालों में से होते, तो कब का मैदान छोड़कर भाग गए होते। लेकिन जब इंसान ज़ुल्म करता है, तो वह अंदर से डर के कारण खोखला होने लगता है, जैसे मौजूदा शासक। डरपोक लोगों की बुद्धि काम करना बंद कर देती है, और वे अपनी ही परछाई से डरने लगते हैं। वर्तमान सरकार के साथ भी यही हो रहा है, नहीं तो वह नदीम खान को परेशान करने की कोशिश नहीं करती। इस मामले में, पुलिस की साजिश को उजागर करने का पूरा इंतजाम क़ुदरत ने ऐसा किया कि वह पूरी तरह बेनकाब हो गई, और अब उसके पास अपनी गलती छिपाने का कोई रास्ता नहीं बचा। नदीम खान दिल्ली में रहते हैं।

यह तमाशा अगर उनके शहर में उनकी मौजूदगी के दौरान होता, तो पुलिस इस तरह से बेनकाब नहीं होती। इन लोगों ने नदीम खान को परेशान करने के लिए 29 नवंबर की रात 9 बजे का समय चुना, जब वे बेंगलुरु में अपने भाई के पास थे। प्रशासन ने सोचा कि अगर नदीम खान पकड़ में आ जाते, तो उन्हें शनिवार और रविवार जेल की हवा खिलाई जा सकती थी। लेकिन जिसे अल्लाह बचाए, उसे कौन पकड़ सकता है? इसीलिए, 20 पुलिसवालों का दल केवल चौकीदार को धमकाकर खाली हाथ लौट आया। अगले दिन, सुबह-सुबह वे फिर ऑफिस पहुंचे और वहां मौजूद स्टाफ से पूछताछ करने लगे। उन्हें याद नहीं रहा कि यह वकीलों का ऑफिस है, जहां बैठे लोग कानून अच्छी तरह जानते हैं। जब उनके सामने सवालों की बौछार हुई, तो पुलिस के पास कोई जवाब नहीं था और वे शर्मिंदा होकर वहां से भाग गए। इस छापेमारी से डरने के बजाय, एपीसीआर के वकील उल्टा थाने पहुंच गए और पुलिस से कागजात दिखाने पर जोर देने लगे। पुलिस के पास कागजात होते, तो दिखा देते। लेकिन जब कुछ नहीं था, तो उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ कि यहां झूठ और धांधली नहीं चलेगी। मजबूरी में 30 नवंबर की दोपहर 12:48 बजे एफआईआर दर्ज की गई, जबकि पुलिस की यह कार्रवाई 16 घंटे पहले ही शुरू हो गई थी। नदीम खान के दिल्ली लौटने का इंतिजार किए बिना उसी दिन शाम 5 बजे बेंगलुरु पहुंच जाना प्रशासन की तीसरी गलती थी। दिल्ली से बेंगलुरु की दूरी 1740 किलोमीटर है, और हवाई यात्रा में लगभग तीन घंटे लगते हैं। इसके अलावा, हवाई अड्डे तक पहुंचने और वहां से उनके भाई के घर तक का समय मिलाकर कम से कम 6 घंटे का समय लगना तय था। यह लेख सत्ता के दमनकारी प्रयासों और एक साहसी व्यक्ति के धैर्य और सत्य की विजय की कहानी को उजागर करता है। इसका मतलब यह है कि सुबह 11 बजे से पहले ही यात्रा शुरू हो चुकी थी, जबकि एफआईआर अभी तक दर्ज नहीं हुई थी। बिना पहचान पत्र और सादे कपड़ों में गए ये चार लोग इस भ्रम में थे कि उन्हें देखकर नदीम खान डर के मारे बिना किसी सवाल-जवाब के उनके साथ चलने को तैयार हो जाएंगे। उन्होंने यह तक नहीं सोचा कि जब एपीसीआर के दफ्तर का स्टाफ कागजात दिखाने की मांग कर सकता है, तो उनके मुखिया ऐसा क्यों नहीं करेंगे, जबकि उन्हें सोचने और अन्य कानूनी विशेषज्ञों से सलाह लेने का भी अवसर मिल चुका था। बेंगलुरु पहुंचने के बाद पुलिसवालों को समझ में आ गया होगा कि ये व्यक्ति उनके दबाव में आने वालों में से नहीं हैं। उन्होंने वहां पांच घंटे तक बैठकर परिवार को परेशान किया, लेकिन कुछ हासिल नहीं हुआ, क्योंकि उनके पास न तो वारंट था और न ही कोई नोटिस। सच तो यह है कि उनके पास सिर्फ धमकी और जबरदस्ती साथ चलने की मांग के अलावा कुछ भी नहीं था। लेकिन यह धमकियां 'किंग खान' को साथ लाने के लिए काफी नहीं थीं। आखिरकार, परेशान होकर इन लोगों ने दिल्ली से नोटिस मंगवाया। तब पता चला कि एफआईआर में भारतीय दंड संहिता की धारा 196, 353(2) और 61 के तहत आरोप लगाए गए हैं। इन सभी धाराओं में अधिकतम सजा 7 साल से कम है, इसलिए गिरफ्तारी आवश्यक नहीं है।

प्रसिद्ध कवि सरफ़राज़ बज़्मी की यह कविता नदीम खान के लिए प्रस्तुत है: वक़्त की आँखों में सदियों की थकन तू ही बता, अब क़लम फेंक दूँ या और जसारत से लिखूँ। माबदौलत का ये फ़रमान मिला है मुझको, ज़ुल्म को ज़ुल्म भी ज़ालिम की इजाज़त से लिखूँ।

इस तरह, अपने ही जाल में फंसा प्रशासन नाकामी और शर्मिंदगी के साथ लौट आया। नदीम खान को, इंशाअल्लाह, गिरफ्तारी से पहले ही जमानत मिल जाएगी। मानवाधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले इस योद्धा को डराने की कोशिश प्रशासन को महंगी पड़ी। इस घटना से सिविल सोसाइटी में उथल-पुथल मच गई। प्रशांत भूषण, डॉ. सुनीलम, डॉ. आनंद प्रकाश तिवारी और योगेंद्र यादव जैसे कई लोग नदीम खान के समर्थन में आ गए और सरकारी ज्यादती की निंदा करने लगे। नदीम खान, जो भारत जोड़ो अभियान के राष्ट्रीय महासचिव भी हैं, देश में हर प्रकार के अन्याय और अत्याचार के खिलाफ अग्रणी भूमिका निभाते रहे हैं। इस घटना पर बीजेए (भारत जोड़ो अभियान) ने दिल्ली पुलिस की गैरकानूनी और धमकी भरी कार्रवाई की कड़ी निंदा की। बीजेए के विशेष बयान में कहा गया कि "नदीम खान मानवाधिकारों के प्रमुख कार्यकर्ता और यूनाइटेड अगेंस्ट हेट के संस्थापकों में से एक हैं। वे आम नागरिकों, विशेषकर अल्पसंख्यकों के कानूनी और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। 30 नवंबर को बेंगलुरु में बिना वारंट के गिरफ्तारी का प्रयास न केवल गैरकानूनी बल्कि हास्यास्पद था। दिल्ली पुलिस द्वारा एक कुख्यात सांप्रदायिक ट्रोल के ट्वीट के आधार पर नदीम खान पर नफरत फैलाने का आरोप लगाना आश्चर्यजनक है। इस बयान में एपीसीआर (एसोसिएशन फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स) की एक प्रदर्शनी के दौरान किए गए न्यायिक कार्यों को घृणा अपराधों में गिनने को मूर्खता बताया गया है। इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को रोकने का एक जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण प्रयास करार दिया गया। दिल्ली पुलिस की इस धमकाने वाली कार्रवाई की निंदा करते हुए उनके खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की गई।" मानवाधिकारों के संदर्भ मे मानवाधिकारों की सबसे प्रमुख संस्था "द पीपल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज" ने इस मामले में दिल्ली पुलिस की अवैध हरकत की कड़ी निंदा की है। संस्था ने पुलिस की जल्दबाजी और बिना किसी वारंट के या कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना नदीम खान और उनके परिवार को छह घंटे तक डराने-धमकाने और जबरदस्ती करने की आलोचना की। सोशल मीडिया पर दक्षिणपंथी समूह नदीम खान को निशाना बना रहे हैं, क्योंकि वे पुलिस की ज्यादतियों और भीड़ हिंसा में राज्य की भागीदारी की कड़ी आलोचना करते हैं और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करते रहे हैं। मॉब लिंचिंग और भीड़ हिंसा के खिलाफ़ आवाज़ उठाने के कारण नदीम खान और एपीसीआर के खिलाफ़ दुर्भावनापूर्ण प्रचार किया जा रहा है। आरोप लगाया जा रहा है कि उन्होंने हाल ही में दिल्ली में एक प्रदर्शनी आयोजित करके घृणा अपराधों और भीड़ हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट के फैसलों को उजागर किया था। प्रसिद्ध वकील और सामाजिक कार्यकर्ता विनय श्रीनिवास ने इस पुलिस ज्यादती पर कहा, "नदीम खान के मामले में दिल्ली पुलिस का रवैया पूरी तरह से अनुचित है।

यह गंभीर संदेह पैदा करता है और कानून में जनता का विश्वास कमजोर करता है।" उन्होंने कहा कि नदीम खान और एपीसीआर को निःस्वार्थ रूप से पीड़ितों की आवाज़ बनने के कारण निशाना बनाया जा रहा है, और इस निंदनीय हरकत के खिलाफ कर्नाटक सरकार को कदम उठाना चाहिए। प्रसिद्ध वकील प्रशांत भूषण ने नदीम खान के साथ अपनी तस्वीर "एक्स" (पूर्व में ट्विटर) पर साझा करते हुए एक विस्तृत बयान लिखा। इसका सार यह है: "संप्रदायिक अपराधों को उजागर करने के लिए एपीसीआर के सचिव नदीम खान को दिल्ली पुलिस द्वारा परेशान करना यह दर्शाता है कि पुलिस इन अपराधों में शामिल है। ऐसे पुलिस अधिकारियों को निलंबित किया जाना चाहिए और उन्हें आपराधिक धमकी देने के लिए मुकदमे का सामना करना चाहिए।"दुनिया भर के न्यायप्रिय लोग प्रशांत भूषण के विचारों का समर्थन करते हैं और नदीम खान के साथ खड़े हैं।

कहानी

बंद घड़ी

विनिता राहुरीकर

❍ आज बिस्तर की चादर ठीक करते हुए दीवार पर लगी घड़ी की ओर नजर गयी। ना जाने कब से, कितने महीनों से बंद पड़ी है घड़ी। मैनें नजर भर घड़ी को देखा और एक गहरी सांस लेकर रह गयी। वक्त जैसे ठहर गया है। वक्त जैसे वक्त न होकर घड़ी हो गया है, जब तक घड़ी चल रही थी वो भी चल रहा था। घड़ी रूकी तो वो भी ठहर गया। और बंद घड़ी में ठहरे वक्त की तरह ही ठहर गया है मेरा और असीम का रिश्ता। जैसे घड़ी के बारे में याद नहीं है कि वह किस दिन बंद पड़ी ऐसे ही याद नहीं असीम और मेरे बीच कब किस समय सब कुछ ठहर सा गया। कोई हलचल नहीं, उमंग नहीं, कोई लहर नहीं, उत्साह नहीं।

दूर क्षितिज तक जैसे एक गहरी, उदास निःश्वास है। असीम का स्वभाव मुझे कभी समझ ही नहीं आया। अब तक उत्साह से भर कर, अपना समझकर उसके दिन के, मन के काम के कुछ हिस्से बांटना चाहती थी तो वह झल्ला जाता था। उसे लगता कि मैं उसके जीवन में दखल अंदाजी कर रही हूँ। उसे कुरेद कर जासूसी कर रही हूँ उसकी निजता में व्यर्थ का हस्तक्षेप कर रही हूँ। मैं तो दंग रह गयी थी यह प्रत्यारोप सुनकर। पत्नी के आत्मीय स्नेह की, पति के साथ, उसके जीवन के साथ, उसके कार्य कलापों के साथ जुड़ेने की एक प्राकृतिक स्वभाविकता, एक निश्चल प्रेम की भावना असीम को अपने जीवन में अनाधिकार हस्तक्षेप लगता है। असीम कभी समझ ही नहीं पाया कि दाम्पत्य सहज प्राकृतिक रूप से बहती हुई स्वच्छ धारा की तरह होता है।

उस पर यदि दुराव, छिपाव और शर्तों के बांध बना दिये जाये ंतो उसका प्रवाह रूक जाने से उसमें से दुर्गंध आने लगती है, उस पर अलगाव और बोझीलता की काई जमने लगती है। वही काई असीम और मेरे रिश्ते पर भी जमने लगी है। और उसकी दुर्गंध अब मेरी आत्मा को महसूस होती है। बड़ी घुटन सी छायी है जिंदगी में।आज मन बहुत विकल हो रहा था। देर तक माँ से बात की। कुछ भी बताया नहीं, लेकिन माँ मानो बच्चों का मन पढ़ लेती है।

सब समझ गयी। बोली ``बेटा किसी-किसी का मन कठोर पर्तों से घिरा होता है, देर लगती है लेकिन कवच टूट कर देर-सवेर अंदर से कोमल मन निकल ही आता है। तुम धीरज से काम लेकर उसका मन जीतने की कोशिश करो।'' मैं चुप रह गयी। कैसे समझाऊँ माँ को कि असीम का मन परतों से घिरा हुआ नहीं वरन् एक दुर्भेद्य किले की तरह है। और इस किले की दीवारों में सेंध लगाना, या इसे जीत पाना असंभव है। बहुत वर्ष व्यर्थ कर दिये हैं अपने जीवन के मैनें इसी प्रयत्न में, मगर कुछ हासिल नहीं हुआ। आज फिर माँ का फोन आया था। समझा रही थी कि कुछ लोगों का मन कई खानों में विभक्त होता है और उनके कुछ खाने खुले होते हैं और कुछ पर ताले डले होते हैं। असीम का मन भी ऐसा ही है। खुले खानों की पहचान में ही खुश रह, बंद ताले तोड़ने का प्रयत्न मत कर। लेकिन क्या सच में ऐसे विभक्त होकर पूरी उम्र रहा जा सकता है? माँ-पिताजी का दांपत्य और आपसी संबंध देखते हुए बड़ी हुई। मन में जनम से ही एक सहज स्वाभाविक छाप अंकित थी।

विवाह माने जीवन के हर क्षण, हर रहस्य, हर सुख-दुःख और प्रत्येक पहलू का साथ, यही होता है जीवन साथी। हृदय में यही कोमल, सुवासित मगर मजबूत, दृढ़ माला लेकर मैंने असीम का वरण किया था। लेकिन कुछ ही महीनों बाद असीम के व्यवहार के कारण उस माला के एक-एक फूल मुरझाते चले गये और जब तो धागा भी टूटने ही वाला है.

लघुकथा

विकास

❍ जिस बस्ती में मैने अपना झोंपड़ा बनाया है वह अभी विकास की भ्रूण अवस्था में है, न बिजली-पानी, न नाली न सड़कें, न फोन, न सीवर लाइन, लेकिन मुझे विश्वास था कि यह बस्ती जल्द ही न केवल विकास की यौवनावस्था को प्राप्त होगी बल्कि वृध्दा अवस्था को भी प्राप्त होगी, फिर एक दिन मेरी बस्ती में सड़कें बननी शुरू हो गयी.

पहले कच्ची, फिर रोडियॉ पड़नी शुरू हुई, उसके बाद डामर की पक्की सड़क बन कर तैयार हो गई, एक सप्ताह के बाद नाली बनाने वाले आ गये, उन्होंने नाली बनाई, पक्की बनाई, बढ़िया बनाई, बेतरतीब बनाई, नाली की मिट्टी ने सड़क को अपने गले लगा लिया, उसके बाद आए पानी के पाइप बिछाने वाले, बिजली वाले, उन्होंने जगह जगह से सड़क को काटकर अपना काम किया, बडे बडे गड्ढों में सीमेन्ट के पाइप डाल कर खड़े किये, एक साल के बाद छोटे छोटे बल्ब जलने लगे।

इसके बाद ट्रकों में लदकर बड़े बड़े पाइप आये और उन्हें सड़कों के किनारे किनारे डाल दिया गया अब सीवर लाइन खुदने की बारी थी, कुछ दिन बाद सीवर लाइन वालों ने सड़क की मांग को बीच से उजाड़ना शुरू कर दिया, जब कि बस्ती अपनी नवयौवना अवस्था में थी, सीवर लाइन वाले अपना काम करके चले गये। अब सीवर लाइन बनी हुई दीख रही थी, सड़कें नाली तो पहले ही बन चुकी थी। अब मेरी बस्ती का पूरा विकास हो चुका है।

❍ ओम्याकॉन, रूस के साखा गणराज्य के ओम्याकोन्स्की जिले में एक ग्रामीण इलाका (एक सेलो) है, जो याना-ओइमाकॉन हाइलैंड्स में, इंडिगिरका नदी के किनारे , टॉमटोर से 30 किमी (19 मील) उत्तर-पश्चिम में कोलिमा राजमार्ग पर स्थित है। ओम्याकॉन पृथ्वी पर सबसे ठंडा स्थायी रूप से बसा हुआ मानव बस्ती है, जिसका औसत सर्दियों का तापमान लगभग 50 °C (58 °F) होता है। इस बस्ती का नाम ओम्याकॉन नदी के नाम पर रखा गया है, जिसका नाम कथित तौर पर इवन शब्द खेयम से आया है , जिसका अर्थ है "पानी का बिना जमा हुआ पैच; वह स्थान जहाँ मछलियाँ सर्दियाँ बिताती हैं"। हालाँकि, एक अन्य स्रोत बताता है कि इवन शब्द हेयम, एक ग़लत वर्तनी हो सकती है), जिसका अर्थ है "जमी हुई झील", हो सकता है कि यहीं से इसका नाम पड़ा हो। ओम्याकॉन के पास दो मुख्य घाटियाँ हैं। ये घाटियाँ शहर के अंदर हवा को फँसाती हैं और एक ठंडा वातावरण बनाती हैं। यहाँ का तापमान साल के अधिकांश समय बेहद ठंडा रहता है, और यहाँ वसंत और शरद ऋतु में अक्सर बर्फबारी होती है, लेकिन गर्मियों और सर्दियों में शायद ही कभी बर्फबारी होती है, क्योंकि सर्दियों में साइबेरियाई उच्च और गर्मियों में तापमान आमतौर पर 0 °C (32 °F) से ऊपर होता है। अगर यह 55 °C (67 °F) से ज़्यादा ठंडा हो तो स्कूल बंद कर दिए जाते हैं। पिछले कुछ दशकों में ओम्याकॉन की आबादी में काफी कमी आई है। गांव की अधिकतम आबादी लगभग 2,500 थी, लेकिन 2018 में यह संख्या घटकर 900 से भी कम रह गई है।

शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक में यौन रोग (सेक्स समस्या) पर सफल इलाज

सीताबर्डी टेम्पल बाजार स्थित शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक में यौन रोग एवं सेक्स संबंधित सभी समस्याओं पर प्रभावकारी एवं सफल इलाज किया जाता है। रोज की जिंदगी में यौन समस्याएं जैसे शीघ्रपतन बांझपन इत्यादि, के कारण सामाजिक एवं वैवाहिक जीवन में अनेक समस्याओं का सामना करना तथा वैवाहिक कलह, मनमुटाव आदी का भी सामना करना पडता है। अतः इन समस्याओं का शीघ्र समाधान होना आवश्यक है। रोज की भागदौड़ के जीवन में टेंशन, अनिद्रा इनक्षकारणों तथा खानपान में पोषक तत्वों के अभाव या असमय खाना पीना इन

कारणों से यह समस्या उत्पन्न होती है। इसका इलाज समोपचार औषधी चिकित्सा से संभव है। महाशक्ति कवच, रे-टोन सिरप, कप नाईट पावर इन दवाओं से इन समस्याओं का समाधान आयुर्वेदिक एजेंसी सिताबर्डी, टेम्पल बाजार रोड नागपुर में सफलतापूर्वक किया जाता है। अधिक जानकारी के लिए 9112079000 / 8605245080 फोन पर संपर्क करे और आयुर्वेदिक चिकित्सा का लाभ उठाकर अपनी समस्याओं का समाधान पाकर खुशहाल जीवन व्यतीत करे.

शिवशंकर आयुर्वेद एजन्सी

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में 9112079000 / 8605245080 इन दूरध्वनी क्रमांको पर संपर्क स्थापित करें.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

CMYK

चिमूर की व्यवसायी महिला नागपुर में लापता

> सात दिन बाद भी पुलिस की धीमी जांच

चिमूर. शहर की व्यवसायी महिला मंगलवार 26 नवंबर को सुबह खरीदारी के लिए नागपुर गई और दोपहर 12.30 बजे जब वह नागपुर के इतवारा पहुंची तो वापस चिमूर नहीं लौटी. यह घटना उसी दिन शाम को उजागर हुई. उक्त व्यवसायी महिला का नाम अरूणा अभय काकडे 37 है. संबंधित महिला नूतन आदर्श कालनी चिमूर की निवासी है. इसकी रिपोर्ट नागपुर पुलिस स्टेशन और चिमूर पुलिस स्टेशन को दी गई. लेकिन पुलिस जांच धिमी गति से चल रही है. जांच तेज गति से करने की मांग शहर के व्यापारिक महिलाओं, महिला मंडल, मित्र मंडल और व्यापार मंडल ने की है.

देवांश जनरल एंड लेडीज कॉर्नर नामक लापता व्यवसायी महिलाओं की दुकान है. जो पांच साल से शहर के मुख्य रास्ते पर सातनाला के पास है. हर बार की तरह हत्ते में या पंधरा दिन में व्यावसायी महिला अरूणा नागपुर में खरेदी के लिए जाती थी. सात दिन पहले 26 नवम्बर को सुबह दुकान के सामान खरेदी करने गई थी. वह महिला उस दिन घर नही लौटी. अरूणा की तलाश परिवार के नागरिकों ने की लेकिन वह नही लौटी. इसलिए नूतन आदर्श कालनी की महिला पुरुष, मैत्रीनी और व्यापारी संघ ने चिमूर पुलिस स्टेशन पहुंचकर पुलिस निरीक्षक को ज्ञापन दिया. ज्ञापन में जल्द से जल्द महिला की तलाश कर उन्हें सुरक्षित घर पहुंचाया जाने की मांग की गई. ज्ञापन की प्रति विधायक बंटी भांगड़िया, जिला पुलिस अधीक्षक, उपविभागीय पुलिस अधिकारी को दी गई है.

शहर को स्वच्छ रखकर नागरिकों की समस्या पहले हल करें

विधायक जोरगेवार की मनपा आयुक्त को निर्देश

चंद्रपुर, सुनील तायडे

भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित विधायक किशोर जोरगेवार ने चंद्रपुर पहुंचते ही कार्यालय में जनसंपर्क किया और नागरिकों की समस्याएं जानी. जैसे ही उन्हें मनपा से जुड़ी समस्या होने का ज्ञान होने पर उन्होने तत्काल मनपा आयुक्त पालीवाल को अपने कार्यालय बुलाकर शहर को साफ-सुथरा रखने और नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के निर्देश दिये.

वोट के रूप में जनता ने आशीर्वाद देकर लगातार दूसरी बार विधायक के लिए जीत दिलाई है. चंद्रपुर में कई विकास कार्य होने हैं. पिछले पांच वर्षों में जो महत्वपूर्ण कार्य अधूरे रह गए हैं उनमें तेजी लानी होगी. आपके वोटों के आशीर्वाद से हम विकास की नींव मजबूत करेंगे, ऐसा आश्वासन नवनिर्वाचित विधायक किशोर जोरगेवार ने इस अवसर पर दिया.

भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित विधायक किशोर जोरगेवार निर्वाचित होने के बाद आज नागरिकों की समस्याएं जानने

कार्यालय पहुंचे. इस मौके पर कई सामाजिक संगठनों, विभिन्न समाजों और संस्थाओं की ओर से उन्हें गुलदस्ता देकर सम्मानित किया.

हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार प्रवीण पडवेकर को बीजेपी उम्मीदवार किशोर जोरगेवार ने 22 हजार से ज्यादा वोटों से हराया था. निर्वाचित होने के बाद पार्टी नेताओं के आदेशानुसार उन्होंने मुंबई में प्रवेश किया था. विधानसभा क्षेत्र में लौटते ही वे जनसंपर्क कार्यालय आये और नागरिकों की समस्याएं सुनीं.

शहर में साफ-सफाई व जलापूर्ति की कमी जैसी समस्याओं पर विशेष ध्यान दिया जाये. इसके बाद विधायक किशोर जोरगेवार ने मनपा आयुक्त को फोन किया और आयुक्त को तत्काल उपाययोजना उठाने के निर्देश दिए. .

चुनाव प्रचार के दौरान नगर निगम प्रशासन के खिलाफ नागरिकों से कई शिकायतें मिलीं. उन शिकायतों का तुरंत समाधान किया गया, लेकिन ऐसी शिकायतें दोबारा नहीं होनी चाहिए. नगर निगम प्रशासन को ईमानदारी से ध्यान देना चाहिए और शहर को साफ रखना चाहिए. कई इलाकों में लाइटें बंद हैं. इसलिए, क्षेत्रों में स्थायी उपाय किए जाने चाहिए. साथ ही क्षेत्र में समान जल आपूर्ति के लिए हर बेहतर योजना बनाई जानी चाहिए ऐसे सुझाव विधायक जोरगेवार ने दिए.

इस बीच, नागरिकों, सामाजिक संगठनों, विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों ने विधायक किशोर जोरगेवार से मुलाकात की और उनकी जीत के लिए उन्हें बधाई दी. इस मौके पर विधायक जोरगेवार ने कहा, ''हम अपने विश्वास को टूटने नहीं देंगे. इस विश्वास का बदला हम विकास कार्यों से चुकाएंगे.''

धान के ढेर को आग

किसान का लाखों का नुकसान सेलूर नागरेड्डी की घटना

पोंभूर्णा.

तहसील के सेल्लूर नागरेड्डी के गांव के पास खेत में रखे धान के ढेर को आग लगने से वह जलकर पूरी तरह से खाक हो गया. यह घटना रविवार की दोपहर घटी. सुनिल मारोती कोतपल्लीवार नामक किसान का इससे लाखों का नुकसान हुआ है.

पोंभुर्ना तहसील में सेलूर नागरेड्डी के सुनील कोतपल्लीवार के सर्वे नंबर 190 में 1 हेक्टर 14 आर और ताराबाई मारोती कोतपल्लीवार के नाम सर्वे नंबर 188/1 में 52 आर खेत है और इन दोनों खेतों में धान की कटाई कर कुछ दिन पहले सर्वे नंबर 190 में धान के ढेर लगाए थे. दोन दिन बाद धान निकालने और धान की बिक्री करने की तैयारी कोतपल्लीवार ने की थी. इसी बीच 1 दिसंबर को

करीब तीन बजे खेत में धान के ढेर को आग लग गई. इसमे जय श्री राम प्रजाति के धान के कुल 80 बोरी, औसतन 75 क्विंटल धान निकलनेवाला था. इससे करीब लाखों रुपये का नुकसान हुआ है, जिससे उनके ऊपर बड़ा आर्थिक संकट आ गया है. किसान के सामने पूरे साल परिवार का भरण-पोषण कैसे करें यह सवाल खड़ा हो गया है. किसानों ने तत्काल मुआवजे की मांग की है.

आग पर काबू पाने के लिए पोंभुर्ना और गोंडपिपरी से फायर ब्रिगेड के दो टैंकर बुलाए गए, लेकिन तब तक आधे से ज्यादा धान जल चुका था. घटना की सूचना मिलते ही राजस्व अधिकारी, पटवारी, पुलिस मौके पर पहुंचे और पंचनामा किया.

दो ट्रैक्टर सहित 130 ब्रास का अवैध रेत भंडार जब्त

> राजस्व विभाग की बड़ी कार्रवाई

ब्रम्हपुरी.

रेत तस्करों ने ब्रम्हपुरी तालुका के तोरगांव (बु.) क्षेत्र के वन विभाग क्षेत्र में अवैध रूप से रेत का भंडारण किया था. इसकी जानकारी जैसे ही तहसीलदार सतीश मासाल को मिली. 1 दिसंबर को अवैध रेतभंडारों पर छापेमारी की गयी और 130 ब्रास रेत भंडारों के साथ दो ट्रैक्टर जब्त किये गये. इस कार्रवाई से तालुका के रेत तस्करों को झटका लगा है.

ब्रम्हपुरी तालुका की रेती सर्वत्र प्रसिद्ध है. इसलिए इस रेत की मांग अधिक है. लेकिन, रेत घाट की नीलामी नहीं होने से कई रेत चोर सक्रिय हो गये हैं. जब राजस्व अधिकारी चुनाव प्रक्रिया के काम में

लगे थे, इसी बीच रेत तस्करों ने रेत चोरी कर उसका स्टॉक कर रखा था.

चुनाव से पहले तहसीलदार सतीश मासाल ने अवैध रेत परिवहन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की थी और रेत तस्करी पर कुछ अंकुश लगा था. लेकिन राजस्व विभाग को चुनाव कार्य में व्यस्त देख चोर फिर से सक्रिय हो गए थे. जैसे ही राजस्व विभाग को जानकारी मिली कि रेत तस्करों ने रेत चोरी कर रेत का स्टॉक जमा कर लिया है, उपविभागीय अधिकारी पर्वणी पाटिल के मार्गदर्शन और नेतृत्व में ब्रम्हपुरी तालुका तहसीलदार सतीश मासाल, नायब तहसीलदार आशीष तालेवार, ग्राम राजस्व अधिकारी हिमांशु पाजनकर, घनश्याम राऊत, भूपेन्द्र गौरे, स्वपिल इसड आदि ने तोरगांव क्षेत्र में वन विभाग क्षेत्र में अवैध रूप से भंडारित रेत स्टॉक पर छापेमारी कर 130 ब्रास अवैध रेत स्टॉक जब्त किया गया. घटना स्थल पर रेत भंडारण कर रहे दो ट्रैक्टरों में अवैध रेत पाए जाने के कारण ट्रैक्टरों को जब्त कर दंडात्मक कार्रवाई हेतु तहसील कार्यालय में जमा करा दिया गया है. राजस्व विभाग द्वारा अवैध रेत स्टॉक, अवैध परिवहन, अवैध खनन पर त्वरित कार्रवाई करने पर राजस्व विभाग को हर जगह बधाई दी जा रही है। राजस्व विभाग की कार्रवाई से रेत तस्करों के होश उड़ गये हैं.

अवैध रेती परिवहन में ट्रैक्टर जब्त

> तहसीलदार कौटकर की कार्रवाई

वरोरा.

पिछले डेढ वर्ष से रेती घाट की निलामी नहीं होने से तथा बहारी जिले की महेंगी रेत मिलने से कुछ छोटे मोटे रेत तस्कर चुनाव में व्यस्त महसूल अधिकारियो का फायदा उठाते हुवे रेत तस्करो ने अवैध रेत तस्करी चालू की थी. इनपर लगाम लगाने हेतु स्वयं तहसीलदार योगेश कौटकर आधी रात को करंजी रेत घाट, तुलाना रेत घाट, खांबाडा, सुरला के साथ ही तहसिल के अन्य रेत घाट पर अपने टीम के साथ जाल बिछाकर 3 रेत भरे ट्रैक्टर पर कार्रवाई कर उन्हे जब्त कर तहसिल कार्यालय में जमा कर दिया.

इनपर लगभग साडेतीन लाख की दंडात्मक कारवाई की. इस कारवाई से रेत तस्करो में हडकम्प मचा है. रेत घाट नीलाम न होने से चोरी की रेत के ऊंचे दाम होने से अनेक निर्माण कार्य प्रभावित हुवे है. इसका असर निर्माण कार्यो में काम करने वाले मजदूरो पर भी हो रहा है. इन सारी समस्याओ का हल निकालने रेत घाट नीलाम करने की मांग जनता कर रही है.

मृतक कामगारों के परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता दे

> विधायक अडबाले का कंपनी प्रबंधन को निर्देश

चंद्रपुर।

ताडाली एमआईडीसी स्थित ओमैट वेस्ट लिमिटेड(पूराने सिद्धबली इस्पात लिमिटेड) इस कंपनी में 13 अक्टुबर 2024 को अजय रविंद्र राम नामक कामगार का 200 किलोग्राम स्टील स्क्रैप गिरने से मृत्यु हो गई. कंपनी प्रबंधन ने उक्त कामगार के परिजनों को बिना कोई मुआवजा दिये शव को उसके पैतृक गांव भेज दिया. साथ ही पांच महीने पहले इसी कंपनी में श्यामसुंदर ठेंगने नामक कर्मचारी की मौत हो गई थी. उन्हें योजना के मुताबिक पूरी मदद भी नहीं दी गई. इस पर संज्ञान लेते हुए विधायक सुधाकर अडबाले ने सहायक कामगार आयुक्त के कक्ष में कंपनी प्रबंधन के साथ बैठक की और निर्देश दिया कि दोनों मृत श्रमिकों के परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता दी जाए.

ओमैट वेस्ट लिमिटेड (पुरानी सिद्धबली इस्पात लिमिटेड) कंपनी में पिछले महीने हुई घटना के बाद विधायक सुधाकर अडबाले ने कंपनी

का दौरा किया और कई गंभीर मुद्दों का अवलोकन किया. विधायक सुधाकर अडबाले ने उद्योग एवं श्रम विभाग के प्रमुख सचिव को एक ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि मृतक श्रमिक को तत्काल आर्थिक सहायता दी जाए और कंपनी प्रबंधकों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर कंपनी की गहन जांच की जाए. इसके बाद सहायक श्रमायुक्त चंद्रपुर ने विधायक सुधाकर अडबाले की उपस्थिति में कंपनी प्रबंधन के साथ बैठक की.

विधायक अड़बाले ने पूछा कि कंपनी के मृत कर्मी अजय रवींद्र राम को आर्थिक सहायता दिलाने के लिए क्या कार्रवाई की गयी. इसपर फिलहाल श्रमिक के वारिस को 2 लाख रुपये दे दिए गए हैं और बाकी मुआवजा राशि नियमानुसार दी जाएगी. इसके अलावा जून माह में उक्त कंपनी में श्यामसुंदर ठेंगने नामक कर्मी की मौत हो गयी थी. कंपनी प्रबंधन की ओर से इस बात पर सहमति बनी कि वारिसों को 45 लाख रुपये दिए जाएंगे. जिसमें से 30 लाख दे दिए गए हैं और कंपनी ने अब तक 15 लाख का भुगतान क्यों नहीं किया है यह पुछा गया. कंपनी मैनेजर ने कहा कि बाकी रकम नियमानुसार दी जाएगी. इसके साथ ही उक्त कंपनी का स्ट्रक्चरल ऑडिट, कंपनी में श्रमिकों को सुरक्षा के लिहाज से दी जाने वाली सुविधाएं, प्रदूषण नियंत्रण के उपाय, कृषि फसलों को नुकसान, प्रवासी श्रमिकों का पुलिस सत्यापन, श्रमिकों को नियमित वेतन समेत अन्य तमाम मुद्दों पर चर्चा की गई. इन मामलों की विस्तृत जानकारी सहायक श्रमायुक्त को देनी चाहिए,

ऐसा विधायक सुधाकर अडबाले ने कहा. साथ ही विधायक अड़बाले ने कहा कि इसी विषय पर जिलाधिश, फैक्टरी निरीक्षक, सहायक श्रमायुक्त के साथ कंपनी प्रबंधन की बैठक की जायेगी.

नक्सल सप्ताह के दौरान महिला माओवादी ने किया गढ़चिरोली पुलिस के सामने आत्मसमर्पण

महाराष्ट्र सरकार ने घोषित किया था कुल 2 लाख रुपये का ईनाम

गढ़चिरोली.

वर्ष 2005 से सरकार द्वारा घोषित आत्मसमर्पण योजना के कारण और हिंसा के जिवन से तंग आकर वरिष्ठ माओवादीयों समेत कई कट्टर माओवादीयों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया हैं। साथ ही, आत्मसमर्पीत माओवादीयों के लिए पुलिस बल द्वारा चलाएं जाने वाले पुनर्वास योजना के चलते अबतक कुल 679 माओवादीयों ने गढचिरौली पुलिस बल के सामने आत्मसमर्पण किया हैं। आज तारिख 02 दिसंबर 2024 को तारा ऊर्फ शारदा ऊर्फ ज्योती दस्सा कुळमेथे, उम्र 28 साल, निवासी नैनेर, तह. अहेरी, जि. गढचिरौली नामक महिला माओवादीने नक्सल सप्ताह के दौरान गढचिरौली पुलिस बल और सिआरपीएफ के सामने आत्मसमर्पण किया हैं।

आत्मसमर्पित महिला माओवादी के बारे मे जानकारी...

नाम- तारा ऊर्फ शारदा ऊर्फ ज्योती दस्सा कुळमेथे, दलम में कार्यकाल वर्ष 2016 में अहेरी दलम में सदस्य पद पर भर्ती होकर वर्ष 2018 तक सक्रिय थी। वर्ष 2018 से आज तक भामरागढ़ दलम में कार्यरत थी।

कार्यकाल में किए अपराध

मुठभेड 08, वर्ष 2016 कवठाराम वन क्षेत्र में सुरक्षाबलों के साथ हुए मुठभेड़ में शामील। वर्ष 2017 शेडा-किष्टापुर वन क्षेत्र में सुरक्षाबलों के साथ हुए मुठभेड़ में शामील। वर्ष 2017 आशा-नैनेर वन क्षेत्र में सुरक्षाबलों के साथ हुए मुठभेड़ में शामील। वर्ष 2019 मोरमेट्टा वन क्षेत्र में सुरक्षाबलों के साथ हुए मुठभेड़ में शामील। वर्ष 2020 आलदंडी वन क्षेत्र में सुरक्षाबलों के साथ हुए मुठभेड़ में शामील। वर्ष 2020 येरदळमी वन क्षेत्र में सुरक्षाबलों के साथ हुए मुठभेड़ में शामील। वर्ष 2021 काकुर माड क्षेत्र (छत्तीसगढ़) वन क्षेत्र में सुरक्षाबलों के साथ हुए मुठभेड़ में शामील। वर्ष 2023 हिक्केर वन क्षेत्र में सुरक्षाबलों के साथ हुए मुठभेड़ में प्रत्यक्ष शामील। हत्या-03, वर्ष 2021 में मौजा कोठी गाव के एक निर्दोष व्यक्ति के हत्या में वह शामील थी। वर्ष 2023 में मौजा मिळदापल्ली गाव के एक निर्दोष व्यक्ति के हत्या में वह शामील थी। वर्ष 2024 में मौजा ताडगाव गाव के एक निर्दोष व्यक्ति के हत्या में वह शामील थी। वर्ष

2022 मे कापेवंचा राजाराम (खां) में हुए डकैती में वह शामील थी।

आत्मसमर्पण के कारण

माओवादी दलम मे दिन-रात वन मे घुमते हुए जिवन बिताना पडता हैं, अगर किसी को स्वास्थ्य को लेकर कोई समस्या हुई तो उसपर ध्यान नही दिया जाता। दलम के वरिष्ठ माओवादी द्वारा महिलाओ के साथ भेदभाव किया जाता हैं। दलम के वरिष्ठ नेता कहते हैं की, आंदोलन एवं लोगो के लिए पैसा इकट्ठा करना पडता हैं। वास्तव में इकट्ठा किया गया पैसा वरिष्ठ माओवादी लोगो के विकास कार्य के लिए न करते हुए वही पैसा स्वयं के लिए इस्तेमाल करते हैं। वरिष्ठ माओवादी नेता केवल अपने फायदे के लिए गरिब आदिवासी युवाओ का इस्तेमाल करते हैं। वरिष्ठ माओवादी नेता केवल पुलिस मुखबिर होणे के संदेह पर हमारे ही भाई-बहनो की हत्या करणे को कहते हैं। मुठभेड के दौरान पुरूष माओवादी भाग जाने में सफल हो जाते हैं, पर महिला मारे जाते हैं।

सरकार द्वारा घोषित ईनाम

महाराष्ट्र सरकारने तारा ऊर्फ शारदा ऊर्फ ज्योती दस्सा कुळमेथे पर कुल 02 लाख रुपयों का इनाम घोषित किया था।आत्मसमर्पण के बाद सरकार की और मिलने वाले ईनाम. आत्मसमर्पण के बाद पुनर्वसन के लिए केंद्र और राज्य सरकार की ओर से तारा ऊर्फ शारदा ऊर्फ ज्योती दस्सा कुळमेथेको कुल 4.5 लाख रुपयों का ईनाम घोषित किया हैं। गढ़चिरौली पुलिस बल द्वारा चलाए जाने वाले प्रभावी माओवादी विरोधी अभियान के कारण और सरकारने माओवादीयों कों आत्मसमर्पण का सुनहरा अवसर उपलब्ध करा देने के कारण सन्मानपुर्वक जीवन बिताने के लिए वर्ष 2022 अबतक कुल 31 कट्टर माओवादीयों ने आत्मसमर्पण किया हैं। उक्त माओवादी के आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लाने की कार्यवाही श्री. संदीप पाटील, विशेष पुलिस महानिरीक्षक (नक्सल विरोधी अभियान) नागपुर, श्री. अंकित गोयल, पुलिस उपमहानिरीक्षक, गढचिरौली परिक्षेत्र, श्री. अजय कुमार शर्मा, पुलिस उप-महानिरीक्षक (अभियान) सीआरपीएफ, , पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल, शंभु कुमार, कमांडण्ट 09 बटा. सिआरपीएफ और सुमीत वर्मा, उप-कमांडण्ट इंट सिआरपीएफ के मार्गदर्शन में पुरी की गई हैं। साथ ही पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने आवाहन किया हैं की, पुलिस बल विकास कार्यो मे बाधा डालने वाले माओवादीयो के खिलाफ प्रभावी कारवाई करने के लिए सक्षम है, वही गढचिरौली पुलिस बल उन लोगो की मदद करेगी जो विकास के मुख्य धारा मे शामील होने और लोकतंत्र में सम्मान जनक जीवन जीने के लिए इच्छुक है, उन्हे गढचिरौली पुलिस बल पुरा सहयोग करेगा। इस लिए राह भटके हुए माओवादी मुख्यधारा मे शामील होकर शांततापुर्ण जीवन व्यातीत करें।

चंद्रपुर महानगर पालिका स्कॉच पुरस्कार से सम्मानित

> वर्षा जल संचयन प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता

चंद्रपुर.

चंद्रपुर नगर निगम को स्कॉच सिल्वर अवार्ड से सम्मानित किया गया है और शहर में बड़े पैमाने पर वर्षा जल संचयन करके शहर के भूमिगत जल स्तर को बढ़ाने के लिए नगर निगम द्वारा किए गए प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है।

नगर निगम आयुक्त विपिन पालीवाल, अतिरिक्त आयुक्त चंदन पाटिल और उपायुक्त मंगेश खवले ने दिल्ली में एक भव्य कार्यक्रम में स्कॉच समूह के अध्यक्ष समीर कोचर और उपाध्यक्ष गुरुशरण सिंह धंजल से पुरस्कार स्वीकार किया। इस अवसर पर आयुक्त विपीन पालीवाल ने चंद्रपुर शहर में वर्षा जल संचयन के लिए सहयोग करने वाले सभी गैर सरकारी संगठनों और नागरिकों को धन्यवाद दिया.

चंद्रपुर नगर निगम ने वर्षा जल संचयन के बारे में काफी जन जागरूकता पैदा की है। संचयन के लिए स्वेच्छा से काम करने वाले 31 जलमित्रों को नियुक्त किया गया और पुरस्कारों की घोषणा सिल्वर जलमित्र, गोल्डन जलमित्र, डायमंड जलमित्र और नगर जलमित्र के रूप में की गई।

वार्डों में घर-घर जाकर पर्चे बांटे गए और कुएं और बोरवेल वाले घरों को जुर्माने के नोटिस भी जारी किए गए। नगर निगम द्वारा फसल कटाई के लिए घर की छत के क्षेत्रफल के अनुसार 5, 7 और 10 हजार रुपये की सब्सिडी दी जाती है और अगले 3 वर्षों के लिए संपत्ति कर में 2 प्रतिशत की छूट भी दी जा रही है। नए निर्माण की अनुमति चाहने वाले भवन स्वामियों को वर्षा जल संचयन करने के लिए बाध्य किया गया तथा अन्य सभी माध्यमों से जनजागरूकता फैलाई गई तथा नगर निगम के इन प्रयासों को उक्त संस्था द्वारा संज्ञान में लिया गया।

स्कॉच ग्रुप 1997 से भारत में एक अग्रणी पूर्ण सेवा परामर्श फर्म है। फर्म की शोध रिपोर्ट और अनुशंसाओं को अत्यधिक महत्व दिया जाता है। संस्थान को शासन, वित्त, बैंकिंग, प्रौद्योगिकी और कॉर्पोरेट नागरिकता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए मान्यता प्राप्त है। इस संस्थान के कार्य को भारत में विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट कार्य के लिए एक मानक के रूप में मान्यता प्राप्त है। स्कॉच ग्रुप द्वारा 2003 में स्थापित, यह पुरस्कार किसी व्यक्ति या संगठन द्वारा किए गए ठोस कार्य और साक्ष्य का उपयोग करके समाज में उसके योगदान का आकलन करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल योग्य व्यक्तियों और संगठनों को राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के लिए मान्यता दी जाए।

मयूरी कांगो

एक्टिंग की चाहत के चलते आईआईटी से फेरा मुंह

☐ बॉलीवुड इंडस्ट्री में तमाम आर्टिस्ट आते हैं और खास मुकाम पाने की कोशिश करते हैं. इनमें से कुछ अपने टारगेट को पूरा कर लेते हैं लेकिन कुछ सफल नहीं हो पाते हैं. बॉलीवुड में एक एक्ट्रेस ने फिल्मों में काम करने के लिए आईआईटी की पढ़ाई छोड़ दी थी और कई मूवीज में नजर आई. हालांकि, ये एक्ट्रेस बॉलीवुड में ज्यादा सफल नहीं पाई. आखिरकार फिल्मी दुनिया को अलविदा कह दिया और गूगल में अच्छी पोजीशन पर नौकरी कर रही है. आइए बताते हैं कि हम किस एक्ट्रेस की बात कर रहे हैं. मयूरी कांगो पढ़ने में अच्छी थीं और उनका आईआईटी कानपुर में सेलेक्शन हो गया था. लेकिन उन्होंने फिल्मों में करियर बनाने के लिए एडमिशन ही नहीं लिया. मयूरी कांगो को 12 क्लास में डायरेक्टर सईद अख्तर मर्जा की फिल्म 'नसीम' का ऑफर मिला. हालांकि, वह पढ़ाई के चलते इस फिल्म को करने से डर रही थीं लेकिन बाद में इसमें काम किया. मयूरी कांगो ने इस तरह से साल 1995 में आई फिल्म 'नसीम' से डेब्यू किया था. इसके बाद उन्होंने 'पापा कहते हैं', 'होगी प्यार की जीत', 'बादल' सहित कई फिल्मों में काम किया. मयूरी कांगो ने फिल्मों को अलावा टीवी में काम किया. उन्होंने 'नरगिस', 'थोड़ा गम थोड़ी खुशी' जैसे सीरियल में काम किया है. मयूरी कांगो को बॉलीवुड में कुछ खास सफलता नहीं मिली. इसके बाद उन्होंने इंडस्ट्री को छोड़ने का फैसला कर लिया. मयूरी कांगो ने साल 2003 में एनआरआई आदित्य ढिल्लन से शादी कर ली. इसके बाद वह पति के साथ अमेरिका शिफ्ट हो गईं. मयूरी कांगो ने अमेरिका में एमबीए किया और वहां नौकरी करने लगीं. वह साल 2019 में गूगल इंडिया से जुड़ गईं और अब गूगल इंडिया की इंडस्ट्री हेड बन चुकी हैं.

'चामुंडा' बनकर छा जाने के लिए तैयार आलिया

☐ बॉलीवुड इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने बीते एक दशक से ज्यादा समय से एक्टिंग की दुनिया में एक्टिव हैं. उन्होंने अपने करियर में तमाम हिट फिल्मों में काम किया है और लोगों का ध्यान खींचा है. आलिया भट्ट की पाइलाइन में कई बड़ी फिल्में हैं. इसी बीच एक रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि वह एक और फिल्म को लेकर मेकर्स से बात कर रही हैं. दरअसल, रिपोर्ट में बताया में जा रहा है कि आलिया भट्ट हॉरर फिल्म को करने की प्लानिंग कर रही हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, आलिया इन दिनों दिनेश विजान के साथ हॉरर फिल्म को लेकर चर्चा कर रही हैं. मेकर्स उन पर बड़ा दांव लगाने के लिए तैयार हैं. बताया जा रहा है कि आलिया भट्ट को दिनेश विजान की सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म पसंद आई है और वह इस फिल्म को साइन भी कर सकती हैं. पहले इस फिल्म कियारा आडवाणी नजर आने वाली थीं तब इसका टाइटल 'देवी' बताया जा रहा था लेकिन अब इसे बदलकर 'चामुंडा' कर दिया गया है. बताते चलें कि एक्ट्रेस को बीते दिनों कई बार मैडॉक फिल्म्स के ऑफिस के बाहर स्पॉट किया गया. गौरतलब है कि दिनेश विजान ने साल 2024 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'स्त्री 2' बनाई थी. श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर फिल्म 'स्त्री 2' ने बॉक्स ऑफिस पर 600 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी. आलिया भट्ट के वर्क फ्रंट की बात करें तो पिछली बार अक्टूबर में रिलीज हुई फिल्म 'जिगरा' में नजर आई थीं. ये फिल्म फ्लॉप साबित हुई. अब आलिया के पास 'लव एंड वॉर', 'अल्फा', 'ब्रह्मास्त्र 2' जैसी कई फिल्में हैं.

नरगिस फाखरी की बहन आलिया न्यूयॉर्क में गिरफ्तार

☐ रणबीर कपूर की को-स्टार नरगिस फाखरी अचानक से लोगों के बीच चर्चा में आ गई हैं, इसकी वजह वो खुद नहीं बल्कि उनकी बहन आलिया फाखरी हैं. दरअसल, खबर आ रही है कि आलिया को न्यूयॉर्क पुलिस ने हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है, हालांकि अभी तक उनके आरोप साबित नहीं हुए है लेकिन फिलहाल वो रिमांड पर हैं और उनके केस में 9 दिसंबर को सुनवाई की जाएगी. आइए जानें आखिर आलिया हैं कौन?

नरगिस फाखरी की बहन आलिया न्यूयॉर्क के क्वींस में रहती हैं. मिल रही जानकारी के मुताबिक, 43 साल की आलिया 35 साल के एडवर्ड जैकब्स नाम के व्यक्ति के साथ रिश्ते में थीं, लेकिन पिछले साल ही दोनों एक-दूसरे से अलग हो गए. आलिया और नरगिस के परिवार की बात करें तो, उनके माता-पिता उनके बचपन में ही अलग हो गए थे. उनके पिता का नाम मोहम्मद फाखरी था जो कि एक पाकिस्तानी थे, वहीं उनकी मां मैरी चेक रिपब्लिक की हैं. माता-पिता के तलाक हो जाने के कुछ वक्त बाद ही नरगिस और आलिया के पिता की डेथ हो गई. आलिया पर हाल ही में लगे आरोपों के बारे में जब उनकी मां से बात की गई तो उन्होंने कहा मुझे भरोसा ही नहीं हो रहा है कि आलिया किसी की हत्या कर सकती हैं, आलिया एक ऐसी इंसान थी जो सभी की परवाह करती थी और सभी की मदद करने की कोशिश करती थी. उन्होंने खुलासा करते हुए बताया कि आलिया कुछ वक्त पहले से दांतों की परेशानी से जूझ रही है, जिसके बाद से ही उन्हें ओपियोइड (ड्रग्स) की लत लग गई थी. आलिया पर लगे आरोप के मुताबिक, 2 नवंबर को आलिया जैकब्स के गैराज पहुंची, जहां उन्होंने चिल्लाते हुए कहा कि आज तुम सब मरने वाले हो. जैकब्स गैराज में अपनी दोस्त अनास्तासिया एटिएन सो रही थी. धमकी देते हुए आलिया को उनके एक पड़ोसी ने देख लिया था, उसने कोर्ट में बताया कि इतना कहने के बाद उसने दो मंजिला गैराज में आग लगा दी. जैकब्स की मां ने कोर्ट के सामने बताया कि जैकब्स और आलिया का रिश्ता एक साल पहले खत्म हो गया था, लेकिन आलिया इस बाद को बर्दाश्त नहीं कर पा रही थी. अभी तक इस मामले में नरगिस का कोई भी बयान सामने नहीं आया है.

लाल साड़ी में बला की खूबसूरत लगीं शोभिता

☐ एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला और एक्टर नागा चैतन्य जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं. शोभिता धुलिपाला अपने प्री-वेडिंग फंक्शन के फोटोज लगातार सोशल मीडिया अकाउंट से शेयर कर रही हैं. अब शोभिता धुलिपाला ने 'पेल्ली कुथुरु' की रस्म निभाई और इसकी झलक दिखाई है जो फैंस को खूब पसंद आ रही हैं. इन तस्वीरों में लाल साड़ी और ज्वेलरी में नजर आ रहीं शोभिता धुलिपाला काफी खूबसूरत नजर आ रही हैं. शोभिता धुलिपाला की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं. शोभिता धुलिपाला इस समय काफी खुश हैं क्योंकि उनके प्री-वेडिंग फंक्शन चल रहे हैं. वह आने वाले 4 दिसंबर को नागा चैतन्य के साथ शादी करने जा रही हैं. शोभिता धुलिपाला इन दिनों शादी से पहले होने वाली रस्मों को एक के बाद एक दिखा रही हैं. अब उन्होंने 'पेल्ली कुथुरु' की रस्म निभाई है और तस्वीरें शेयर की हैं. शोभिता की 'पेल्ली कुथुरु' की रस्म की तस्वीरें वायरल हो रही हैं. बताया जाता है कि इस रस्म में दूल्हे की फैमिली होने वाली बहू को का अपने घर पर स्वागत करती है. 'पेल्ली कुथुरु' की रस्म में दूल्हे की फैमिली घर की होने वाली बहू को उसकी मैरिड लाइफ के लिए आशीर्वाद देती है. इस रस्म में शोभिता धुलिपाला को हल्दी और तेल भी लगाया गया. शोभिता ने 'पेल्ली कुथुरु' की रस्म के दौरान लाल साड़ी पहनी थी. वहीं, इसके ऊपर ज्वेलरी ने उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा दिए.

अनन्या का डीएनए टेस्ट करवाना चाहते हैं चंकी पांडे?

☐ बॉलीवुड अदाकारा अनन्या पांडे आजकल अपने फैंस के बीच खुलकर बात करने लगी हैं. हाल ही में अनन्या पांडे ने बॉडी शेमिंग से लेकर अपनी फैमिली तक के बारे में कई खुलासे किए हैं. यहां तक कि अनन्या पांडे नेपोटिज्म और ट्रोलिंग के बारे में भी खुलकर अपने विचार रख चुकी हैं. इसी बीच अनन्या पांडे को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है. रिपोट्र्स की मानें तो अनन्या पांडे के पिता चंकी पांडे उनका डीएनए टेस्ट करवाना चाहते हैं. जी हां, सही सुना आपने... चंकी पांडे को शक है कि अनन्या पांडे उनकी ही बेटी है या फिर नहीं... इस बात का खुलासा खुद चंकी पांडे ने ही किया है. वी आर यूवा में बात करते हुए चंकी पांडे ने इस बारे में बात की है. बातचीत इस दौरान चंकी पांडे से पूछा गया कि उनमें और अनन्या पांडे में से अच्छा एक्टर कौन है. इस सवाल का जवाब देते हुए भावना पांडे ने कहा, चंकी घर पर बेहतर एक्टिंग करते हैं लेकिन फिल्मों में नहीं... वहीं अनन्या पांडे ने भी कहा कि उनकी चंकी पांडे से एक्टिंग के चलते कई बार लड़ाई हो जाती है. अनन्या पांडे अपने पिता को सेट पर एक्टिंग करने की सलाह देती हैं. जिसके जवाब में चंकी पांडे ने माना कि अनन्या पांडे एक बेहतर एक्टर है. वो अपने पिता से भी अच्छे तरह से काम करती है. कभी कभी तो चंकी पांडे को शक होने लग जाता है कि अनन्या उनकी बेटी है भी या नहीं. उनको लगने लगा कि अब अनन्या पांडे का एक बार डीएनए टेस्ट करवा ही लेना चाहिए. ये बात सुनकर चंकी पांडे और अनन्या पांडे के फैंस को सदमा जरूर लग जाएगा. स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 के समय पर लगों ने अनन्या पांडे को ट्रोल तो खूब किया था. हालांकि समय के साथ अनन्य पांडे ने साबित किया है कि वो एक स्टार बनने के लायक हैं. लोग अब अनन्या पांडे के काम की तारीफ करने लगे हैं.

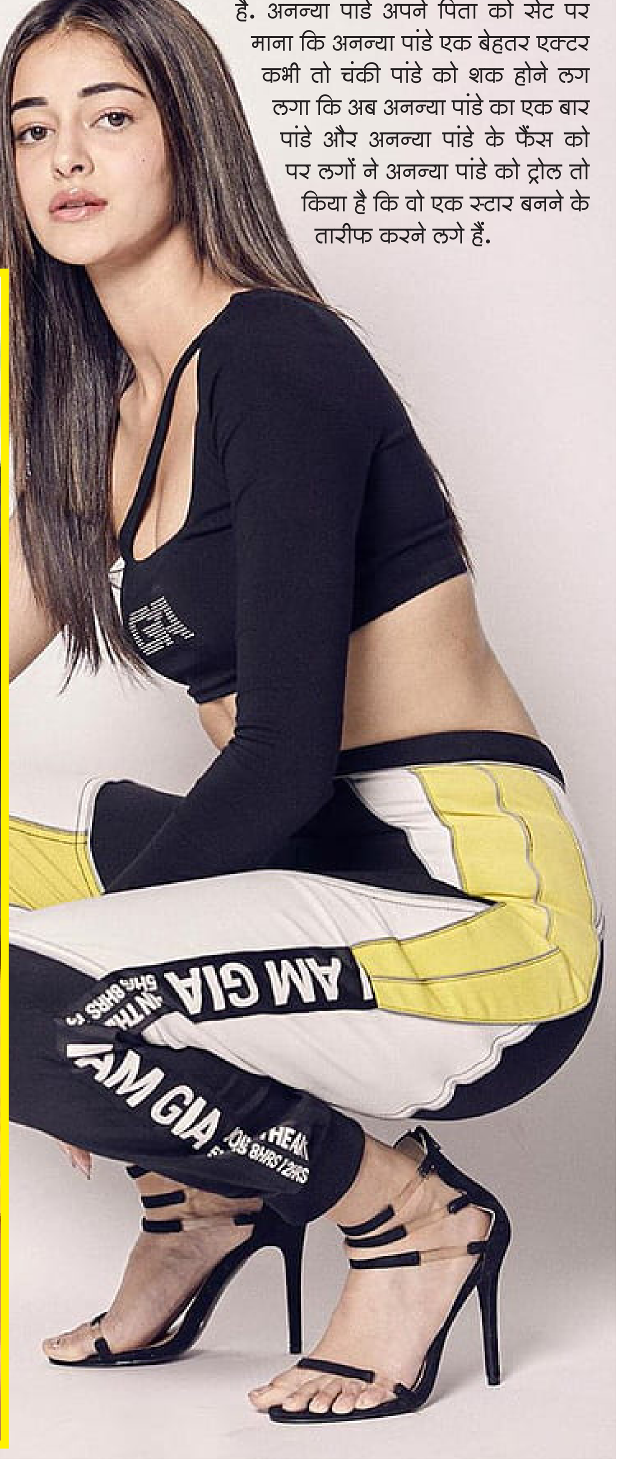

रेखा को मां कहकर बुलाती हैं ऐश्वर्या

☐ बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन परिवार की बहू हैं. इन दिनों बच्चन परिवार संग उनके रिश्ते ठीक नहीं चलने की खबरें सामने आ रही हैं. दावा है कि अभिषेक बच्चन से ऐश्वर्या राय अलग हो रही हैं. कहा जाता है कि ऐश्वर्या राय के रिश्ते अभिषेक बच्चन की मां जया बच्चन यानी अपनी सास से ठीक नही है और इसी वजह से बच्चन परिवार में खटपट चलती रहती हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऐश्वर्या राय का बॉन्ड रेखा के साथ बहुत ज्यादा अच्छा है, जिनका नाम अमिताभ बच्चन के साथ काफी ज्यादा लिया जाता है. ऐश्वर्या राय और रेखा के फैंस के बात अच्छी तरह जानते होंगे कि ऐश्वर्या और रेखा एक दूसरे के काफी ज्यादा क्लोज हैं. ऐश्वर्या रेखा को अपनी मां मानती हैं और इसी वजह से वह उन्हें 'मां' कहकर ही पुकारती हैं, लेकिन इसकी वजह क्या है?

रेखा भी ऐश्वर्या राय को अपनी बेटी से कम नहीं मानती हैं. रेखा को ऐश्वर्या जहां भी नजर आती हैं, वहां वह उस पर प्यार लुटाती रहती हैं. हाल ही में दोनों को अनंत अंबानी की शादी में देखा गया, जहां पर रेखा ने आराध्या और ऐश्वर्या दोनों पर प्यार लुटाया था. अनंत अंबानी की शादी से ऐश्वर्या और रेखा की फोटोज जमकर वायरल हुई थीं, जिसमें ऐश्वर्या रेखा के पैर भी छूती हुई नजर आ रही थीं. इन फोटोज ने फैंस को थोड़ा खुश और हैरान कर दिया था.

बिग बॉस के घर में धांसू एंट्री मारेंगी शालिनी

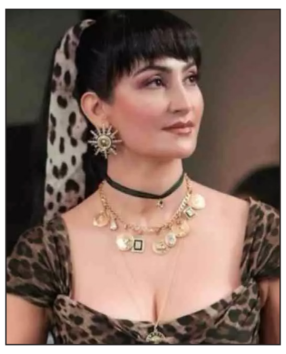

☐ सलमान खान के विवादित रिएलिटी शो 'बिग बॉस 18' का गेम तेजी से आगे बढ़ रहा है. इस शो में करणवीर मेहरा और विवियन डीसेना ने सारी लाइमलाइट बटोर रखी है. कुछ समय पहले ही बिग बॉस के घर में 3 वाइल्ड कार्ड्स की एंट्री हुई थी. इनमें से अदिति मिस्त्री तो चंद रोज ही बिग बॉस के घर में टिक पाई. अदिति मिस्त्री बिग बॉस 18 के घर से बाहर हो चुकी हैं. इसी बीच बिग बॉस को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है. खबर है कि बिग बॉस में शालिनी पासी की एंट्री हो सकती है. शालिनी पासी इंडिया के जानेमाने अरबपति बिजनेसमैन संजय पासी की पत्नी हैं. कुछ समय पहले ही शालिनी पासी ने 'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' के जरिए डेब्यू किया है. इस शो के आने के बाद से ही शालिनी पासी खूब सुर्खियां बटोर रही हैं. कुछ समय में ही शालिनी पासी एक स्टार बन गईं हैं. माना जा रहा है कि इस हफ्ते बिग बॉस के घर में शालिनी पासी की एंट्री होने वाली है. बिग बॉस 18 के आने वाले वीकेंड के वार में सलमान खान की मुलाकात इक्का और रफ्तार जैसे बॉलीवुड सिंगर्स से होने वाली है.

सिल्क स्मिता की बायोपिक का ऐलान

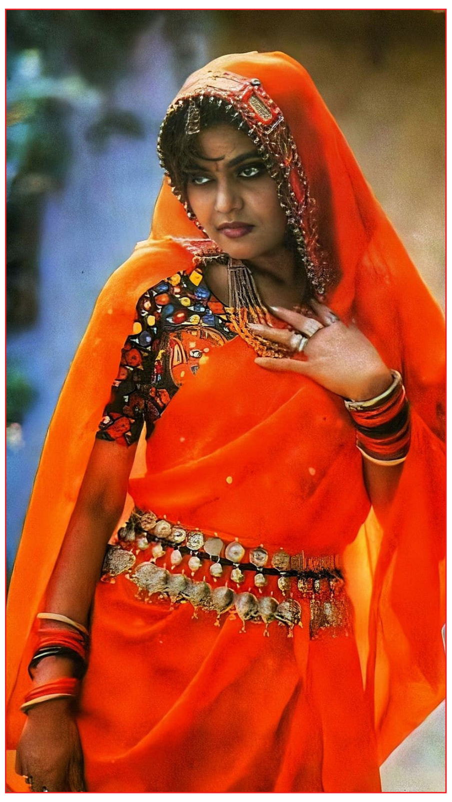

☐ साउथ फिल्म इंडस्ट्री की 'क्वीन' के नाम से मशहूर 'सिल्क स्मिता' के प्रशंसकों के लिए खास खबर सामने आई है. अभिनेत्री के जीवन पर फिल्म बनेगी. फिल्म में सिल्क का रोल प्ले करने वाली अभिनेत्री चंद्रिका रवि ने पहली झलक भी दिखाई है. एसटीआरआई सिनेमाज ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर सिल्क के बायोपिक का ऐलान किया है इसके साथ ही फिल्म में स्मिता का रोल प्ले करने को तैयार अभिनेत्री चंद्रिका रवि ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के टीजर को शेयर कर कैप्शन में लिखा, 'सिल्क स्मिता क्वीन ऑफ द साउथ'. टीजर की शुरुआत में देश की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी अखबार और मैग्जीन में हर जगह सिल्क स्मिता की खबर देखकर पूछती हैं 'आखिर कौन है यह स्मिता' इसके बाद उनका असिस्टेंट कहता है साउथ ब्यूटी और फिर सिल्क की पहली झलक सामने आती है. टीजर में स्मिता सड़क पर निकलती हैं और फिर उन्हें वहां पर खड़ी भीड़ देखने लगती है. टीजर में यह भी बताया जाता है कि सिल्क ने अपने 17 साल के करियर में 5 भाषाओं में 450 से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया. फिल्म के टीजर में अभिनेत्री को एक महिला नहीं राजकुमारी बताया गया है. 'सिल्क स्मिता क्वीन ऑफ द साउथ' पर पहले भी 'द डर्टी पिक्चर' टाइटल के साथ फिल्म बन चुकी है.

श्रद्धा ने किराये पर लिया आलीशान घर

☐ श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई बॉलीवुड ब्लॉकबस्टर फिल्म स्त्री 2 की सफलता का आनंद ले रही हैं। हाल ही में उन्होंने मुंबई के जुहू इलाके में छह लाख रुपये प्रति माह पर एक आलीशान अपार्टमेंट किराए पर लिया है। 3928.86 वर्ग फीट का यह अपार्टमेंट एक साल के लिए लीज पर दिया गया है, जिसमें श्रद्धा कपूर ने पूरे साल का एडवांस किराया 72 लाख रुपये जमा किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लीज समझौता 16 अक्टूबर को पंजीकृत हुआ, जिसमें अभिनेत्री के लिए चार कार पार्किंग स्पेस भी शामिल हैं। इस लेन-देन में 36,000 रुपये का स्टाम्प ड्यूटी और 1,000 रुपये की पंजीकरण फीस भी चुकाई गई है। श्रद्धा कपूर ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत फिल्म तीन पत्ती से की थी। वह आखिरी बार 'स्त्री 2' में नजर आईं, जिसका निर्देशन अमर कौशिक ने किया था। यह फिल्म 15 अगस्त 2024 को रिलीज हुई थी। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म में राजकुमार राव ने भी अभिनय किया। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म स्त्री 2 ने कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ डाले थे। यह हिंदी भाषा में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है। फिल्म में अपारशक्ति खुराना, अभिषेक बनर्जी और पंकज त्रिपाठी भी थे। वहीं, अक्षय कुमार और तमन्ना भाटिया इस फिल्म में विशिष्ट भूमिका में नजर आए थे।

ईडी की छापेमारी के बाद शिल्पा ने किया पहला पोस्ट

☐ बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा की मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं. राज कुंद्रा पर अश्लील फिल्में बनवाकर बेचने का आरोप है, जिस वजह से वह मनी लॉन्ड्रिंग केस में भी फंसे हुए हैं. इसी वजह से बीते दिनों राज कुंद्रा के कई ठिकानों पर ईडी की छापेमारी हुई थी. ये खबर आग की तरह चारों तरफ फेल गई थी. राज और शिल्पा की तरफ से इन मामले में कोई बयान तो सामने नहीं आया था, लेकिन अब शिल्पा शेट्टी ने इस विवाद के बाद पहली बार सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने मुश्किलों से निकलने की बात कही है शिल्पा शेट्टी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जो योगा का है.

धोनी ने साक्षी के साथ किया पहाड़ी डांस

> 1 मिनट का ये वीडियो वायरल

नई दिल्ली. एमएस धोनी फिलहाल पहाड़ों पर छुट्टियां बना रहे हैं। उनका पहाड़ी गीत पर डांस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। इस वीडियो में भारत के पूर्व कप्तान पहाड़ी गाने पर थिरक रहे हैं। उनके साथ उनकी पत्नी साक्षी भी नज़र आ रही हैं और दोनों लोकप्रिय लोकगीत 'गुलाबी शरारा' पर साथ में डांस कर रहे हैं। इस वीडियो के साथ एमएस धोनी की तस्वीरें भी कई फैंस के साथ वायरल हो रही हैं। बता दें कि सीएसके ने धोनी को रिटेन किया है। अब सभी की निगाहें आईपीएल 2025 में उनकी वापसी पर टिकी हैं।

एमएस धोनी के पत्नी साक्षी संग लोकप्रिय लोकगीत 'गुलाबी शरारा' पर डांस करने का ये वीडियो एक मिनट का है। जिसे आईसीटी फैन क्लब नाम के एक्स अकाउंट से इस वीडियो को शेयर किया गया है। आईपीएल 2025 से पहले एमएस धोनी के संन्यास के बारे में अटकलों और अफवाहों के बाद सीएसके के लिए वह आईपीएल 2025 का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं। हालांकि इस बार उन्हें जो कीमत मिल रही है, वह पिछले वर्षों की तुलना में कम है। इस बार वह एक अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में शामिल हैं, जिसने कई लोगों को चौंका दिया है। यह सच है कि कई लोगों ने अनुमान लगाया था कि ये नियम, जिसे कुछ साल पहले खत्म कर दिया गया था, धोनी की लोकप्रियता के कारण फिर से लागू किया गया। इस नियम के अनुसार, एक भारतीय खिलाड़ी पांच वर्षों में किसी भी अंतरराष्ट्रीय मैच में भाग नहीं लेता है या उसके पास बीसीसीआई का केंद्रीय अनुबंध नहीं है तो वह अनकैप्ड माना जाएगा।

भारत के गले नहीं उतर रहा हाइब्रिड मॉडल?

नई दिल्ली.

भारत और पाकिस्तान की पुरुष क्रिकेट टीमें जल्द ही एक दूसरे के आमने-सामने होंगी. मौका होगा आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का. इस टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान कर रहा है लेकिन भारत सरकार और बीसीसीआई ने अपनी टीम को पाकिस्तान भेजने से इनकार कर दिया है. सुरक्षा कारणों के चलते भारतीय टीम पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगी. भारतीय बोर्ड के इनकार और आईसीसी की ओर से पड़ रहे दबाव के बाद पाकिस्तान बैकफुट पर आ गया है. पाकिस्तान को ना चाहते हुए भी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हाइब्रिड मॉडल के लिए हामी भरनी पड़ी है. अब भारतीय टीम के मैच पाकिस्तान में ना होकर दूसरी जगह पर आयोजित होंगे. हालांकि पाकिस्तान ने भी भविष्य के लिए एक शर्त रख दी है जो कि बीसीसीआई के गले नहीं उतर रही है.

पाकिस्तानी बोर्ड की इस तरह की मांग को लेकर बीसीसीआई संतुष्ट नहीं है. उसकी हाइब्रिड मॉडल की शर्त भारतीय बोर्ड के गले नहीं उतर रही है और यह लाजिमी भी है. दरअसल भारतीय टीम सुरक्षा कारणों के चलते पाकिस्तान का दौरा नहीं करती है लेकिन पाकिस्तान के साथ ऐसा कोई मामला नहीं है. भारत और पाकिस्तान के बीच तल्ख रिश्तों की वजह पाकिस्तान की तरफ से भारत में होने वाली आतंकी गतिविधियां हैं, जबकि भारत की ओर से पाकिस्तान में ऐसे कोई हमले नहीं करवाए गए हैं, जिसके चलते पाकिस्तानी खिलाड़ियों को भारत में खतरा हो.

साल 2023 में ही वनडे विश्वकप के दौरान पाकिस्तान ने भारत का दौरा किया था लेकिन अब एक साल बाद पीसीबी आईसीसी इवेंट के लिए भारत में अपनी टीम भेजने से इंकार कर रहा है. असल में पाकिस्तान में लंबे समय बाद कोई आईसीसी इवेंट हो रहा है और इसके लिए पाकिस्तानी बोर्ड शुरू से ही बड़े-बड़े दावे कर रहा है कि वो पूरे टूर्नामेंट को अपने देश में ही सफलतापूर्वक आयोजित करेगा.

भारत में भी हो हाइब्रिड मॉडलः पीसीबी

बीसीसीआई द्वारा अपनी टीम को पाकिस्तान ना भेजे जाने की बात जायज है. हालांकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड भी भारत के सामने अब यही शर्त रख रहा है. पीसीबी ने भी आईसीसी से साफ-साफ कह दिया है कि वो भी भविष्य के आईसीसी इवेंट्स के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजेगा. पाकिस्तान ने इसके साथ ही मांग की है कि चैंपियंस ट्रॉफी की तरह उन टूर्नामेंट्स के लिए भी हाइब्रिड मॉडल अपनाया जाए. पीसीबी भी चाहता है कि भारत में होने वाले आईसीसी टूर्नामेंट में पाकिस्तानी टीम अपने मैच भारत में ना खेलकर दूसरी जगह पर खेले.

लेकिन भारत के इनकार के कारण वो मुश्किल में फंस गया है और ऐसे में बदले की भावना के साथ ही अपने क्रिकेट फैंस के सामने अपना सम्मान बचाने के लिए वो ऐसी शर्त थोपता दिख रहा है.

पीवी सिंधु उदयपुर में रचाएंगी ब्याह

> बिजनेसमैन से लेगी सात फेरे

उदयपुर.

झीलों की नगरी उदयपुर अपनी खूबसूरती के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। यह अब पर्यटन नगरी के नाम से ही नहीं बल्कि डेस्टिनेशन वेडिंग के नाम से भी अपनी पहचान बना रही है। लेकसिटी अब एक और शाही शादी की गवाह बनने जा रही है। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाली है। हैदराबाद में रहने वाले वेंकट दत्ता साई के साथ 22 दिसंबर को उदयपुर में शादी करेंगी। रिसेप्शन 24 दिसंबर को हैदराबाद में होगा।

सिंधु के पिता पीवी रमन ने कहा कि दोनों परिवार एक-दूसरे को जानते थे लेकिन एक महीने पहले ही सब कुछ तय हुआ था। एक महीने पहले ही विवाह तय हुआ था और परिवार चाहता था कि विवाह इसी महीने हो जाए क्योंकि सिंधु जनवरी से 2025 का व्यस्त सत्र शुरू करने वाली हैं। जनवरी से उनका कार्यक्रम काफी व्यस्त हो जाएगा। इसलिए दोनों परिवारों ने 22 दिसंबर को विवाह समारोह आयोजित करने का फैसला किया। रिसेप्शन 24 दिसंबर को हैदराबाद में होगा। झीलों की नगरी उदयपुर कई फिल्मी सितारों की शादी का गवाह बन चुकी है। यहां की झीलें, आलीशान होटल और महल सेलिब्रिटीज की पहली पसंद बने हुए है। आमिर खान की बेटी आयरा खान और नूपुर शिकरे ने भी उदयपुर में शादी की थी। वहीं राजनेता राघव चड्ढा और अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा, हार्दिक पांड्या-नताशा स्टेनकोविक कई सेलेब्स की राजशाही ठाठ-बाट के साथ उदयपुर में शादी हुई है। जहां देश दुनिया के मेहमान इसका गवाह बने हैं।

स्टार भारतीय बल्लेबाज को बस 310 रन की दरकार

टूट जाएगा यह बड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली.

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना एक और उपलब्धि हासिल करने की कगार पर है। वह वनडे क्रिकेट में सबसे तेज 4000 रन बनाने वाली भारतीय महिला क्रिकेटर बनने से महज 310 रन दूर हैं। वर्तमान में महिला वनडे क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे तेज 4000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड पूर्व कप्तान मिताली राज के नाम है, जिसे उन्होंने 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 112वीं पारी के दौरान हासिल किया था।

आगामी भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शुरू होने जा रहे तीन मैचों की महिला वनडे सीरीज के दौरान स्मृति मंधाना के पास इस रिकॉर्ड को तोड़ने का सुनहरा मौका है। स्मृति मंधाना ने 88 महिला वनडे मैच की 88 पारी में 45 की औसत और 84.92 की स्ट्राइक रेट से 3690 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 8 शतक और 27 अर्धशतक लगाए हैं।

वनडे में पहला शतक लगाने वाली ऑस्ट्रेलिया की बेलिंड क्लार्क के नाम सबसे तेज 4000 रन पूरा करने का रिकॉर्ड है, जिसे उन्होंने 89 इनिंग में हासिल की थी। इसके बाद मेग लेनिंग ने 89 इनिंग, लौरा वोल्वाड्ट ने 96 इनिंग, करेन रोल्टन ने 103 इनिंग, सूजी बेट्स 105 इनिंग, स्टेफनी टेलर ने 107 इनिंग और टैमी ब्यूमोंट ने 110 इनिंग में यह उपलब्धि हासिल की थी।

ऑस्ट्रेलिया से तीन वनडे खेलेंगी भारतीय महिलाएं

भारत महिला और ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जानी हैं। दोनों टीमों के बीच पहला मुकाबला 5 दिसंबर, दूसरा 8 दिसंबर और तीसरा 11 दिसंबर को खेला जाएगा। महिला वनडे क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी रहा है। दोनों टीमों के बीच कुल 53 वनडे मैच खेले गए है, ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने 43 मैच में जीत दर्ज की जबकि उसे 10 मैच में भारत महिलाओं से हार झेलनी पड़ी है।

शानदार फॉर्म में हैं स्मृति मंधाना

भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधान इन दिनों शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने महिला बिग बैश लीग 2024 में एडिलेड स्ट्राइकर्स की ओर से खेलते हुए 5 मैच में 28.80 की औसत और 142.57 की स्ट्राइक रेट से कुल 144 रन बनाए थे, जहां उनका सर्वोच्च स्कोर 51 रन है। इससे पूर्व स्मृति मंधाना ने अक्टूबर में महिला क्रिकेट में भारत के लिए सर्वाधिक वनडे शतकों का मिताली राज का रिकॉर्ड भी तोड़ा था। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ अक्टूबर में वनडे सीरीज के पहले दो मैचों में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद निर्णायक मुकाबले में 122 गेंद में 10 चौके संग शानदार शतक लगाया था।

वेस्टइंडीज ने वनडे सीरीज के लिए किया टीम का ऐलान

नई दिल्ली.

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। ये सीरीज 8 दिसंबर से सेंट किट्स एंड नेविस में शुरू होने वाली है। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से सीरीज जीतने वाली विंडीज की टीम में दो बदलाव किए गए हैं। आखिरी बार 2022 में वेस्टइंडीज के लिए खेलने वाले जस्टिन ग्रीव्स को घरेलू क्रिकेट शानदार प्रदर्शन के बाद वनडे टीम में शामिल किया गया है। वह सुपर 50 वनडे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में से एक बनकर उभरे और बांग्लादेश के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज में बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन करके अपनी जगह पक्की की।

जस्टिन ग्रीव्स ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में अहम भूमिका निभाई थी। शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए उन्होंने शतक के साथ पांच विकेट भी चटकाए। उस मैच में उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला और मेजबान टीम ने 201 रन से शानदार जीत दर्ज की। ग्रीव्स के साथ ही अनकैप्ड विकेटकीपर-बल्लेबाज आमिर जंगू ने भी सुपर 50 टूर्नामेंट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के जरिए अपनी जगह बनाई। जंगू ने सबसे ज्यादा रन बनाए और टीम में अपनी क्षमता का परिचय दिया।

शाई होप वनडे फॉर्मेट में वेस्टइंडीज की अगुवाई करना जारी रखेंगे, जबकि ब्रैंडन किंग उनके डिप्टी होंगे। टीम में अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ और सील्स की अगुआई में मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण है। पावर-हिटर शिमरॉन हेटमायर, अनुभवी बल्लेबाज एविन लुईस और बहुमुखी ऑलराउंडर रोस्टन चेज और शेरफेन रदरफोर्ड टीम में गहराई जोड़ते हैं।

पर्पल कैप जीतने वाले ने नेपाल प्रीमियर लीग में मचाई तबाही

नई दिल्ली.

आईपीएल के स्टैंडर्ड का पता उसमें खेल चुके खिलाड़ी के नेपाल प्रीमियर लीग में किए प्रदर्शन से पता चलता है, जहां अपना पहला मैच खेलते हुए ही वो छा गया. अकेले ही विरोधी टीम पर भारी पड़ गया. शिखर धवन भी जिस लीग में खेल रहे हैं, वहां उसने 21 रन देकर तबाही मचाने का काम किया है. हम बात कर रहे हैं आईपीएल में पर्पल कैप जीत चुके गेंदबाज सोहेल तनवीर की. पाकिस्तान के इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने आईपीएल के पहले सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेकर पर्पल कैप जीता था.

सोहेल तनवीर फिलहाल चर्चा में हैं, नेपाल प्रीमियर लीग में की अपनी घातक गेंदबाजी को लेकर. उन्होंने वहां 2 दिसंबर को खेले मुकाबले में खलबली मचा दी. मुकाबला काठमांडू गोरखाज और चितवान राइनोज के बीच था. इस मैच में तनवीर चितवान राइनोज का हिस्सा थे. मैच में काठमांडू गोरखाज पहले बैटिंग करने उतरी, जिस पर चितवान राइनोज के सोहेल तनवीर की गेंदों का कहर जमकर बरपा.

आईपीएल में पर्पल कैप विनर रहे सोहेल तनवीर ने नेपाल प्रीमियर लीग में जो घातक गेंदबाजी की, उसका असर ये हुआ कि काठमांडू गोरखाज की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर सिर्फ 111 रन ही बना सकी. चितवान राइनोज के सामने अब 112 रन का लक्ष्य था, जिसे उसने 17 गेंद शेष रहते 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया. सोहेल तनवीर चितवान राइनोज की जीत के हीरो रहे. जीत के साथ खाता खोलकर चितवान राइनोज पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर आ गई है.

टॉप से लोअर ऑर्डर तक के विकेट उखाड़े

सोहेल तनवीर, काठमांडू गोरखाज के टॉप से लेकर लोअर ऑर्डर तक को अकेले ही बेहाल करते दिखे. उन्होंने 4 ओवर में 21 रन देकर 5 विकेट लिए, जिसमें से 2 विकेट चितवान राइनोज को टॉप ऑर्डर के रहे, 1 मिडिल ऑर्डर का और बाकी के 2 विकेट लोअर ऑर्डर के . इस तरह उनके आतंक से चितवान राइनोज की बल्लेबाजी का कोई भी क्रम बच नहीं सका.

भारत-पाकिस्तान में अब नहीं होंगे कोई टूर्नामेंट

नई दिल्ली.

भारत और पाकिस्तान के बीच तल्ख रिश्तों का असर क्रिकेट पर लगातार पड़ रहा है. आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के बीच टकराव जारी है, जिसके लिए टीम इंडिया को पाकिस्तान भेजने से इनकार किया जा चुका है. ऐसे में जहां चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड अपनी-अपनी मांग पर अड़े हुए हैं, वहीं एक बड़े क्रिकेट टूर्नामेंट को लेकर बड़ा फैसला हो चुका है. भारत और पाकिस्तान में अब आने वाले कई सालों तक ब्लाइंड क्रिकेट वर्ल्ड कप का आयोजन नहीं होगा.

पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ल्ड ब्लाइंड क्रिकेट काउंसिल ने सोमवार 2 दिसंबर को ये फैसला किया कि भारत और पाकिस्तान में अब कोई भी ब्लाइंड क्रिकेट इवेंट का आयोजित नहीं होगा. ये फैसला दोनों देशों के बीच तनातनी और उसके पड़ रहे असर को देखते हुए लिया गया है. काउंसिल ने अपने फैसले में साफ किया है कि जब तक दोनों देशों के बीच राजनीतिक रिश्ते सुधर नहीं जाते. हालांकि जहां भी टूर्नामेंट आयोजित होंगे, वहां दोनों टीमें आपस में भिड़ती रहेंगी. ये फैसला ऐसे वक्त में आया है, जब हाल ही में भारत की ब्लाइंड क्रिकेट टीम को टी20 वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान जाने की इजाजत नहीं मिली. नवंबर के अंत में पाकिस्तान में ही ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप शुरू हुआ था. इसके लिए टीम इंडिया को पाकिस्तान जाना था और उसे खेल मंत्रालय की ओर से मंजूरी भी मिल गई थी लेकिन गृह मंत्रालय की ओर से उसे पाकिस्तान जाने की इजाजत नहीं मिली और ऐसे में टीम इस बार वर्ल्ड कप का हिस्सा नहीं बन पाई.

चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर चल रहे विवाद के वक्त ये बड़ा फैसला आया है. ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल भी ऐसा कोई कदम उठा सकती है? पाकिस्तान की मेजबानी में फरवरी-मार्च 2025 में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए भारत सरकार ने सुरक्षा का हवाला देते हुए टीम को पाकिस्तान जाने की इजाजत नहीं दी. ऐसे में बीसीसीआई ने टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल पर आयोजित करने की मांग रखी, जिसके तहत एक सेमीफाइनल और फाइनल समेत टीम इंडिया के मैच दुबई में खेले जाएंगे. पीसीबी हालांकि लगातार इसका विरोध कर रहा है लेकिन आईसीसी के दबाव के चलते अब वो इस मांग के लिए राजी होता दिख रहा है. हालांकि वो यही फॉर्मूला भारत में होने वाले टूर्नामेंट्स पर भी लागू करने की मांग कर रही है.

अर्जेंटीना के जुआन मार्टिन डेल पोर्तो ने लिया संन्यास

> जोकोविच ने दी भावुक विदाई

नई दिल्ली. 2009 के यूएस ओपन ग्रैंड स्लेम विजेता अर्जेंटीना के टेनिस खिलाड़ी जुआन मार्टिन डेल पोर्तो ने संन्यास ले लिया है। उन्होंने यहां एक प्रदर्शनी मैच खेलने के बाद अपने प्रशंसकों से भावपूर्ण विदाई ली। इस दौरान दिग्गज नोवाक जोकोविच भी मौजूद थे। डेल पोर्तो ने जोकोविच के खिलाफ यह प्रदर्शनी मैच 6-4, 7-5 से जीता। मैच पाइंट पर नोवाक ने जानबूझकर डेल पोर्तो को विजेता बनाने के लिए अपना ट्रेडमार्क फोरहैंड लगाने दिया। गौरतलब है कि पोर्तो लगातार चोट के कारण टेनिस से दूर रहे हैं।

सर्बियाई स्टार नोवाक जोकोविच ने कहा कि मैं किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं जानता जो जुआन मार्टिन से प्यार न करता हो। जीवन में उनकी सबसे बड़ी जीत यह है कि वह एक अद्भुत इंसान है। वहीं, पूर्व टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर ने कहा कि आप एक विशेष खिलाड़ी और एक विशेष व्यक्ति हैं। मुझे उम्मीद है कि यह पल ऐसा है जिसका आप जश्न मना रहे हैं। आपको दुखी नहीं होना चाहिए। हम सभी को जीवन में आगे बढ़ने की जरूरत है। आपके लिए अभी भी सबसे अच्छा आना बाकी है।

भारत से छीने क्रिकेट विश्व कप की मेजबानी के अधिकार

> पाकिस्तान मीडिया की रिपोर्ट में बड़ा दावा

नई दिल्ली.

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर चल रहा विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। बीसीसीआई ने टीम इंडिया को पाकिस्तान भेजने से इनकार करने के बाद पीसीबी ने हाइब्रिड मॉडल स्वीकार कर लिया है। हालांकि पीसीबी ने कुछ ऐसी शर्तें रखी हैं, जिसके बाद इस टूर्नामेंट पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इसी बीच पाकिस्तानी मीडिया ने कुछ रिपोर्ट्स के जरिए आग में घी डालने का काम कर दिया है। पाकिस्तानी मीडिया में आई कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि वीजा मंजूरी और यात्रा अनुमति से संबंधित मुद्दों के कारण ब्लाइंड महिला टी20 विश्व कप 2025 की मेजबानी के अधिकार भारत से छीन लिए गए हैं।

एक रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि मुल्तान में वर्ल्ड ब्लाइंड क्रिकेट काउंसिल की बैठक में ये अहम निर्णय लिया गया। अब इस टूर्नामेंट के तटस्थ स्थल पर होने की उम्मीद है, जहां दोनों देशों के लिए वीजा संबंधी कोई समस्या नहीं होगी। इस बीच पाकिस्तान के सैयद सुल्तान शाह को एक और कार्यकाल के लिए वर्ल्ड ब्लाइंड क्रिकेट काउंसिल का अध्यक्ष चुना गया। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि पुरुषों का ब्लाइंड टी20 विश्व कप अभी पड़ोसी देश में हो रहा है, जहां भारतीय टीम को भाग लेने की मंजूरी नहीं मिली है।

ऐसा लगता है कि ये निर्णय इस वजह से लिया गया है कि पीसीबी के बार-बार प्रयासों के बावजूद भारतीय टीम पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में हिस्सा नहीं लेगी। भारतीय टीम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वे केवल हाइब्रिड मॉडल में ही खेलेंगे, जिसमें उनका कोई भी मैच पाकिस्तान में नहीं खेला जाएगा। ज्यादातर मामलों में "हाइब्रिड मॉडल" से सहमत न होते हुए,पीसीबी ने अपना खुद का "साझेदारी या फ्यूजन फॉर्मूला" बनाया है, जिसके तहत अगले तीन सालों तक भारत बनाम पाकिस्तान के सभी आईसीसी मैच तटस्थ स्थानों पर खेले जाने चाहिए। चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन फरवरी से मार्च के बीच होना है, हालांकि अभी तक अंतिम कार्यक्रम घोषित नहीं किया गया है।

सबसे आगे बैठेंगे पीएम मोदी

प्रियंका गांधी वाड्रा को मिली सीट नंबर 517 | लोकसभा में सांसदों के लिए सीटों का हुआ आवंटन

नई दिल्ली।

लोकसभा में सांसदों के लिए सीटों का आवंटन पूरा हो चुका है। ताजा व्यवस्था के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पहले की तरह 1 नंबर सीट आवंटित की गई है। जबकि, संसद की नई सदस्य वायनाड से उपचुनाव जीतने वालीं प्रियंका गांधी वाड्रा को 517 नंबर की सीट आवंटित की गई है। विपक्षी दलों में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी सबसे पहली पंक्ति में होंगे। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी एक परिपत्र के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को पहले दूसरे कॉलम में डिवीजन नंबर 58 आवंटित किया गया था, लेकिन अब उन्हें गृह मंत्री अमित शाह के बगल वाली सीट संख्या चार दी गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को प्रधानमंत्री के बगल वाली डिवीजन सीट संख्या दो मिली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल को राहुल गांधी के पास सीट नंबर 497 दी गई है। जबकि, फैजाबाद सांसद अवधेस प्रसाद को दूसरी रो में जगह दी गई है। अब वह डिंपल यादव की सीट 358 के बगल में 357 पर बैठेंगे। प्रियंका गांधी वाड्रा के पास वाली सीटों पर कांग्रेस सांसद अदूर प्रकाश और असम से प्रद्युत बोरदोलोई मौजूद होंगे।

विपक्ष दलों के नेता कहां बैठेंगे

❑ समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव विपक्षी दीर्घा की आगे की पंक्ति में सीट संख्या 355 पर बैठेंगे। तृणमूल कांग्रेस नेता सुदीप बंदोपाध्याय यादव के बगल में बैठेंगे। टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी को 280, कल्याण बनर्जी को 281 और सौगत रॉय को 284 नंबर की सीट दूसरी पंक्ति में आवंटित हुई हैं। द्रमुक नेता टी आर बालू और ए राजा को भी आगे की पंक्ति में सीटें आवंटित की गई हैं।

गुलमर्ग में हुई बर्फबारी

दक्षिण भारत के 3 राज्यों में भारी बारिश जारी

नई दिल्ली।

जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग और सोनमर्ग में सोमवार रात से बर्फबारी जारी है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ जिलों में पारा 10° तक पहुंच गया। दक्षिण भारत के 3 राज्य कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल में फेंगल तूफान के कारण भारी बारिश हो रही है। पिछले 4 दिन में तमिलनाडु में तूफान से 12 मौतों का दावा किया गया है।

इस बार की सर्दियों में शीतलहर वाले दिन यानी कोल्डवेव डेज कम होंगे। दिसंबर से लेकर जनवरी-फरवरी तक देश के कई हिस्सों में तापमान भी सामान्य रहेगा। मौसम विभाग ने सोमवार को ठंड को लेकर पूर्वानुमान जारी किया है। मुआसँ विभाग के मुताबिक राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल, उत्तराखंड, झारखंड, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और गुजरात में अगले तीन महीने के दौरान कोल्ड वेव डेज 2 से 6 दिन कम हो सकते हैं। वहीं, दिसंबर में पहाड़ी राज्यों को छोड़कर बाकी जगह कोल्डवेव डेज की संभावना बेहद कम है।

बर्फबारी, नॉर्थ वेस्ट, नॉर्थ ईस्ट में बारिश भी कम होगी। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण अभी भी खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। यहां मंगलवार सुबह 9 बजे तक एक्यूआई 308 रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार हिमालय पर बर्फ से ढंका क्षेत्र इस साल फरवरी की तुलना में 32% तक घट गया है। साथ ही मानसून में इस बार 108% बारिश हुई थी। इन दोनों फैक्टर्स की वजह से भी इस बार कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना कम है। पिछले साल यानी 2023 में स्नो कवर एरिया 40% था और मानसूनी बारिश 94% ही हुई, जिससे कड़ाके की ठंड पड़ी थी।

ऑपरेशन के लिए तैयार आईएनएस विक्रांत

समुद्री इतिहास में निर्मित सबसे बड़ा युद्धपोत

कोच्चि।

दक्षिणी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल वी श्रीनिवास ने कहा कि भारत के स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत ने पूर्ण परिचालन स्थिति हासिल कर ली है। इसके पहले आईएनएस ने इस साल अपनी अंतिम परिचालन मंजूरी हासिल की थी। कोच्चि में नौसेना के जहाज आईएनएस शार्दुल पर मीडिया से बातचीत में श्रीनिवास ने कहा कि विभिन्न परीक्षणों के पूरा होने और जहाज के बेड़े के एकीकरण के साथ आईएनएस विक्रांत अब पूरी तरह से चालू हो चुका है। वह पश्चिमी बेड़े के तहत काम कर रहा है। श्रीनिवास ने इस बात पर जोर दिया कि देश और नौसेना के लिए गौरव का प्रतीक यह युद्धपोत भारतीय नौसेना के सभी अभियानों और प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में पूरी तरह सक्षम है। पोत को 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से सेना में शामिल किया गया था। इसे भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो (डब्ल्यूडीबी) ने डिजाइन किया है और इसका निर्माण कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड की ओर से किया गया है। आईएनएस विक्रांत भारत के समुद्री इतिहास में अब तक निर्मित सबसे बड़ा युद्धपोत है। अत्याधुनिक स्वचालन सुविधाओं से युक्त इस जहाज में लगभग 2,200 कंपार्टमेंट हैं। जिन्हें महिला अधिकारियों और नाविकों समेत लगभग 1,600 लोगों के चालक दल को समायोजित करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें मिग-29के लड़ाकू जेट, कामोव-31 हेलीकॉप्टर, एमएच-60आर मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर, और स्वदेशी रूप से निर्मित उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) और हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तैनात हैं।

'बांग्लादेश में शांति सेना भेजी जाए'

सीएम ममता ने केंद्र को दिया प्रस्ताव

कोलकाता। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पड़ोसी देश बांग्लादेश में मौजूदा हालात के मद्देनजर वहां विशेष शांति सेना भेजे जाने की वकालत की है।

सोमवार को विधानसभा में बोलते हुए ममता ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि वह बांग्लादेश मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में उठाए। उन्होंने केंद्र से वहां शांति सेना भेजे जाने के लिए संयुक्त राष्ट्र से हस्तक्षेप करने की अपील की। ममता ने कहा कि विशेष शांति सेना किसी देश को संघर्ष के रास्ते से वापस शांति के रास्ते पर लाने का काम करती है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में जो संघर्ष का माहौल बन गया है, उसे संभालने की क्षमता मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के पास नहीं है।

परिणामस्वरूप, वहां संयुक्त राष्ट्र की विशेष शांति सेना को तुरंत तैनात करने की आवश्यकता है। इसके साथ ही ममता ने कहा कि बांग्लादेश में जिन भारतीयों पर हमले हो रहे हैं, उन्हें वापस लाकर बंगाल में रहने की व्यवस्था करने के लिए वह तैयार हैं। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि उनके भोजन में कोई समस्या नहीं होगी। ममता ने बांग्लादेश की घटना पर केंद्र सरकार की भूमिका पर नाराजगी भी व्यक्त की। हिंदू नेता की गिरफ्तारी पर नाराजगी जताते हुए ममता ने कहा कि 10 दिन हो गए हैं, लेकिन केंद्र सरकार पूरे मामले पर चुप है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पार्टी भाजपा हर दिन केवल मार्च कर रही है। हमें भी विरोध करने का अधिकार है। लेकिन मैं बांग्लादेश मामले में केंद्र के परामर्श को मानकर ही चलूंगी। बांग्लादेश को लेकर ज्यादा कुछ कहना मेरे अधिकार क्षेत्र के बाहर है।

पीएम द्वारा बांग्लादेश मुद्दे पर बयान देने की मांग

ममता ने बांग्लादेश मुद्दे पर मोदी से संसद में बयान देने की मांग भी उठाई है। उनके मुताबिक संसद का सत्र चल रहा है, इसलिए पीएम को बांग्लादेश के बारे में बयान देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर वह कूटनीतिक या अन्य कारणों से बयान नहीं देते हैं तो विदेश मंत्री एस जयशंकर को बांग्लादेश के हालात पर संसद में बयान देना चाहिए।

एशिया में पहली जल परिवहन सेवा शुरू

श्रीनगर।

आपने उबर की टैक्सी, ऑटो या बाइक सर्विस का लुत्फ लिया होगा। दिग्गज टैक्सी सेवा प्रदाता कंपनी ने भारत में पहली जल परिवहन सेवा शुरू की है। इस सर्विस का नाम है- उबर शिकारा। यह सर्विस आपको अभी कश्मीर में ही मिलेगी। अगर आप कश्मीर की वादियों का मजा उठाना चाहते हैं और फेमस डल झील घूमना चाहते हैं, तो कंपनी ने डल झील में घूमने के लिए शिकारा सर्विस शुरू की है। उबर इंडिया एवं दक्षिण एशिया के अध्यक्ष प्रभजीत सिंह ने सोमवार को बताया कि उबर के ऐप के जरिये अब श्रीनगर में डल झील पर शिकारे की बुकिंग की जा सकेगी। कंपनी ने एशिया में अपनी तरह की यह पहली सेवा शुरू की है। सिंह ने कहा, उबर शिकारा' यात्रियों को शिकारा की सवारी के लिए एक सहज अनुभव देने के लिए प्रौद्योगिकी तथा परंपरा को मिलाने का हमारा प्रयास है। हमें कश्मीर के लुभावने परिदृश्य में पहुंच बढ़ाने और पर्यटन को बढ़ावा देने वाली यह सेवा प्रदान करने पर गर्व है। उबर के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि भारत में उबर की जल परिवहन सेवा एशिया में भी अपनी तरह की पहली सेवा है। कंपनी इटली के वेनिस सहित कुछ यूरोपीय देशों में जल परिवहन बुकिंग की सुविधा प्रदान करता है। भारत में कंपनी ने शुरुआत में सात शिकारा को शामिल किया है और सेवा की लोकप्रियता के आधार पर धीरे-धीरे बेड़े का विस्तार करने की योजना बना रही है। उबर यूजर्स सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर शिकारा बुक कर सकेंगे। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि उबर अपने शिकारा भागीदारों से कोई शुल्क नहीं ले रही है और पूरी राशि उन्हें दे दी जाएगी।

ड्रग तस्करी केस में एलन मस्क से मदद

पोर्ट ब्लेयर। अंडमान निकोबार पुलिस ने देश में मादक पदार्थों की सबसे बड़ी एकल बरामदगी के मामले में ड्रग तस्करों को पता लगाने के लिए अब अमेरिकी अरबपति और स्टारलिंक के मालिक एलन मस्क से मदद मांगने का फैसला किया है। अंडमान पुलिस ने मंगलवार को कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करों का पता लगाने के लिए एलन मस्क की स्टारलिंक से विवरण मांगेगी, जिन्होंने गहरे समुद्र में नेविगेट करने और पहली बार भारतीय जल में 4.25 बिलियन डॉलर यानी 3,59,90 करोड़ रूपये मूल्य की मेथ लाने के लिए स्टारलिंक के सैटेलाइट इंटरनेट डिवाइस का इस्तेमाल किया था। पिछले हफ्ते भारतीय तटरक्षक बल के साथ मिलकर अंडमान एवं निकोबार पुलिस ने 6,000 किलोग्राम से अधिक मेथामफेटामाइन बरामद किया था तथा मादक पदार्थ के अंतरराष्ट्रीय गिरोह के बर्मी मूल के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया था। इस तस्करी के लिए विशेष रुप से तैयार की गयी उनकी नौका जब्त की गयी थी। देश में मादक पदार्थों की यह सबसे बड़ी एकल बरामदगी है। इस जब्ती के कुछ दिनों बाद जांचकर्ताओं ने पाया कि तस्करों ने दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में अपने संपर्कों को कई कॉल की थी जिनमें उत्तर भारत का एक व्यक्ति भी था। तस्करों ने अपने सिस्टम में दक्षिण अंडमान के नील द्वीप और मध्य अंडमान में रंगत के नौवहन विवरण भी दर्ज कर लिए थे।

गगनयान मिशन पर बड़ी खुशखबरी

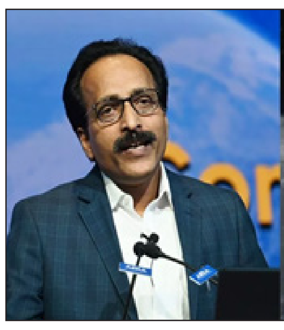

नई दिल्ली। चंद्रयान-3 को चांद के दक्षिण ध्रुव पर उतारकर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने इतिहास रचा था। भारत ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश है। साथ ही चांद पर मानवरहित यान उतारने वाला दुनिया का चौथा देश। चंद्रयान-3 के बाद इसरो आगामी वर्षों में अंतरिक्ष क्षेत्र में कई मिशन लॉन्च करने वाला है। इसमें चंद्रयान-4 और अंतरिक्ष स्पेस स्टेशन के साथ गगनयान मिशन भी है। इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने सोमवार को भारत के गगनयान मिशन पर बड़ी खुशखबरी दी। उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि देश का पहला मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम गगनयान 2026 के अंत तक लॉन्च किए जाने की संभावना है। एस सोमनाथ ने कहा कि गगनयान मिशन के तहत रॉकेट की पहली मानवरहित परीक्षण उड़ान अगले साल की शुरुआत में शुरू हो जाएगी। बता दें कि गगनयान परियोजना का उद्देश्य तीन दिवसीय मिशन के लिए अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी से 400 किलोमीटर ऊपर की कक्षा में भेजकर भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान क्षमता का प्रदर्शन करना है।

इसके बाद, उन्हें समुद्र में सुरक्षित उतारकर पृथ्वी पर वापस लाया जाएगा। यदि 90 अरब रुपये की लागत वाली यह स्वदेशी अंतरिक्ष परियोजना सफल हो जाती है, तो भारत सोवियत संघ, अमेरिका और चीन के बाद अंतरिक्ष में मानव भेजने वाला चौथा देश बन जाएगा। आईआईटी-गुवाहाटी में एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात करते हुए एस सोमनाथ ने कहा, हम पिछले चार वर्षों से गगनयान परियोजना पर काम कर रहे हैं। हमारा रॉकेट पूरी तरह से तैयार है। टेस्टिंग लन्चिंग अगले साल की शुरुआत में शुरू हो जाएगी। हम इसे इस साल दिसंबर में करना चाहते थे, लेकिन तकनीकी कठिनाइयों के कारण कार्यक्रम आगे बढ़ाया जा रहा है।

बांग्लादेश ने भारत के राजदूत को किया तलब

ढाका।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसक घटनाओं के बीच मोहम्मद यूनुस सरकार ने अगरतला मामले में भारतीय उच्चायुक्त को तलब किया है। अगरतला में बीते दिनों बांग्लादेश के राजनयिक मिशन में तोड़फोड़ की घटना हुई थी। बांग्लादेश सरकार ने इस घटना को लेकर अपना विरोध दर्ज किया है। अंतरिम सरकार में कानूनी मामलों के सलाहकार ने विरोध दर्ज करते हुए कहा कि भारत को समझना चाहिए कि यह शेख हसीना का बांग्लादेश नहीं है।

दरअसल मामला यूं है कि हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी और बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हमलों के विरोध में पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में सोमवार को हजारों की संख्या में लोगों ने व्यापक प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी बांग्लादेश के सहायक उच्चायोग में कथित तौर पर घुस गए और कथित तौर पर तोड़फोड़ की। विदेश मंत्रालय ने इस घटना को बहुत खेदजनक बताया है। बांग्लादेश राजनयिक मिशन में तोड़फोड़ करने के आरोप में सात लोग गिरफ्तार हो चुके हैं और सात पुलिसकर्मियों पर लापरवाही के आरोप में ऐक्शन लिया जा चुका है।

मंगलवार को भारत और बांग्लादेश के बीच बढ़ रहे तनाव के बीच खबर आई कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने कहा कि भारत और बांग्लादेश के बीच व्यापक और बहुआयामी संबंध हैं, जिन्हें किसी एक मुद्दे तक सीमित नहीं किया जा सकता।

जाते-जाते बाइडेन ने यूक्रेन पर उड़ेला खजाना

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अगले महीने खत्म हो रहे अपने कार्यकाल के अंतिम दिनों में यूक्रेन को 725 मिलियन डॉलर यानी करीब 6139 करोड़ रुपए की बड़ी सैन्य मदद देने जा रहे हैं। इसका उद्देश्य युद्ध के मैदान में न केवल रूस का मुकाबला करना है बल्कि कीव को रणक्षेत्र में आगे बढ़ाना है। इस सहायता पैकेज के साथ अमेरिका यूक्रेन को कई किस्म के हथियार भी उपलब्ध करा रहा है, जिसमें कई ड्रोन रोधी सिस्टम, हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम और एंटी पर्सनल लैंड माइंस भी शामिल है। राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा घातक हथियार सौंपने के बाद चर्चा का बाजार गर्म है और आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम को लेकर कई किस्म की अटकलें लगाई जा रही है.

हथियार बनाने में नाटो से भी आगे निकला रूस

मॉस्को। रूस की प्रमुख रक्षा कंपनियों की आय में पिछले साल 40 प्रतिशत की भारी बढ़त हुई है। इसके विपरीत, अमेरिकी और यूरोपीय रक्षा कंपनियों की आय में क्रमशः केवल 2.5 प्रतिशत और 0.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की ताजा रिपोर्ट में ये खुलासा हुआ है। इस खुलासे से पता चलता है कि यूक्रेन युद्ध के बीच रूस किस कदर अपनी ताकत का इजाफा कर रहा है जबकि पश्चिमी देशों की चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में वैश्विक रक्षा उद्योग की औसत आय वृद्धि 4.2 प्रतिशत रही, जबकि रूस ने अपने रक्षा उत्पादन को युद्धकालीन स्थिति में अधिक प्रभावी ढंग से बढ़ावा दिया। यूक्रेन में अपने युद्ध को सपोर्ट करने के लिए रूस बहुत तेजी से हथियार बनाने में जुटा है, जबकि पश्चिमी देशों का नाटो संगठन इसमें पिछड़ रहा है। अल-जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, रूस की शीर्ष रक्षा कंपनियों की कुल आय 25.5 बिलियन डॉलर रही, जो अमेरिका ($317 बिलियन) और यूरोप ($133 बिलियन) के मुकाबले काफी कम है। बावजूद इसके, रूस ने अपने आर्थिक और औद्योगिक संसाधनों को युद्ध के लिए प्रभावी रूप से तैयार किया है।

अल-जोलानी की दहशत से घुटनों पर सीरि

सीरिया। मिडिल ईस्ट में सीरिया के बड़े शहर अलेप्पो पर सरकार विरोधी विद्रोहियों हयात तहरीर अल-शाम ने कब्ज़ा कर लिया है। इन विद्रोहियों ने एक हफ्ते से भी कम समय में सीरियाई सेना को घुटनों पर ला दिया। सीरिया को इन विद्रोहियों को पीछे धकेलने के लिए रूसी सेना की मदद लेनी पड़ी, लेकिन फिर भी पलड़ा विद्रोहियों का ही भारी लग रहा है। तहरीर अल-शाम सीरिया में इस्लामिक कानून चाहता है, इसका अभी सीरिया से बाहर ऐसा कुछ करने का इरादा नहीं है। आठ साल पहले सीरिया को इसे हराने के लिए रूस और ईरान की मदद लेनी पड़ी थी। इजरायल भी इस आतंकी ग्रुप को अपने लिए खतरा मानता है। ये आतंकी यहूदियों को अपना दुश्मन मानते हैं। इस लिहाज से सीरिया में इनकी बढ़त इजरायल के लिए खतरे की घंटी भी है। इन विद्रोहियों का सरदार है- अबू मुहम्मद अल-जोलानी। अबू मुहम्मद अल-जोलानी के सिर पर अमेरिकी सरकार ने 10 मिलियन डॉलर का ईनाम रखा है।

पृथ्वी की निचली कक्षा में 14,000 से अधिक सैटेलाइट

पृथ्वी की निचली ऑर्बिट पर एक्सपर्ट ने चेताया, अंतरिक्ष में लगेगा ट्रैफिक जाम?

वॉशिंगटन।

अंतरिक्ष विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि बढ़ते उपग्रहों और अंतरिक्ष कबाड़ के कारण पृथ्वी की निचली कक्षा (लॉ अर्थ ऑर्बिट) में जाम लग सकता है। ऐसे में यह ऑर्बिट के इस्तेमाल को मुश्किल बना सकती है। संयुक्त राष्ट्र के एक पैनल ने अंतरिक्ष यातायात समन्वय पर कहा है कि अगर कंपनियां और देश मिलकर काम नहीं करेंगे और अंतरिक्ष के इस सबसे सुलभ क्षेत्र के प्रबंधन के लिए जरूरी जानकारी साझा नहीं करेंगे तो यह समस्या और गंभीर हो जाएगी।

उन्होंने तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर देते हुए इसके लिए एक अंतरराष्ट्रीय ढांचा बनाने का आह्वान किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका स्थित स्लिंगशॉट एयरोस्पेस ने बताया है कि पृथ्वी की निचली कक्षा में 14,000 से ज्यादा सैटेलाइट हैं, जिनमें 3,500 निष्क्रिय हैं। इनके साथ-साथ लॉन्च, टकराव और टूट-फूट से करीब 12 करोड़ मलबे के टुकड़े भी जमा हो गए हैं। इनमें से कुछ हजार ही इतने बड़े हैं कि उन पर नजर रखी जा सके। बाकी सभी बहुत छोटे टुकड़े हैं। मैनी ने कहा कि पृथ्वी की निचली कक्षा को सुरक्षित रखना जरूरी है ताकि वैश्विक संचार, नेविगेशन और वैज्ञानिक अन्वेषण के पीछे की तकनीक में महंगे व्यवधान को रोका जा सके। अभी तक कोई केंद्रीकृत प्रणाली नहीं है जिसका सभी अंतरिक्ष यात्री राष्ट्र लाभ उठा सकें। उन्हें ऐसी प्रणाली का उपयोग करने के लिए राजी करने में भी कई बाधाएं हैं। कुछ देश डेटा साझा करने को तैयार हैं, जबकि अन्य सुरक्षा से समझौता करने से डरते हैं। पृथ्वी की निचली कक्षा वह क्षेत्र है जो मानव निर्मित वस्तुओं से सबसे अधिक भरा हुआ है। यह लागत और निकटता के बीच संतुलन प्रदान करता है। यह तेजी से बढ़ते वाणिज्यिक अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए इसे एक प्रमुख लक्ष्य बनाता है। स्लिंगशॉट के आंकड़ों से पता चला है कि पिछले एक साल में प्रति उपग्रह नजदीकी दृष्टिकोण में 17 फीसदी की वृद्धि हुई है। अनुमान बताते हैं कि आने वाले वर्षों में हजारों और उपग्रह कक्षा में प्रवेश करेंगे। इसे जोखिम के और बढ़ने का अंदेशा है।

'अब देरी नहीं करनी चाहिए'

संयुक्त राष्ट्र की अंतरिक्ष मामलों के कार्यालय की निदेशक आरती होला मैनी का कहना है कि अंतरिक्ष यातायात समन्वय में देरी करने का समय नहीं है। अंतरिक्ष में इतनी सारी वस्तुएं भेजी जा रही हैं कि हमें अंतरिक्ष सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करना होगा। इसका मतलब है कि टकराव से बचने के लिए ऑपरेटरों के बीच सूचना साझा करना जरूरी है।